नई दिल्ली, रविवार 19 अप्रैल 2026 ■ वैशाख मास शुक्ल पक्ष, द्वितीया/तृतीया ■ वर्ष : 29, अंक : 365 ■ पृष्ठ 12 मूल्य 2.00 मौसम अधि. 39, न्यून. 24 haribhoomi.com

परशुराम जयंती आज

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

अक्षय तृतीया की मंगलकामनाएं

Aakash
Medical | IIT-JEE | Foundations

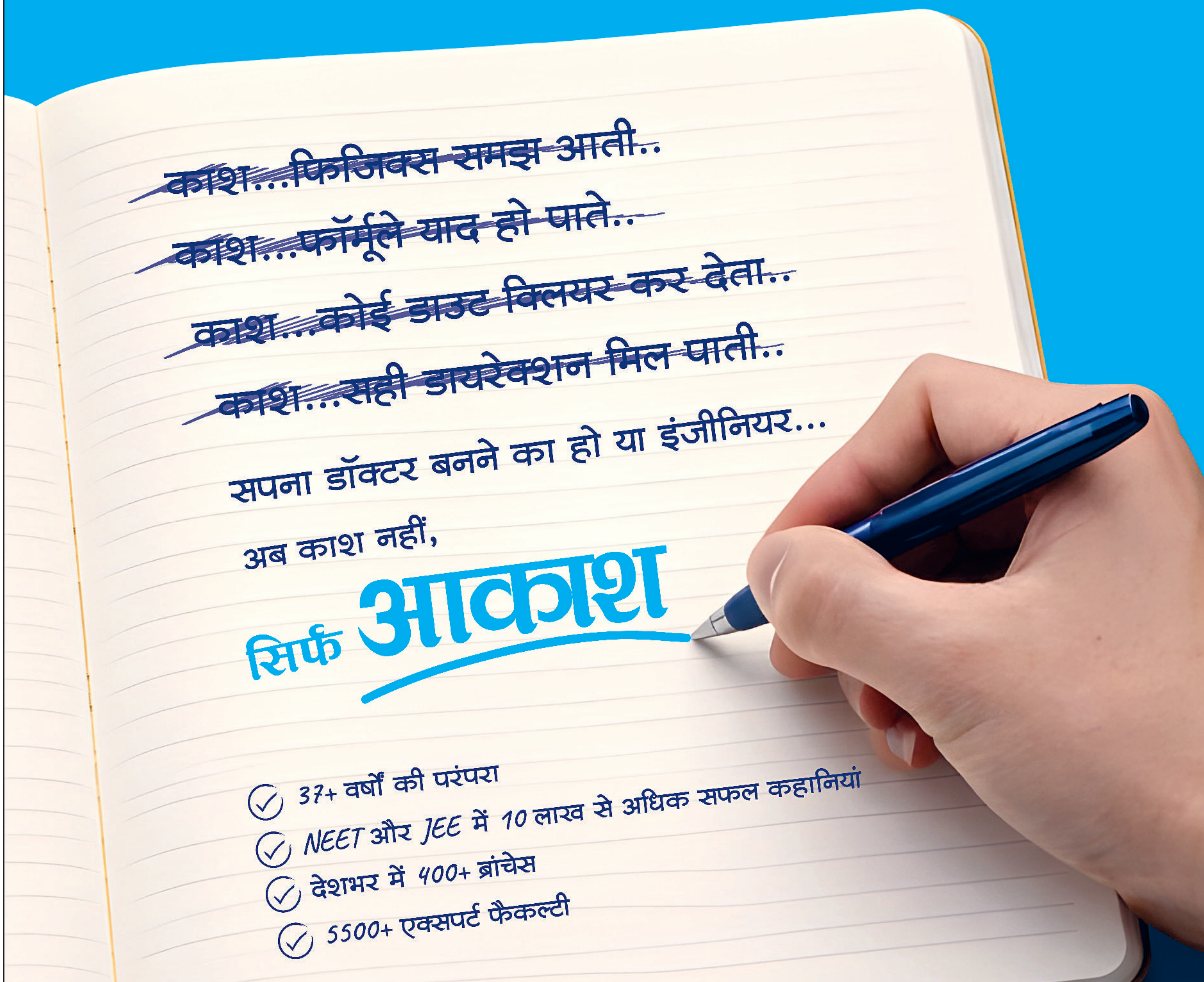

प्रवेश प्रारंभ

कक्षा 6वीं-10वीं में अध्ययनरत छात्र	कक्षा 11वीं में अध्ययनरत छात्र	कक्षा 12वीं में अध्ययनरत छात्र	कक्षा 12वीं में अध्ययनरत व उत्तीर्ण छात्र
स्कूल, बोर्ड परीक्षा एवं ओलंपियाड के लिए फाउंडेशन कोर्स*	NEET / JEE के लिए 2 वर्षीय इंटीग्रेटेड क्लासरूम कोर्स	NEET / JEE के लिए 1 वर्षीय इंटीग्रेटेड क्लासरूम कोर्स	NEET / JEE के लिए 1 वर्षीय रिपीटर / ड्रॉपर कोर्स

*Classes 6th, 7th & 8th for selected branches only.

इंस्टेंट एडमिशन कम स्कॉलरशिप टेस्ट (iACST) में भाग लें।
निःशुल्क नामांकन के लिए: iacst.aakash.ac.in
पर जाएँ या दिए गए QR कोड को स्कैन करें।

90% तक स्कॉलरशिप* प्राप्त करें

नियम व शर्तें लागू।

बैचेस जल्द शुरू हो रहे हैं।

Call Your Nearest Branch: **Janakpuri (Med. Wing):** 8800013110, 9266429406 **Janakpuri (Engg. & Fdn. Wing):** 8800013017 **South Ex (Med. Wing):** 8800013111 **South Ex (Engg. Wing):** 8800015936 **South Ex (Fdn. Wing):** 8800013018 **Dilshad Garden:** 9560796111, 9560839222 **Dwarka:** 8800013019 **South Patel Nagar:** 8800922325, 9220447981 **Faridabad:** 8800013022 **NIT Faridabad:** 8800729482, 92896 57106 **Ghaziabad:** 8800944704 **Ghaziabad (Vasundhara):** 9971412888, 9871309222 **Greater Noida:** 8800013024 **Greater Noida West:** 8800187908 **Gurugram (Sector-14):** 8800840109, 9958064196 **Gurugram (Sector-49):** 8800845034, 9319690348 **Gurugram (Sector-84):** 9220719538, 9873152330 **Jasola Vihar:** 8800189035, 9599187524 **Lajpat Nagar:** 8800015936 **Model Town:** 8800522353, 9560197324 **Najafgarh:** 9311992032, 9289818738 **Noida (Sector-44):** 8800013020 **Noida (Sector-62):** 8800013021 **Palwal:** 8800013038 **Preet Vihar:** 8800909325 **Punjabi Bagh:** 8800901554 **Pitampura:** 8800473922 **Netaji Subhash Place (NSP):** 8800473922 **Rohini:** 8800945728 **Vasant Kunj:** 8800185967 **Bahadurgarh:** 8800901820, 7303251739 **Bhiwadi:** 9599082511 **Bulandshahr:** 9350497647

नजदीकी ब्रांच के लिए QR कोड को स्कैन करें

CALL (TOLL-FREE): 1800-102-2727 | VISIT: aakash.ac.in | Aakash INVICTUS Advanced JEE Prep Program | Aakash Medical | IIT-JEE | Foundations

टॉय कार का इस्तेमाल कर हमले की थी साजिश

दिल्ली को दहलाने की साजिश रच रहे चार संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने महाराष्ट्र, ओडिशा और बिहार से चार कट्टरपंथी लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने कथित तौर पर आतंकी गतिविधियों की साजिश रची थी। कुछ संवेदनशील जगहों को निशाना बनाने के लिए उनकी रेकी करने का भी आरोप इन पर है। इसके साथ ही एनक्रिप्टेड ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए अन्य लोगों को भर्ती करने की कोशिश ये लोग कर रहे थे।

पुलिस ने शनिवार को जानकारी दी कि इस अभियान के दौरान एक आईईडी और उससे जुड़ा सामान भी जब्त किया गया है। दो आरोपी भीड़भाड़ वाली जगहों को निशाना बनाने के लिए आईईडी युक्त रिमोट संचालित टॉय कार को तैयार कर रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि स्पेशल सेल ने एक समन्वित, खुफिया तंत्र नीत अभियान में महाराष्ट्र से दो और ओडिशा तथा बिहार से एक-एक आरोपी को पकड़ा। चारों खिलाफत स्थापित करने के विचार के इर्द-गिर्द केंद्रित चरमपंथी विचारधारा से प्रभावित थे और 'गजवा-ए-हिंद' जैसी धारणा को बढ़ावा दे रहे थे। वे कथित तौर पर काले झंडे लेकर चलने वाले 'खुरासान के लश्कर' की अवधारणा से भी प्रेरित थे, जिसका इस्तेमाल उन्होंने दूसरों को कट्टरपंथी बनाने के अपने दुष्प्रचार के हिस्से के तौर पर किया। पुलिस ने कहा कि आरोपी बंद और 'एनक्रिप्टेड' सोशल मीडिया समूहों पर सक्रिय थे, जहां जिहाद, कट्टरपंथी सोच और हथियारों से जुड़ी सामग्री साझा की जाती थी। इन मंचों का इस्तेमाल कथित तौर पर नए सदस्यों की पहचान करने और भर्ती करने के लिए किया जाता था।

लाल किला और इंडिया गेट की रेकी करने का भी आरोप

नई दिल्ली। जांच से पता चला कि आरोपियों में से एक दिसंबर 2025 में दिल्ली आया था और उसने लाल किला और इंडिया गेट समेत कई खास जगहों की रेकी की थी। जांचकर्ताओं ने कहा कि इस मॉड्यूल ने अयोध्या में राम मंदिर, संसद भवन और कुछ सैन्य प्रतिष्ठानों जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर संभावित हमलों पर भी चर्चा की थी। चारों आरोपी मोसैब अहमद, मोहम्मद हम्माद, मोहम्मद सोहेल और शेख इमरान निम्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से संबंध रखते हैं। मोसैब अहमद मूलरूप से उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ का रहने वाला है और उसने 10वीं कक्षा तक पढ़ाई की है। उसने भारत में और सऊदी अरब तथा कतर जैसे देशों में वेल्डर, ऑटो मैकेनिक और ऑटो इलेक्ट्रीशियन सहित कई तरह के काम किए। फिलहाल वह ठाणे में एक निजी ऑटोमोबाइल वर्कशॉप में काम कर रहा था। मोहम्मद हम्माद मुंबई का रहने वाला है। वह पत्राचार से 12वीं की पढ़ाई कर रहा है। शेख इमरान का जन्म ओडिशा के भुवनेश्वर में एक निचले तबके के घर में हुआ था। उसने 10वीं तक पढ़ाई की और उसके बाद सुरक्षा गार्ड और डिलीवरी ब्वॉय के तौर पर काम किया। मोहम्मद सोहेल बिहार के कटिहार का रहने वाला है। वह 10वीं तक पढ़ा है और पेशे से प्लंबर है।

सीआर पार्क में पिता-पुत्र की चाकू घोंपकर हत्या, एक अन्य जख्मी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दक्षिण दिल्ली के सीआर पार्क इलाके में शुक्रवार देर रात एक बुजुर्ग व्यक्ति और उनके बेटे की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मृतकों के नाम राकेश सूद (62) और बेटा करण सूद (27) है। हमले में राहुल नामक एक रिश्तेदार भी घायल हुआ है। उसका इलाज जारी है।

पुलिस के अनुसार घटना की सूचना शुक्रवार रात करीब नौ बजकर 20 मिनट पर साकेत के एक निजी अस्पताल से प्राप्त हुई, जहां सीआर पार्क स्थित तारा अपार्टमेंट के तीन लोगों को उनके रिश्तेदारों ने भर्ती कराया था। पुलिस ने कहा कि जांच करने पर डॅक्टरों ने पिता पुत्र को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही तुरंत एक टीम घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान असद के रूप में हुई है, जिसकी लंबे समय से पिता-पुत्र से दुश्मनी थी और यह घटना उसी का नतीजा थी। आरोपी तारा अपार्टमेंट का रहने वाला है। उसने दोनों पर शाम करीब छह बजे कथित तौर पर धारदार हथियार से हमला किया। पुलिस ने कहा कि मामला पैसों के लेन-देन से जुड़ा होने संदेह है। अपराध और फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया और सबूत एकत्र किए। जांच के तहत इलाके के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। घटना में जीवित बचे व्यक्ति के बयान के आधार पर मामला दर्ज किया गया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने यह भी बताया कि आरोपी द्वारा अपराध स्थल से भागने के लिए इस्तेमाल किया गया वाहन भी जब्त कर लिया गया है। आरोपी के खिलाफ संगम विहार थाने में 2005 में भी मामला दर्ज किया गया था। तारा अपार्टमेंट अलकनंदा जहां वारदात को अंजाम दिया गया वह जगह दक्षिण दिल्ली की सबसे सुरक्षित कॉलोनियों में से एक मानी जाती है।

■ पैसों के लेनदेन में हत्या का शक, आरोपी गिरफ्तार

नशे में धुत कार चालक ने टैक्सी को मारी टक्कर, ट्रैक्सी चालक गंभीर रूप से घायल

नई दिल्ली। राजौरी गार्डन इलाके में शनिवार तड़के एक टैक्सी को तेज रफ्तार हैरियर कार ने टक्कर मारी। हादसे में टैक्सी का चालक गंभीर रूप से घायल हुआ है। उसे सफदरजंग अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जांच में हैरियर चालक के नशे में होने की पुष्टि हुई है। पुलिस के अनुसार हादसा शनिवार तड़के लगभग 3:29 बजे, आईसीआईसीआई बैंक, नजफगढ़ रोड के पास हुआ। पीसीआर कॉल मिलने पर राजौरी गार्डन थाने के पुलिसकर्मी पिलर नंबर 408 के पास घटनास्थल पर पहुंचे, जहां हैरियर और डिजायर टैक्सी दुर्घटनाग्रस्त हालत में पाए गए। एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार डिजायर सड़क के बिल्कुल बाई ओर खड़ी थी तभी राजा गार्डन की तरफ से तेज गति से आ रही हैरियर ने उसे पीछे से टक्कर मार दी। टैक्सी चालक को गंभीर चोटें आई। हैरियर चालक ने शुरू में उसे गुरु गोविंद सिंह अस्पताल में भर्ती कराया। घायल व्यक्ति की पहचान नरेंद्र कुमार (33) के रूप में हुई। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उसे बाद में सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया और वह वर्तमान में आईसीयू में भर्ती है। हैरियर के चालक का नाम विकास राठौर (30) पता चला। उसकी मेडिकल जांच में उसके खून में अल्कोहल की मात्रा अधिक पाई गई, जिससे यह संकेत मिलता है कि वह नशे की हालत में गाड़ी चला रहा था। आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

एक करोड़ की चोरी का मामला सुलझा, रिसीवर समेत पांच अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

पूर्वी जिले के स्पेशल स्टाफ और मधु विहार थाने की पुलिस ने एक करोड़ की रात्रि चोरी का मामला सुलझा लिया है। चोरी का माल खरीदने वाले समेत पांच आरोपी गिरफ्तार किये गये हैं। इनके पास से सोने, हीरे और चांदी के सामान के साथ-साथ आठ लाख रुपये नकद बरामद हुये। गिरफ्तार आरोपी पहले भी कई आपराधिक मामलों में शामिल पाए गए है।

पुलिस के अनुसार मधु विहार थाने में 1 अप्रैल को आर्य नगर अपार्टमेंट में चोरी के संबंध में एक शिकायत प्राप्त हुई थी। बताया गया था कि 31 मार्च को शाम लगभग 7:30 बजे घर में ताला लगाया गया था। अगले दिन लौटने पर घर के ताले टूटे हुए पाए गए और लगभग एक करोड़ के सोने, चांदी और हीरे के गहनें, साथ ही लगभग 12 लाख रुपये नकद चोरी हो गए थे। केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। 150 कैमरे खंगाले गये। मधु विहार थाने की पुलिस टीम और स्पेशल स्टाफ टीम ने जांच बहुत ही बारीकी और पेशेवर तरीके से की। सबसे पहले 8 अप्रैल को एक छापा मारा गया, जिसके परिणामस्वरूप दो आरोपियों बबलू उर्फ कलुआ और रामपाल उर्फ रामकुमार को गिरफ्तार किया गया। लगातार पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने अपने साथी विशाल उर्फ विक्कू की संलिप्तता का खुलासा किया, जिसे बाद में 10 अप्रैल को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपियों से गहन पूछताछ की गई, जिससे चोरी के माल के खरीदार रवि सोनी (सुनार) और एक अन्य साथी पिंकी की पहचान हुई। बाद में दोनों को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

आरोपियों की निशानदेही पर चोरी के माल का एक बड़ा हिस्सा बरामद किया गया। आरोपी दिन के समय रिहायशी कॉलोनियों की रेकी करते थे, ताकि उन घरों की पहचान कर सकें जिनमें ताला लगा हो। यह पक्का करने के बाद कि घर के लोग बाहर गए हुए हैं, वे देर रात के समय ऐसे घरों को निशाना बनाते थे।

■ सोने, हीरे और चांदी के सामान के साथ-साथ आठ लाख रुपये नकद बरामद हुये

150 बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों को 10 लाख के सहायक उपकरण किए वितरित : इंद्राज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों के लिए दिल्ली के बेगमपुर क्षेत्र में निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 150 लाभार्थियों को लगभग 10 लाख रुपये मूल्य के सहायक उपकरण वितरित किए गए। कैंप के दौरान विशेषज्ञों द्वारा लाभार्थियों को सहायक उपकरणों के सही उपयोग एवं रख-रखाव की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही, मौके पर ही संबंधित आवश्यकताओं के अनुसार उपकरणों का फिटमेंट भी सुनिश्चित किया गया।

लाभार्थियों ने बताया कि पहले इस प्रकार के शिविर या तो आयोजित नहीं होते थे या उनकी जानकारी समय पर उपलब्ध नहीं हो पाती थी। उन्होंने इस जनकल्याणकारी पहल के लिए समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह का आभार जताया। इस अवसर पर मंत्री इंद्राज ने कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा ऐसे शिविर लगातार आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें वरिष्ठ नागरिकों को विशेषज्ञों की सहायता से आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाते हैं तथा उनके उपयोग की संपूर्ण जानकारी दी जाती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिविर में बड़ी संख्या में बुजुर्ग लाभार्थियों की भागीदारी सरकार की योजनाओं पर उनके विश्वास को दर्शाती है। मंत्री इंद्राज ने बताया कि राष्ट्रीय वयोश्री योजना का उद्देश्य पात्र एवं जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराकर उन्हें सम्मानजनक, सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर जीवन प्रदान करना है। शिविर के दौरान लाभार्थियों को उनकी आवश्यकता के अनुसार व्हीलचेयर, वॉकर, व्हीलचेयर कमोड चेयर, श्रवण यंत्र, चश्मे, सिलिकॉन फोम तकिया, स्पाइनल सपोर्ट बेल्ट, नी-ब्रेस, सर्वाइकल कॉलर सहित अन्य आवश्यक सहायक उपकरण वितरित किए गए।

नकली लूट का मामला छह घंटे के भीतर सुलझा

नई दिल्ली। नॉर्थ रोहिणी थाने में रिपोर्ट किया गया एक नकली लूट का मामला छह घंटे के भीतर सुलझा लिया गया। दो व्यक्तियों अनुज (39) और भारत (27) को गिरफ्तार किया गया है। उनकी निशानदेही पर छह लाख रुपये, एक खिलौना पिस्तौल और अपराध में इस्तेमाल की गई स्कूटी बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार अभिषेक नामक शख्स की शिकायत पर बंदूक की नोक पर लूट के संबंध में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई। इसके बाद नॉर्थ रोहिणी थाने में एक मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान तकनीकी निगरानी और मानवीय खुफिया जानकारी की मदद से अनुज और भारत को गिरफ्तार किया गया।

उनकी निशानदेही पर 6 लाख रुपये, एक खिलौना पिस्तौल और अपराध में इस्तेमाल की गई स्कूटी बरामद की गई। आगे की पूछताछ में पता चला कि यह घटना शिकायतकर्ता अभिषेक ने खुद ही रची थी। आर्थिक तंगी के कारण, उसने सह आरोपी अनुज, भारत और अजय के साथ मिलकर एक नकली लूट दिखाने और उसे सौंपे गए 17 लाख रुपये का गबन करने की साजिश रची थी। पुलिस ने शिकायतकर्ता को भी गिरफ्तार कर लिया है और मामले में आपराधिक साजिश से संबंधित धाराएं जोड़ी गई हैं। शेष राशि बरामद करने और फरार सह आरोपियों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

निवेश के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ पुलिस ने चार आरोपी किये गिरफ्तार

क्राइम ब्रांच ने ऑनलाइन निवेश घोटाले में संलिप्त एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ कर चार लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने मोबाइल एप्लिकेशन के जरिये निवेश करने पर भारी मुनाफा दिलाने का प्रलोभन देकर एक व्यक्ति से कथित तौर पर 33.83 लाख रुपये की धोखाधड़ी की थी। पुलिस ने बताया कि यह गिरोह दिल्ली, पंजाब और राजस्थान सहित कई राज्यों में सक्रिय था।

पुलिस के अनुसार जांच में धोखाधड़ी से प्राप्त राशि 15 बैंक खातों में जमा कराने की बात सामने आई। इनमें से 13 खाते दिल्ली के बाहर खुलवाए गए थे, जो दर्शाता है कि यह गिरोह संगठित और अंतरराज्यीय था। पकड़े गये आरोपियों के नाम दिल्ली निवासी मोहम्मद खालिद (26) व अतियुर रहमान (23), पंजाब के रमनदीप सिंह (29) और राजस्थान के तनिष उर्फ हीरा राम (27) बताये गये हैं। खालिद को 15 मार्च को गिरफ्तार किया गया था और उसने कथित तौर पर खुलासा किया कि उसने कमीशन के बदले अपने बैंक खाते की जानकारी और सिम कार्ड एक सह आरोपी को दिए थे। रहमान पहले से ही इसी तरह के एक मामले में हरियाणा की जेल में बंद था और उसे बाद में औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया गया। रमनदीप सिंह को छह अप्रैल को गिरफ्तार किया गया था और उसने कथित तौर पर आर्थिक लाभ के लिए अपने खाते की जानकारी साझा करने की बात स्वीकार की। तनिष को धोखाधड़ी करने वाले गिरोह में ऐसे खातों के इस्तेमाल की सहूलियत देने के आरोप में नौ अप्रैल को राजस्थान से पकड़ा गया था। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान करने की कोशिश कर रही है।

सीएम ने किया औचक निरीक्षण

आर. के. आश्रम मार्ग मेट्रो स्टेशन बनेगा दिल्ली का नया 'हब': रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आर. के. आश्रम मार्ग मेट्रो स्टेशन को एक महत्वपूर्ण इंटरचेंज हब के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां वर्तमान में संचालित ब्लू लाइन और मैजेंटा लाइन के बीच कनेक्टिविटी स्थापित होगी। यह स्टेशन जनकपुरी वेस्ट से आर. के. आश्रम मार्ग तक विस्तारित 28.92 किलोमीटर लंबे लाइन-8 कॉरिडोर का एक प्रमुख केंद्र होगा।

इस बात की जानकारी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को मेट्रो फेज-4 के अंतर्गत आर के.आश्रम मार्ग मेट्रो स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण करने के दौरान कही। इस दौरान मुख्यमंत्री ने डीएमआरसी द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परियोजना की प्रगति, निर्माण की गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों और समय-सीमा के पालन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि फेज-4 कॉरिडोर के अंतर्गत जनकपुरी वेस्ट से कृष्णा पार्क एक्सटेंशन और दीपाली चौक से मजलिस पार्क तक के हिस्से पहले ही यात्रियों के लिए खोले जा चुके हैं, जबकि शेष हिस्सों पर निर्माण कार्य तेजी से जारी है। यह कॉरिडोर पश्चिम, उत्तर और मध्य दिल्ली के घनी आबादी वाले आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रों से होकर गुजरेगा, जिससे यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आएगी, सड़कों पर ट्रैफिक का दबाव घटेगा और प्रदूषण में भी महत्वपूर्ण कमी होगी।

उन्होंने बताया कि इस परियोजना का एक बड़ा हिस्सा बेहद जटिल कॉन्ट्रैक्ट पैकेज के अंतर्गत आता है, जिसमें लगभग 7 किलोमीटर लंबे ट्विन टनल और छह प्रमुख अंडरग्राउंड स्टेशनों जैसे डेरावल नगर, घंटाघर, पुलबंगश, सदर बाजार, नबी करीम और आर. के. आश्रम मार्ग का डिजाइन और निर्माण शामिल है।

श्रद्धांजलि सभा

आप सभी को अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि
हमारे प्रिय पूज्यनीय

स्व. चौ. गोपीचंद गहलोत जी (एडवोकेट)

(पूर्व डिप्टी स्पीकर, हरियाणा सरकार एवं भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य)

की दिव्य आत्मा ने 11 अप्रैल, 2026, को परमात्मा के श्रीचरणों में स्थान प्राप्त किया। उनकी पुण्य स्मृति में तथा दिवंगत आत्मा की शांति हेतु श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है। आपसे विनम्र अनुरोध है कि इस अवसर पर उपस्थित होकर पुण्यात्मा को श्रद्धासुमन अर्पित करें एवं शांति प्रार्थना में सहभागी बनें।

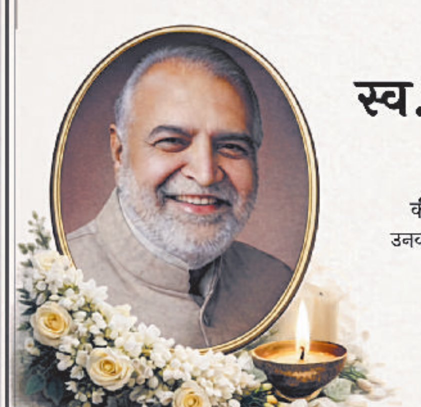

(1 जनवरी, 1951 - 11 अप्रैल, 2026)

श्रद्धांजलि सभा एवं रस्म पगड़ी
दिनांक- 20 अप्रैल 2026 | दिन-सोमवार
भोजन प्रसाद- दोपहर 1 बजे | श्रद्धांजलि सभा- दोपहर 3:00-4:30 बजे
स्थान- डीपीजी आईटीएम इंजीनियरिंग कॉलेज, सेक्टर-34, गुरुग्राम

शोकाकुल
बिजेन्द्र गहलोत (पुत्र), सुरेन्द्र गहलोत एडवोकेट (पुत्र), मेधांश गहलोत (पौत्र), मनवीत गहलोत (पौत्र), देव गहलोत (पौत्र), रणविजय गहलोत (पौत्र), करणधीर गहलोत (पौत्र), अधिराज गहलोत (पौत्र)
राजेन्द्र गहलोत (भाई), विरेन्द्र गहलोत (भाई), सतवीर गहलोत (भाई), महावीर गहलोत (भाई)
नरेन्द्र गहलोत (भतीजा), दीपक गहलोत (भतीजा), राहुल गहलोत (भतीजा), रणवीर गहलोत (भतीजा), रोहित गहलोत भतीजा) , सागर गहलोत (भतीजा), विक्रम गहलोत (भतीजा)
एवं समस्त गहलोत परिवार
9871497777 / 9971497777 / 9818048401

आप सभी से विनम्र निवेदन है कि दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना सभा में सम्मिलित होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करें।

नई दिल्ली
रविवार 19 अप्रैल 2026
वैशाख मास शुक्ल पक्ष,
द्वितीया/तृतीया, वर्ष : 29, अंक : 365
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 39
न्यून. 24

हरिभूमि
दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

चार धाम यात्रा का शंखनाद

अक्षय तृतीया पर आज खुलेंगे गंगोत्री और यमुनोत्री के कपाट

चार धाम यात्रा के लिए अब ऑनलाइन के साथ-साथ अब ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन भी

एजेंसी ▶▶ उत्तरकाशी

उत्तराखंड में चारधाम यात्रा 2026 का शुभारंभ रविवार को अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर होगा। गंगोत्री और यमुनोत्री पोर्टल्स रविवार से खोल दिए जाएंगे। मां गंगा की डोली मुखबा से रवाना हो गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऋषिकेश से यात्रियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। आर्मी बैंड की धुनों और पारंपरिक ढोल-दमांऊ ▶▶ शेष पेज 5 पर

विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री के साथ हुई ईरान के राजदूत डॉ. फतहली की अहम बैठक

ईरान की नौसेना ने की 2 भारतीय जहाजों पर गोलीबारी, भारत ने राजदूत को तलब कर जताया कड़ा विरोध

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

संघर्षविराम के बीच अमेरिका की नौसेना द्वारा फिलहाल बरकरार रखी गई तेहरान के बंदरगाहों की नाकेबंदी के बीच ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह से खोलने के अपने निर्णय पर यू-टर्न लेते हुए इस महत्वपूर्ण वैश्विक जलमार्ग पर एक बार फिर से रोक लगा दी है। लेकिन इन सबके बीच शनिवार को भारत के लिए एक बेहद चिंताजनक खबर सामने आई है। जिसमें यह पता चला है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े समुद्री इलाके में ईरान की नौसेना (इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स, आईआरजीसी) ने लगभग दो ▶▶ शेष पेज 5 पर

- मिस्त्री ने घटना पर जताई गहरी चिंता, बोले-हमारी चिंताओं को तुरंत ईरानी अधिकारियों के समक्ष रखें, भारत के जहाजों को होर्मुज पार करने में सहयोग प्रदान करें
- ईरान के राजदूत ने दिया भरोसा, वह भारत की चिंताओं को ईरान में अपने उच्च-अधिकारियों के समक्ष रखेंगे
- जग अर्नव और सनमार हेराल्ड नामक दो जहाजों पर गोलीबारी कर ईरानी नौसेना ने किया उन्हें होर्मुज की ओर लौटने के लिए मजबूर

मिस्त्री संग हुई राजदूत की बैठक का सार

मंत्रालय ने कहा कि भारत के दो जहाजों पर गोलीबारी की घटना की सूचना मिलने के बाद ईरान के राजदूत डॉ.मोहम्मद फतहली को विदेश मंत्रालय बुलाया गया। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री की उनके साथ बैठक हुई। जिसमें विदेश सचिव ने होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान की नौसेना द्वारा दो भारतीय ध्वज लगे हुए जहाजों पर की गई गोलीबारी के मामले में गंभीर चिंता जताई है। साथ ही उन्होंने डॉ.फतहली से यह अपील भी की कि वह भारत की चिंताओं और उसके पक्ष को ईरान के संबंधित उच्च अधिकारियों तक पहुंचाएं और जितना जल्दी हो सके भारतीय ध्वज वाले जहाजों की होर्मुज से सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित कराने की प्रक्रिया की शुरुआत कराएं।

30 मिनट का देश के नाम संबोधन

महिला आरक्षण पर सियासत तेजः पीएम मोदी ने देश की महिलाओं से मांगी माफी, कहा- असफल रहा प्रयास

पीएम ने कहा- हमने हिम्मत नहीं हारी है, हम इस बिल के रास्ते की हर रुकावट को हटाकर रहेंगे

विपक्ष को करारा जवाब मिलेगा, नारियां ही सजा देंगी, उनके सपनों को 'कुचला' गया

विपक्ष पर साधा निशाना, 'नारी शक्ति' के सम्मान की दोहराई प्रतिबद्धता

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार शाम राष्ट्र को संबोधित करते हुए महिला आरक्षण विधेयक के पारित न हो पाने पर देश की महिलाओं से माफी मांगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने महिलाओं को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने के लिए हर संभव प्रयास किए, लेकिन "हम अपने लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाए।"

प्रधानमंत्री का यह संबोधन ऐसे समय में आया है जब संसद में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाला महत्वपूर्ण संविधान संशोधन विधेयक पारित नहीं हो सका, जिससे देशभर में राजनीतिक बहस तेज हो गई है। राजनीति ▶▶ शेष पेज 5 पर

संसद में 66 फीसदी वोट भले ही नहीं मिले पर 100 फीसदी नारियों का सरकार को आशीर्वाद

भाषण की बड़ी बातें

1. महिलाओं के सपनों को ठेस पहुंचने पर प्रधानमंत्री ने जताया खेद
2. महिला आरक्षण विधेयक पास न होने पर माफी
3. विपक्षी दलों पर "स्वार्थ की राजनीति" का आरोप
4. 'नारी शक्ति' को सशक्त बनाने का संकल्प दोहराया
5. जनता से अपील- महिलाओं के अधिकारों के लिए एकजुट हों

बनी रणनीति... नितिन नवीन ने की मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक

भाजपा विधानसभाओं से अब विपक्ष को घेरेगी

नई दिल्ली। महिला आरक्षण विधेयक में संशोधन के लोकसभा में पारित न हो पाने को लेकर देश में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आक्रामक टकराव जारी है। इस घटनाक्रम के बीच भाजपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और पार्टी वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अहम बैठक की, जिसमें विपक्षी दलों ▶▶ शेष पेज 5 पर

- भाजपा शासित प्रदेशों में एक दिन बुलाया जाएगा विशेष सत्र

खबर संक्षेप

राहुल पर एफआईआर का आदेश जज ने बदला

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने सांसद राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का अपना ही आदेश बदल दिया है। मामला दोहरी नागरिकता से जुड़ा है। कोर्ट ने शनिवार को अपनी वेबसाइट पर नया आदेश जारी किया। कोर्ट ने बताया कि शुक्रवार को सुनवाई हुई थी। हालांकि, आदेश टाइप होने से पहले न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने फिर से फैसले को परखा।

महिलाएं याद रखेंगी, कांग्रेस हमेशा से ही महिलाओं के अधिकारों का भी विरोध करती रही है: भाजपा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा के वरिष्ठ नेता, लोक सभा सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद और पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता स्मृति ईरानी ने शनिवार को नई दिल्ली स्थित भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित किया और संसद में नारी शक्ति के अपमान पर कांग्रेस, सपा, डीएमके एवं तृणमूल कांग्रेस पर जम कर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एंड कंपनी महिला आरक्षण और राजनीतिक अधिकारों के मुद्दे पर भ्रम फैलाकर अपने पुराने रुख को छिपा रही है। ईरानी ने कहा कि 33% महिला आरक्षण को लेकर भाजपा सरकार ने संवैधानिक प्रक्रिया पूरी कर इसे आगे बढ़ाया, जबकि कांग्रेस ने दशकों तक सत्ता में रहते हुए इसे लागू नहीं किया। प्रसाद ने परिसीमन और जनगणना से जुड़े संवैधानिक प्रावधानों का हवाला देते हुए स्पष्ट किया गया कि सीटों का पुनर्समायोजन केवल डीलिमिटेशन के माध्यम से ही संभव है।

प्रेस वार्ता की शुरुआत करते हुए स्मृति ईरानी ने कहा कि आज राष्ट्र की महिलाओं के सामने कांग्रेस पार्टी की एक प्रेस वार्ता में 98 वर्ष का एक अहसान जताया गया। देश की महिलाओं से कहा गया कि कांग्रेस पार्टी ने एक ऐसा सपना सृजित किया था, जो महिलाओं को राजनीतिक अधिकार दिलाने की मंशा रखता है। उस मंशा का 98 वर्षों में क्या हश्र हुआ, यह कल देश की संसद में देशभर की महिलाओं ने देखा। कांग्रेस पार्टी इठलाई, मुस्कुराई ▶▶ शेष पेज 5 पर

- कांग्रेस ने तीन तलाक, शाहबानो और अनुच्छेद 370 से प्रभावित कश्मीरी महिलाओं जैसे हर महिला-हितैषी कदम का विरोध किया: स्मृति ईरानी
- भाजपा महिला सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्ध हैं और यह केवल कहने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसे करके भी दिखाया गया है: रवि शंकर प्रसाद

संविधान संशोधन विधेयक गिरने पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी बोलीं

लोकतंत्र की 'जीत' हुई, परिसीमन को लेकर मोदी सरकार की साजिश नाकाम

महिला आरक्षण के लिए पूरा विपक्ष तैयार, 2023 में सर्वसम्मति से पारित विधेयक तुरंत प्रभाव से लागू हो

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि संविधान संशोधन विधेयक के लोकसभा में गिरने से परिसीमन को लेकर मोदी सरकार की साजिश नाकाम हो गई है और यह लोकतंत्र एवं संविधान की जीत है। कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि विपक्ष की एकजुटता ने संघीय ढांचे को बदलने की सरकार की साजिश को नाकाम कर दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने-अपने भाषणों में कहा कि अगर विपक्ष इस मुद्दे पर सहमत नहीं होगा तो न कभी चुनाव जीत पाएगा, न ही सत्ता में आ पाएगा। इन बातों से ही ▶▶ शेष पेज 5 पर

सरकार चाहती थी विपक्ष को पर्याप्त समय न मिले

प्रियंका गांधी ने कहा कि सरकार ने अचानक विधानसभा चुनावों के बीच संसद का विशेष सत्र बुलाया और विधेयक का मसौदा आखिरी समय में सामने रखा, जिससे विपक्ष को पर्याप्त समय न मिले। भाजपा के आरोपों से संबंधित एक सवाल के जवाब में कांग्रेस महासचिव ने कहा कि महिला आरक्षण के लिए पूरा विपक्ष तैयार है। उन्होंने मांग ▶▶ शेष पेज 5 पर

सीएम डॉ. यादव ने कोलकाता में घर-घर संपर्क किया

बांग्लादेशी 'घुसपैठ' पर रोक और पश्चिम बंगाल की प्रगति के लिए भाजपा जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के जंगलराज से मुक्ति चाहती है। बंगाल की प्रगति के लिए राज्य में भाजपा की सरकार जरूरी है। बंगाल में भाजपा की सरकार बनने के बाद जनकल्याण के कार्य तेज होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल की प्रगति और बांग्लादेशी घुसपैठ पर रोक के लिए भाजपा जरूरी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को पश्चिम बंगाल के कोलकाता नार्थ सब अर्बन जिले के कमरहाटी एवं मेदनीपुर जिले के खड़गपुर सदर विधानसभा में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में

घर-घर संपर्क एवं रोड शो किया। उन्होंने जनसभा को भी संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कमरहाटी में भाजपा प्रत्याशी अरुप चौधरी एवं खड़गपुर सदर विधानसभा में भाजपा के वरिष्ठ नेता व प्रत्याशी दिलीप घोष के समर्थन में विभिन्न नगरों, बस्तियों एवं कॉलोनियों का पैदल भ्रमण कर जनता से भाजपा प्रत्याशियों को अपना आशीर्वाद प्रदान कर प्रचंड बहुमत से विजयी बनाने की अपील की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पश्चिम बंगाल में हालात ▶▶ शेष पेज 5 पर

युद्ध के बीच भी जारी रहेगी जहाजों की आवाजाही...

पश्चिम-एशिया संकट सहित वैश्विक भू-राजनीतिक अस्थिरता के माहौल के बीच होगा मददगार, घटेगी विदेशों पर निर्भरता

पीएम की अध्यक्षता में कैबिनेट ने दी 'भारत समुद्री बीमा पूल' के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान युद्ध की वजह से बनी हुई अंतरराष्ट्रीय अस्थिरता के बीच प्रभावित होती व्यापारिक समुद्री जहाजों की आवाजाही के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शनिवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में घरेलू बीमा पूल के गठन के एक बड़े महत्वपूर्ण प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई है। जिसे सरकार ने 'भारत समुद्री बीमा पूल' (बीएमआई पूल) का नाम देते हुए सतत समुद्री बीमा कवरेज की सुविधा के लिए 12 हजार 980 करोड़ रुपए की संप्रभु गारंटी भी दी है। मूल रूप से ऐसे बीमा पूल की आवश्यकता प्रतिबंधों या भू-राजनीतिक तनाव के कारण कवरेज वापस लिए जाने की स्थिति में व्यापार की संप्रभुता और निरंतरता को बनाए रखना है। पूल की यह योजना 10 वर्ष तक के लिए होगी। जिसे अगले 5 वर्षों तक आगे ▶▶ शेष पेज 5 पर

यूं पड़ी पूल बनाने की आवश्यकता: अंतरराष्ट्रीय जगत में बढ़ती अनिश्चितता और भू-राजनीतिक अस्थिरता की वजह से समुद्री व्यापार प्रभावित हुआ है। जिससे माल और जहाजों के नुकसान का जोखिम बढ़ गया है। इसी के चलते बीमा लागत बढ़ने के साथ ही बीमा की उपलब्धता में ▶▶ शेष पेज 5 पर

कवर होंगे सभी समुद्री जोखिम

इस पूल के माध्यम से सभी समुद्री जोखिमों को कवर किया जाएगा। जिसमें जहाज-मशीनरी, कार्गो, पी एंड आई और युद्ध जोखिम शामिल है। बीमा पॉलिसियां पूल के सदस्य बीमाकर्ताओं द्वारा की जाएंगी। जो कि इसकी कुल करीब 950 करोड़ रुपए की संयुक्त बीमा क्षमता का उपयोग करेंगी। यह पूल भारतीय नौवहन परिस्थितियों और नियामक आवश्यकताओं के तहत स्थानीय स्तर पर देनदारी बीमा का प्रबंधन करने, देश के भीतर विशेष समुद्री बीमा, दावा प्रबंधन और कानूनी विशेषज्ञता ▶▶ शेष पेज 5 पर

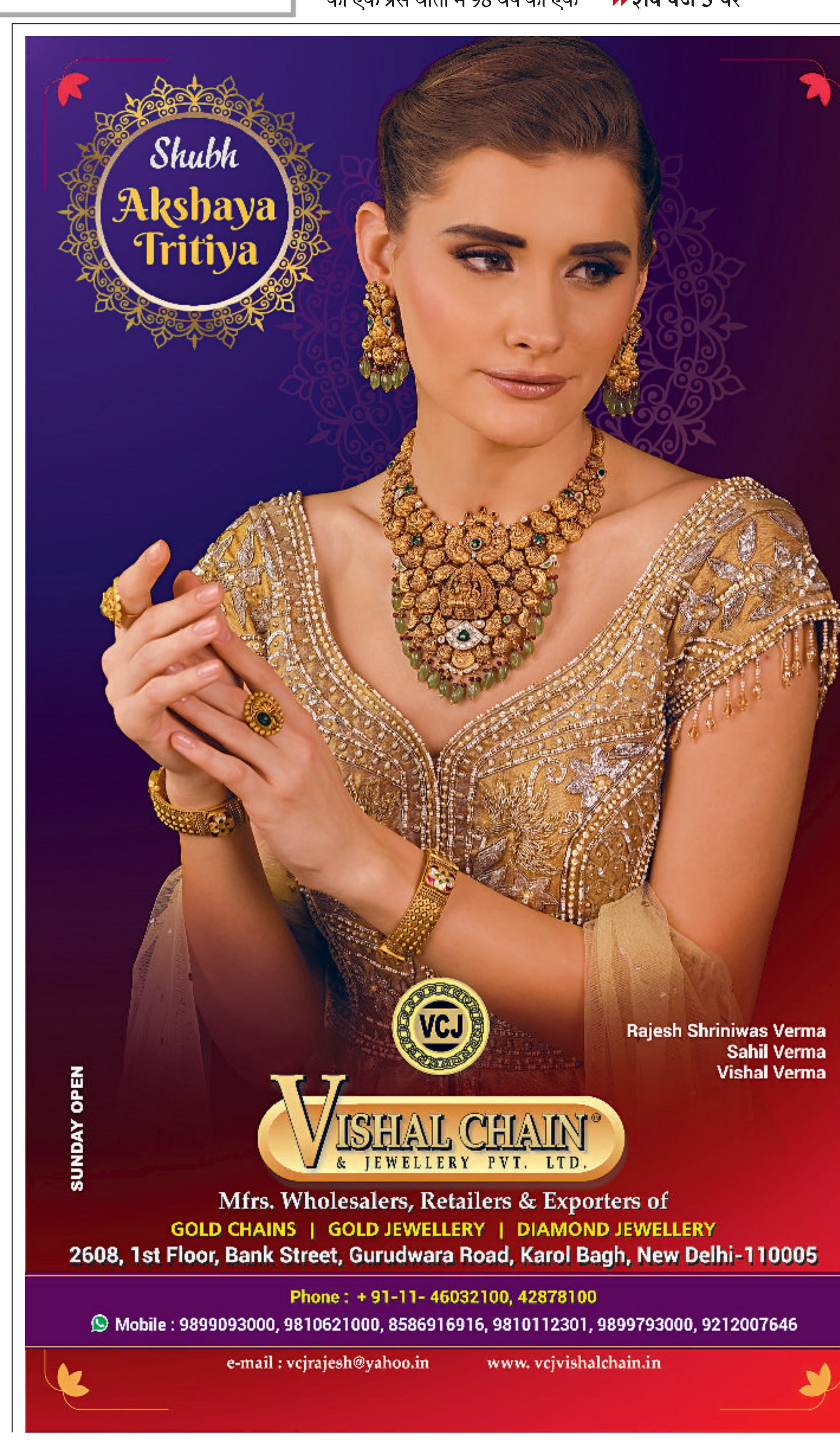

खबर संक्षेप

नरेन्द्र जैन अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला प्रभारी बने

फरीदाबाद। भारतीय जनता पार्टी फरीदाबाद के जिलाध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से विचार-विमर्श करने के उपरांत भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेन्द्र जैन को फरीदाबाद भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा का जिला प्रभारी नियुक्त किया है। नरेन्द्र जैन पहले भी भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला संयोजक रह चुके है पार्टी के प्रति समर्पित भावना से किए गए कार्यों के चलते दी गई है।

ठगी के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने कार्रवाई करते हुए 75,69,041 रुपए की ठगी के मामले में दीपक पांचाल निवासी प्रताप नगर मंडोली ईस्ट दिल्ली हाल उतराचंल कॉलोनी गाजियाबाद उतर प्रदेश को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार सेक्टर 35 निवासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना सेंट्रल में दी अपनी शिकायत में बताया उसने फेसबुक पर सर्फिंग करते हुए क्रिप्टो करेंसी में निवेश बारे एक विज्ञापन देखा था।

वाणी यादव ने 90.08 फीसदी अंक प्राप्त किए

गुरुग्राम। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की दसवीं कक्षा की छात्रा वाणी यादव पुत्री संजय यादव ने 90.08 फीसदी अंक लेकर नाम रोशन किया है। वाणी यादव डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर-14 की छात्रा है। वाणी यादव ने 10वीं कक्षा में तीन टॉप विषयों एआई में 97 प्रतिशत, अंग्रेजी व संस्कृत में 90-90 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। बचपन से ही पढ़ाई में होनहार वाणी यादव ने हर कक्षा अच्छे अंक लेकर उत्तीर्ण की है। दसवीं कक्षा में वाणी की सफलता से परिवार व जानकारों, रिश्तेदारों ने होनहार बेटी वाणी यादव को आशीर्वाद देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की।

जींद के राजकीय महाविद्यालय का नामकरण संत शिरोमणि सैन भगत करने पर सैन समाज ने मुख्यमंत्री सैनी का आभार जताया

प्रस्ताव पारित होने से सैन समाज में खुशी की लहर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

सैन समाज हरियाणा की कार्यालय पर फरीदाबाद में आयोजित की गई। इस अवसर पर बैठक में मौजूद सभी पदाधिकारियों ने जींद के राजकीय महाविद्यालय का नाम बदलकर संत शिरोमणि सैन भगत राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रखने के ऐतिहासिक निर्णय पर सैन समाज ने कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप सैन के नेतृत्व में एक प्रस्ताव पारित कर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया है।

इस मौके पर कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप सैन ने उपस्थित समाज के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा जींद के राजकीय महाविद्यालय महाविद्यालय का नाम बदलकर संत शिरोमणि सैन भगत राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रखने के ऐतिहासिक निर्णय

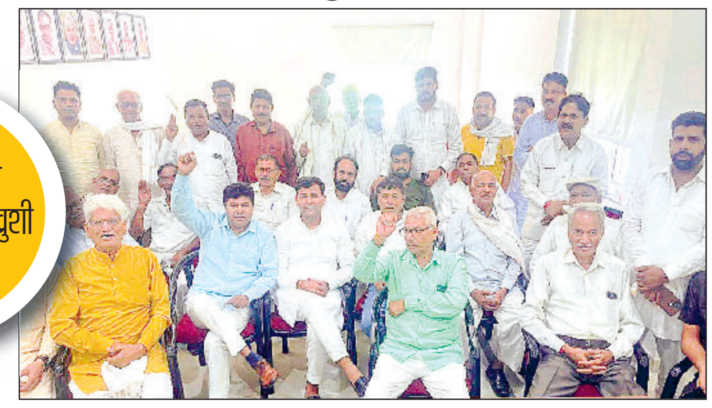

पर सैन समाज में खुशी की लहर है। कुलदीप सैन ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सैन समाज के कुल देवता संत शिरोमणि सैन भगत जी के नाम पर शिक्षण संस्थान का नामकरण कर एक नायाब कार्य किया है। यह निर्णय मुख्यमंत्री की पारखी नजर और उनके पिछड़ा वर्ग हितैषी होने का स्पष्ट प्रमाण है। उन्होंने कहा कि इस कदम से समाज में समानता और समरसता के भाव को मजबूती मिलेगी। कमेटी के अध्यक्ष कुलदीप सैन ने प्रस्ताव में इस कार्य को अमलीजामा पहनाने के लिए केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल, हरियाणा के डिप्टी स्पीकर कृष्ण मिड्ढा, कैबिनेट कृष्ण कुमार बेदी, कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा का विशेष रूप से आभार जताया है। कुलदीप सैन ने कहा कि आज का दिन सैन समाज के लिए किसी दिवाली के उत्सव से कम नहीं है। शिक्षा के मंदिर को हमारे आराध्य का नाम देना पूरे समाज के लिए गौरव का विषय है। इस बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप सैन के साथ राजीव बालियान, योगेंद्र सैन, रविन्द्र सिद्धू, मनोज बालियान, गोपाल सैन, विनोद सैन, सोनू सैन, लोकेश सैन, नरेंद्र सैन और सुनील सैन सहित सैन समाज के सैकड़ों लोग शामिल थे।

3.84 करोड़ के विकास कार्यों का शुभारंभ, वार्ड-31 दौलताबाद में मूलभूत सुविधाओं को मिलेगी मजबूती

कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने कहा, सेवा के संकल्प के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा विकास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

शहर के समग्र विकास को नई गति देते हुए वार्ड-31 दौलताबाद के सेक्टर-16ए स्थित हनुमान मंदिर के पास 3.84 करोड़ से अधिक की लागत से सीवरेज, पेयजल और सड़क निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया गया। कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने क्षेत्रवासियों की उपस्थिति में इन कार्यों की शुरुआत की और इसे जनसुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

इस अवसर पर मंत्री विपुल गोयल ने क्षेत्र के नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि वे यहां जनप्रतिनिधि के रूप में नहीं बल्कि अपने परिवार के सदस्य के रूप में आए हैं। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है और उसी विश्वास को निभाते हुए विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि शुरू किए गए ये कार्य सीधे तौर पर लोगों के दैनिक जीवन को बेहतर बनाएंगे। सीवरेज व्यवस्था के सुदृढ़ होने से स्वच्छता में सुधार होगा

और बीमारियों में कमी आएगी। पेयजल व्यवस्था बेहतर होने से लोगों को राहत मिलेगीए वहीं सड़कों के निर्माण से आवागमन सुगम होगा और क्षेत्र की कनेक्टिविटी मजबूत होगी। उन्होंने अपने उत्कृष्ट फरीदाबाद के विजन को दोहराते हुए कहा कि शहर को आधुनिकए स्वच्छ और सुव्यवस्थित बनाना उनकी प्राथमिकता है। ऐसा फरीदाबाद तैयार किया जा रहा है जहां हर वार्ड में समान रूप से विकास पहुंचे और किसी भी नागरिक को मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष न करना पड़े। वार्ड-31 में शुरू हुए ये कार्य इसी बड़े लक्ष्य की दिशा में एक मजबूत आधार साबित होंगे। मंत्री जी ने कहा कि विकास केवल एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि हर गलीए हर मोहल्ले और हर घर तक पहुंचेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने के बाद दौलताबाद क्षेत्र में जीवन स्तर में स्पष्ट सुधार देखने को मिलेगा और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी। इस दौरान उन्होंने वार्ड की पार्षद शैफाली सिंगला, कर्ण सिंगला और पंकज सिंगला के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों के सहयोग और निरंतर प्रयासों से ही इस प्रकार के विकास कार्य संभव हो पाते हैं। उन्होंने टीमवर्क को विकास की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा कि सभी के सामूहिक प्रयास से ही क्षेत्र को नई दिशा दी जा सकती है। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे और विकास कार्यों के शुभारंभ पर खुशी व्यक्त की। लोगों ने क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को लेकर संतोष जताया और उम्मीद जताई कि आने वाले समय में इसी तरह विकास कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

जीडीए का अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान

मोदीनगर में गरजा जीडीए का बुलडोजर, 47 हजार मीटर में विकसित हो रही अवैध कॉलोनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

जीडीए का अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान शनिवार को मोदीनगर में चला। जहां पर 47हजार मीटर में विकसित हो रही अवैध कॉलोनी जमींदोज कर दी गई। प्रभारी प्रवर्तन जोन-02 के नेतृत्व में कुलदीप,व श अशोक द्वारा खसरा सं0-442 व 492 हापुड रोड मोदीनगर गाजियाबाद पर लगभग 25हजार वर्ग मी क्षेत्रफल में विकसित की जा रही अवैध कालोनी, एवं श्री विनोद , लोकेन्द्र , ज्ञानेन्द्र कुमार, रूबी, नीतू, अरूणा पत्नी सतेन्द द्वारा खसरा सं0-10, 11, ललितपुर तिबडा, मोदीनगर गाजियाबाद पर लगभग 22हजार वर्ग मी. में अवैध निर्माण/प्लाटिंग, मिट्टी भराव को तहस नहस कर दिया गया। स्थल पर कोई स्वीकृत तलपट मानचित्र नहीं दिखाया गया। अवैध कालोनी में कालोनाईजर द्वारा बनायी गई सडक, बाउन्ड्रीवॉल, साईट ऑफिस, आदि को ध्वस्त करते हुये सीलिंग की कार्यवाही सम्पादित की गयी। ध्वस्तीकरण/ सीलिंग की कार्यवाही के दौरान कोलोनाईजर/ निर्माणकर्ता द्वारा भारी विरोध प्रकट किया गया, पुलिस व प्राधिकरण प्रवर्तन दस्ते द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुए उपरोक्त अनाधिकृत रूप से किये गये अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया। ध्वस्तीकरण/सीलिंग की कार्यवाही के समय स्थल पर सहायक अभियन्ता, अभियन्ता, प्रवर्तन जोन-2 के समस्त स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल व प्राधिकरण प्रवर्तन दस्ता उपस्थित रहा।

कांग्रेस के सहयोगी दल रास्ते में दीवार बनकर खड़े हुए

संसद में महिला आरक्षण विधेयक का गिरना महिलाओं के अधिकारों की राजनैतिक भ्रूण हत्या: सीमा त्रिखा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

हरियाणा की पूर्व शिक्षा मंत्री एवं भाजपा हरियाणा की वरिष्ठ महिला नेता सीमा त्रिखा ने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक का गिरना लोकतंत्र की दीवार पर पड़ा एक काला धब्बा बन गया है। सालों तक वादे किए गए, भाषण दिए गए और जब निर्णय का समय आया, तो कांग्रेस के सहयोगी दलों ने संसद को देश की आधी आबादी की आवाज के हक को दबाकर उनके रास्ते में दीवार बनकर खड़ा हो गया। जिससे विपक्षी कांग्रेस सहित अन्य दलों का महिला विरोधी चेहरा सबके सामने आ गया है।

पूर्व मंत्री सीमा त्रिखा ने कहा कि जब महिला आरक्षण संविधान संशोधन विधेयक अस्वीकृत हुआ, तब लोकसभा में कांग्रेस सहित विपक्ष की महिलाओं ने तालियां बजाकर महिलाओं के अधिकारों की राजनैतिक भ्रूण हत्या कर अपने हाथ लाल खून से रंगे हैं जिसे देश की महिलाएं कभी नहीं भला पाएंगी। उन्होंने इस बिल के गिरने पर तालियां बजाने पर गहरा दुख भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मन में पीड़ा अवश्य है, लेकिन हमारा संकल्प अडिग है। पिछले तीन दशकों से जो प्रयास जारी है, वह आगे भी निरंतर चलता रहेगा। क्योंकि महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण दिलाने के इस उद्देश्य से हम तनिक भी पीछे नहीं हटेंगे।

पूर्व मंत्री सीमा त्रिखा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि गरीब के बेटे ने जब देश के सर्वोच पद को संभाला तो उन्होंने अपनी मां के संघर्ष को याब करते हुए महिलाओं के हितार्थ अनेकों योजनाओं को लागू किया। इनमें उज्ज्वला योजना, मातृत्व योजना सहित अनेकों ऐसी योजनाओं को लागू किया जिससे देश में महिलाएं सशक्त हुई, वहीं देश की संसद एवं विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का भी प्रण लिया। इसके अलावा इंडिया का भारत बनाने के संकल्प के साथ कार्य किया। जबकि देश की आजादी के बाद बने देश के पहले कांग्रेसी प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से लेकर 65 वर्षों तक देश की आधी आबादी के लिए कुछ नहीं किया।

2 वाहन चोर गिरफ्तार, चोरी की 2 मोटरसाइकिल बरामद

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस की विभिन्न अपराध शाखा टीमों ने अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए 2 वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की 2 मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि अपराध शाखा सेक्टर-85 की टीम ने थाना डबुआ में दर्ज एक मोटरसाइकिल चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी राहुल निवासी जेजे कॉलोनी ईस्ट दिल्ली को जाट चौक से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है।

मुख्यमंत्री उड़नदस्ता ने कुछ अस्पतालों का निरीक्षण किया

सीएम फ्लाईंग ने अस्पतालों में आयुष्मान भारत योजना के तहत मरीजों को लाभ देने के संबंध में मारा छापा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

मुख्यमंत्री उड़न दस्ता फरीदाबाद को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि जिला फरीदाबाद के अस्पतालों में आयुष्मान भारत योजना के तहत मरीजों को लाभ नही दिया जा रहा है, यदि चेकिंग की जाए तो अनियमितताए सामने आ सकती है।

इस संबंध में सीएम फ्लाईंग द्वारा सीएमओ फरीदाबाद कार्यालय को सूचित करके टीम गठित करवाई गई। जिसमे डॉ. विशाल सक्सेना जिला नोडल अधिकारी आयुष्मान भारत योजना व तानिया रानी जिला सूचना प्रबंधक आयुष्मान योजना फरीदाबाद को टीम मे नियुक्त किया गया। फरीदाबाद के 22 प्राइवेट अस्पताल उक्त योजना का लाभ देने के लिए सूचीबद्ध है। उन सभी अस्पतालों द्वारा पिछले 3 माह के दौरान आयुष्मान भारत योजना के तहत किये गए ईलाज के बारे में रिकॉर्ड प्राप्त किया गया व रेंडमली कुछ अस्पतालों का निरीक्षण किया गया।

संयुक्त टीम द्वारा सूर्या ओर्थो अस्पताल एनआईटी फरीदाबाद का निरीक्षण करने पर अस्पताल में आयुष्मान योजना के अंतगर्त कोई भी मरीज उपचार हेतु दाखिल होना नही पाया गया। संयुक्त टीम द्वारा संतोष मल्टीस्पेशलिस्ट अस्पताल एनआईटी-3 फरीदाबाद का निरीक्षण किया गया। जहां पर भी आयुष्मान भारत कार्ड योजना के अंतर्गत ऐसा कोई मरीज नही पाया गया जिसे लाभ नहीं दिया जा रहा हो, लेकिन अस्पताल में आयुष्मान भारत कार्ड योजना का कोई भी बोर्ड लगा हुआ नही पाया गया। जिस संबध में नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। उसके उपरांत संयुक्त टीम द्वारा डॉ. टूडे आईवीएफ एंड मल्टीस्पेशलिस्ट अस्पताल रेलवे रोड फरीदाबाद का निरीक्षण किया गया। डा. टूडे अस्पताल में कुल 6 मरीज दाखिल पाये गए।

आइसगेट 2.0 पोर्टल पर सेवा उपलब्ध

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने शुरू की कस्टम ड्यूटी पेमेंट सुविधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने शनिवार को अपने व्यक्तिगत और बिज़नेस ग्राहकों के लिए नई सुविधा शुरू करने की घोषणा की है, जिसके जरिए अब वे आइसगेट 2.0 से जुड़कर कस्टम ड्यूटी, सेंट्रल एक्साइज और सर्विस टैक्स का डिजिटल पेमेंट आसानी से कर सकेंगे।

इस इंटीग्रेशन के साथ ग्राहक आइसगेट पोर्टल के जरिए आसानी से टैक्स पेमेंट शुरू कर सकते हैं और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के रिटेल और कॉर्पोरेट इंटरनेट बैंकिंग प्लेटफॉर्म के जरिए पेमेंट पूरा कर सकते हैं, जिससे उन्हें सुरक्षित, तेज और पूरी तरह डिजिटल अनुभव मिलता है। यह प्लेटफॉर्म ग्राहकों को रियल टाइम पेमेंट कन्फर्मेशन, आसान ऑनलाइन प्रोसेस और रिकॉर्ड के लिए तुरंत चालान डाउनलोड करने की सुविधा देता है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के हेड-रिटेल लाइबिलिटीज़, आशीष सिंह ने कहा कि कस्टम ड्यूटी पेमेंट व्यापार की रफ्तार और बिज़नेस की निरंतरता के लिए बहुत जरूरी होते हैं। आइसगेट 2.0 पर लाइव होकर हम इम्पोर्टर्स, एक्सपोर्टर्स और बिजनेस को यह सुविधा दे रहे हैं।

ननि ने शहर के सभी संस्थानों एवं क्षेत्रों का निरीक्षण किया

पहल का उद्देश्य शहर में जागरूकता बढ़ाना

गाजियाबाद में स्वच्छ वार्ड रैंकिंग: शहर में स्वच्छता को बढ़ावा देने की नई पहल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

नगर निगम द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण 2025–26 के अंतर्गत सभी वार्डों में "स्वच्छ वार्ड प्रतियोगिता" का सफल आयोजन किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य शहर में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा वार्डों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करना है।

इस प्रतियोगिता के अंतर्गत रहवासी संघ (आर डब्लूए), होटल, हॉस्पिटल, कार्यालय एवं स्कूलों में भी स्वच्छता की रैंकिंग की जाएगी। शहर के इन सभी संस्थानों एवं क्षेत्रों का निरीक्षण कर विभिन्न मानकों के आधार पर मूल्यांकन किया गया। मूल्यांकन के प्रमुख मापदंडों में स्रोत पर कचरा पृथक्करण, सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई, डोर-टू-डोर कलेक्शन व्यवस्था तथा जनभागीदारी शामिल रही। प्रत्येक वार्ड एवं संस्थान को इन मापदंडों पर अंक प्रदान कर रैंकिंग तय की

जाऐगी। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, यह पहल न केवल स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करेगी, बल्कि नागरिकों, संस्थानों एवं संगठनों को भी अपने क्षेत्र को स्वच्छ और व्यवस्थित रखने के लिए प्रेरित करेगी। नगर निगम ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं और अपने वार्ड को स्वच्छ, सुंदर एवं आदर्श बनाने में सहयोग करें।

पंचायत चुनाव प्रक्रिया शुरू, 10 मई को वोटिंग और तुरंत परिणाम

फरीदाबाद में 1 सरपंच और 5 पंच पदों के लिए होंगे उपचुनाव

फरीदाबाद में पंचायत चुनाव शेड्यूल जारी, 21 अप्रैल से शुरू होगा नामांकन, 27 को जांच, 28 को नाम वापिसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

राज्य निर्वाचन आयोग हरियाणा द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार जिला फरीदाबाद की विभिन्न ग्राम पंचायतों में रिक्त पदों को भरने के लिए उपचुनाव आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त आयुष सिन्हा ने बताया कि ब्लॉक फरीदाबाद के ग्राम भस्कोला के वार्ड नंबर 3 पंच, ब्लॉक तिगांव के ग्राम शाहुपुरा खादर सरपंच तथा ग्राम फत्तूपुरा के वार्ड नंबर 2 पंच, अनुसूचित जाति महिला, वहीं ब्लॉक बल्लभगढ़ के ग्राम फतेहपुर बिल्लौच के वार्ड नंबर 19 पंच, महिला ग्राम डीग के वार्ड नंबर 1 पंच तथा ग्राम जकोपुर के वार्ड नंबर 2 पंच, पिछड़ा वर्ग ए महिला के लिए चुनाव कराए जाएंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी आयुष सिन्हा ने बताया कि इन चुनाव के तहत चुनाव कार्यक्रम के अनुसार बुधवार को नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। उम्मीदवार 21 अप्रैल 2026 मंगलवार से 25 अप्रैल 2026 शनिवार के बीच सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक अपने नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 27 अप्रैल 2026 को की जाएगी और उम्मीदवार 28 अप्रैलए 2026 को दोपहर 3 बजे तक अपना नाम वापस ले सकते हैं, जिसके तुरंत बाद उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिए जाएंगे। 28 अप्रैल को ही प्रतियोगी उम्मीदवारों और पोलिंग स्टेशन की लिस्ट चस्पा कर दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि मतदान 10 मई 2026 को सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित किया जाएगा। मतगणना के तुरंत बाद चुनाव का परिणाम घोषित कर दिया जाएगा। यदि आवश्यकता हुई तो 12 मई को पुनर्मतदान करवाया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी आयुष सिन्हा ने जानकारी देते हुए बताया कि बल्लभगढ़ ब्लॉक की तीन ग्राम पंचायतों फतेहपुर बिल्लौच, डीग एवं जखोपुर के लिए नामांकन प्रक्रिया निर्धारित स्थलों पर सम्पन्न कराई जाएगी। फतेहपुर बिल्लौच के उम्मीदवार राजकीय प्राथमिक मॉडल संस्कृति स्कूल में रिटर्निंग अधिकारी प्रदीप कुमार की देखरेख में, डीग के उम्मीदवार राजकीय माध्यमिक विद्यालय में रिटर्निंग अधिकारी करमवीर की देखरेख में तथा जखोपुर के उम्मीदवार राजकीय प्राथमिक विद्यालय में रिटर्निंग अधिकारी अमित कुमार की देखरेख में अपने नामांकन पत्र जमा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत भास्कोला के 3 वार्डों के लिए नामांकन पत्र भरने के इच्छुक उम्मीदवार राजकीय उच्च विद्यालय भास्कोला में प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक रिटर्निंग अधिकारी दिलबाग सिंह एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी राकेश सहरावत की देखरेख में अपने नामांकन जमा कर सकते हैं।

इसी प्रकार ब्लॉक तिगांव की ग्राम पंचायत फत्तूपुरा के 2 वार्डों के लिए नामांकन प्रक्रिया राजकीय प्राथमिक विद्यालय फत्तूपुरा में रिटर्निंग अधिकारी सत्य देव एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी आशीष कुमार की देखरेख में सम्पन्न होगी। वहीं ग्राम पंचायत शाहपुरा खादर तिगांव के लिए नामांकन पत्र राजकीय प्राथमिक विद्यालय, शाहपुरा खादर में रिटर्निंग अधिकारी नवीन कुमार एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी हरश्याम सिंह की देखरेख में जमा किए जा सकेंगे।

अजय राय ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पहुंचे कनावनी अग्नि पीड़ितों को ढाढस बंधाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय शनिवार को गाजियाबाद पहुंचे तथा कनावनी गांव की झुग्गियों में भीषण आग लगने से बेघर हुए परिवारों से मुलाकात की और उनका ढाढस बंधाया।

अजय राय के साथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष सतीश शर्मा एवं महानगर अध्यक्ष वीर सिंह जाटव,कांग्रेस के पूर्व ज़िलाध्यक्ष विनीत त्यागी के साथ साथ सैकड़ो कार्यकर्ता भी मौके पर मौजूद रहे। सभी ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उनका दुख साझा किया और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।

इस दौरान कांग्रेस पार्टी की ओर से पीड़ित परिवारों को तत्काल राहत के रूप में राशन सामग्री, कपड़े, बर्तन एवं अन्य आवश्यक वस्तुएं वितरित की गईं। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हर दुख-सुख में जनता के साथ खड़ी है। कनावनी के हमारे भाई-बहनों को इस मुश्किल घड़ी में अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। हम प्रशासन से मांग करते हैं कि पीड़ितों को तत्काल मुआवजा व पक्के आवास की व्यवस्था की जाए। जिलाध्यक्ष एवं महानगर अध्यक्ष ने भी प्रशासन से आग के कारणों की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। कांग्रेस पार्टी आगे भी पीड़ित परिवारों के पुनर्वास तक उनके साथ खड़ी रहेगी।

विपक्ष ने छीना महिलाओं का हक, देश की बेटियां मांगेंगी जवाब : रेखा

नई दिल्ली। लोकसभा में 17 अप्रैल को 131वें संविधान संशोधन बिल के पारित न हो पाना महिलाओं के अधिकारों के साथ सीधा अन्याय है। यह हर उस महिला के लिए पीड़ादायक और निराशाजनक है, जो अपने अधिकार और सम्मान की उम्मीद रखती है। विपक्ष ने महिलाओं के हक को छीना है, देश की बेटियां जवाब मांगेंगी। यह बातें शनिवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा आयोजित समिट को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा आयोजित समिट में काली पट्टी बांधकर विपक्ष की महिला विरोधी राजनीति के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। इस दौरान मुख्यमंत्री के नेतृत्व में महिला अधिकारों को लेकर जबरदस्त नारेबाजी भी की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की बेटियों को राष्ट्र निर्माण में सहभागिता दिलाने के लिए 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' प्रस्तुत किया, जो महिलाओं को निर्णय-निर्माण की मुख्यधारा में लाने की दिशा में एक ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी कदम था। लेकिन अफसोस, कुछ दलों ने इस ऐतिहासिक अवसर को भी संकीर्ण राजनीति की नजर से देखा और महिलाओं के अधिकारों का विरोध करने में कोई संकोच नहीं किया।

'विपक्ष ने आधी आबादी वाली मातृशक्ति के हक को खत्म करने का किया काम'

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर राहुल के घर पर भाजपा ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

विपक्षी पार्टियों ने संसद में एक सूर में कहा कि महिलाओं को यह आरक्षण नहीं मिलना चाहिए। पिछले 30 सालों से देश की आधी आबादी अपना अपमान बर्दाश्त कर रही है क्योंकि बार-बार सदन में यह बिल आता है। कभी फाड़ दिया जाता है तो कभी इसका विरोध होने लगता है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा, महिला सांसदों, विधायकों, पार्षदों, अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं के बीच नारी शक्ति वंदन अधिनियम को विफल करने संबंधी मामले में शनिवार को लोकसभा में कांग्रेस के नेता विपक्ष राहुल गांधी के घर पर प्रदर्शन के दौरान यह सम्बोधन दिया। रेखा गुप्ता ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि आरक्षण बिल ना पास हो उसके लिए विपक्ष ने कई तरह की साजिश रची थी। रेखा गुप्ता ने कहा की महिलाओं की हार में ऐसी कौन सी जीत कांग्रेसी और समाजवादी नेताओं को दिख गई जिसका वह जश्न मना रहे थे। विपक्ष के नेताओं को इस बात का डर है कि कही साधारण घर की महिलाएं सांसद एवं विधायक ना बन जाए। उन्होंने कहा कि अगर साधारण घर की महिलाएं संसद में पहुंच जाए तो इनके घर की महिलाएं जो सिंहासन लगाकर बैठी है, उनकी कुर्सी ना हिल जाए इस बात का डर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेताओं को है। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि विपक्ष के शाही परिवार के नेता जिन्हें अपने परिवार से बाहर कुछ दिखता नहीं है, उन्होंने बिल को पास होने से रोककर देश की आधी आबादी वाली मातृशक्ति के हक को खत्म करने का काम किया है। वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि आज देश भर में माताएं-बहनें सड़कों पर अपने हक के लिए खड़ी है लेकिन विपक्ष इस पर सिर्फ राजनीति कर रहा है। हालांकि विपक्ष इस आक्रोश से वंचित नहीं रह सकता है।

दिल्ली की सड़कों पर आज माताएं बहने राहुल गांधी के आवास पर अपने हक की लड़ाई के लिए खड़ी हैं और उनसे जवाब मांगना चाहती है कि क्या महिलाओं को 33 फीसदी हक नहीं मिलना चाहिए। सचदेवा ने कहा कि गृह मंत्री ने संसद में कहा कि विपक्ष जो भी संशोधन प्रस्तावित करना चाहता है, सरकार उन्हें शामिल करने के लिए तैयार है। सचदेवा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने विस्तार से चर्चा की। गृह मंत्री ने भी सब कुछ समझाया लेकिन तथाकथित विशेषाधिकार प्राप्त राजनीतिक परिवार नहीं चाहते कि गरीब महिलाओं को उनके अधिकार मिलें।

सांसदों ने भी साधा विपक्ष पर निशाना

यहां प्रदर्शन को संबोधित करते हुए सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि आज नहीं तो कल होगा, इस समस्या का हल होगा। सांसद हेमा मालिनी ने कहा कि महिलाओं का पुरुषों के साथ कंधे से कंधे मिलाकर आगे बढ़ना विपक्ष को बर्दाश्त नहीं हो पाया। सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा कि कांग्रेस ने एक बार फिर से नारी विरोधी मानसिकता दिखाते हुए उसे पास नहीं होने दिया। सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि देश की आधी आबादी वाली महिलाएं सिर्फ वोट देने के लिए नहीं बल्कि देश की नीति बनाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का भी हक रखती है।

राहुल गांधी का पुतला फूंक रही महिलाओं को पुलिस बल ने रोका

वहीं, प्रदेश भाजपा से मिली जानकारी के अनुसार विपक्षी दलों की हठधर्मी के चलते संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के पारित ना होने के बाद देश एवं दिल्ली की हजारों महिलाओं में भारी रोष है। इसी रोष को मुखर स्वरूप देते हुए शनिवार दोपहर दिल्ली के हर कोने से आ कर बड़ी संख्या में महिलाएं मोती लाल नेहरू मार्ग पर विरोध स्वरूप एकत्र हुईं और वहां दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा एवं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और अन्य वरिष्ठ नेताओं के सम्बोधन के बाद वहां से नारे लगाते एवं मार्च करती हुई महिलाएं पुलिस बैरिकेड्स तोड़ती हुई लोकसभा में कांग्रेस के नेता विपक्ष राहुल गांधी के सुनहरी बाग स्थित आवास की ओर बढ़ीं। सुनहरी मस्जिद गोल चक्कर के पास कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला फूंक रही महिलाओं को दिल्ली पुलिस ने भारी बल प्रयोग कर रोका एवं तितर बितर किया और प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा एवं कमलजीत सहरावत, बांसुरी स्वराज, योगिता सहित प्रमुख महिला नेताओं को गिरफ्तार कर संसद मार्ग थाने ले गईं।

'सुल्तानपुर डबास से हनुमान मंदिर, कंझावला रोड तक नवनिर्मित लिंक रोड का लोकार्पण'

नई दिल्ली। कैबिनेट मंत्री एवं बवाना विधानसभा क्षेत्र के विधायक रविंद्र इंद्राज सिंह ने शनिवार को सुल्तानपुर डबास से हनुमान मंदिर, कंझावला रोड तक नवनिर्मित लिंक रोड का लोकार्पण किया। यह लिंक रोड क्षेत्रीय जनता के लिए एक महत्वपूर्ण सौगात है। इसके निर्माण से स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ इस मार्ग से आवागमन करने वाले हजारों यात्रियों को अब सीधा, सुगम एवं समय की बचत करने वाला मार्ग प्राप्त होगा, जिससे यातायात अधिक सुचारू रूप से संचालित होगा। इस अवसर पर इंद्राज ने कहा कि दिल्ली सरकार क्षेत्र के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मजबूत बुनियादी ढांचे का निर्माण और बेहतर यातायात सुविधाएं प्रदान करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार की परियोजनाएं 'विकसित दिल्ली, हरित दिल्ली' के विजन को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं और भविष्य में भी जनता की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्य निरंतर जारी रहेंगे। उल्लेखनीय है कि बवाना का सुल्तानपुर डबास गांव लंबे समय से विकास कार्यों की प्रतीक्षा कर रहा था।

विधानसभा अध्यक्ष का डीपीएस के कार्यक्रम में जाने पर 'आप' ने जताया ऐतराज

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने बढ़ी फीस के लिए बच्चों को प्रताड़ित करने वाले द्वारका डीपीएस के मथुरा रोड ब्रांच में आयोजित वार्षिक पुरस्कार समारोह में दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता के शामिल होने पर कड़ा ऐतराज जताया है। उन्होंने पूछा कि क्या बढ़ी फीस के लिए बच्चों को परेशान करने वाले डीपीएस के किसी ब्रांच में आयोजित कार्यक्रम में विधानसभा स्पीकर का जाना उचित है। डीपीएस के द्वारका ब्रांच ने बढ़ी फीस के लिए बच्चों को परेशान किया और उसके खिलाफ पेरेंट्स को कई बार कोर्ट जाना पड़ा। यहां तक कि उसने बच्चों को स्कूल में प्रवेश से रोकने के लिए गेट पर बाउंसर तक लगा दिए थे। शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर विधानसभा स्पीकर विजेंद्र गुप्ता की तस्वीर साझा कर सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पिछले एक साल में कई बार मिडिल क्लास पेरेंट्स को द्वारका के डीपीएस स्कूल के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर करनी पड़ी, क्योंकि बढ़ी हुई फीस को लेकर उनके बच्चों को परेशान किया गया था।

किसी भी कीमत पर होनी चाहिए मानव अधिकारों की रक्षा : यादव

नई दिल्ली। दिल्ली में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) में दोहरी जिम्मेदारी निभा रहे अधिकारियों के मानव अधिकारों की रक्षा किसी भी कीमत पर होनी चाहिए। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने दिल्ली चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर को लेकर शनिवार को यह बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि एसआईआर में काम कर रहे दिल्ली सरकार व निगम के शिक्षकों, दिल्ली सरकार के कर्मियों व अन्य कर्मचारी पर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) की दोहरी जिम्मेदारी है और इस काम के दबाव में तनावग्रस्त जीवन शैली और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसके निराकरण की माँग को लेकर प्रदेश अध्यक्ष यादव ने दिल्ली के उपराज्यपाल, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, भारत सरकार के मुख्य चुनाव आयुक्त और दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को पत्र लिखकर दिल्ली कांग्रेस की तरफ से चिंता व्यक्त की। देवेन्द्र यादव ने कहा कि जब शिक्षक और कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभा रहे हैं और इनसे अवकाश के दिनों में काम लेकर छुट्टी न देना सेन्ट्रल सिविल सर्विसेज नियमों का उल्लंघन है।

विशेष: पृथ्वी दिवस
22 अप्रैल

केवल धरती पर ही जीवन संभव है, यह जानने के बावजूद जाने-अनजाने हम धरती को तरह-तरह से नुकसान पहुंचा रहे हैं। दुनिया भर के वैज्ञानिक मानते हैं कि सौरमंडल के सबसे खूबसूरत ग्रह धरती को बचाना किसी एक सरकार या संगठन का काम नहीं, बल्कि हम सबकी जिम्मेदारी है। हमें जागरूक होना होगा, बदलाव के छोटे-छोटे कदम उठाने होंगे, तभी आने वाली पीढ़ियों के लिए हम अपनी प्यारी धरती को सुरक्षित रख पाएंगे।

हम सब मिलकर बचाएं अपनी प्यारी धरती

आवरण कथा / रजनी अरोड़ा

धरती जीवन का आधार है, जो एक निःस्वार्थ मां की तरह मानव के लिए अनुकूल, सुंदर प्राकृतिक वातावरण ही प्रदान नहीं करती। उसकी मूलभूत जरूरतें (भोजन, पानी, हवा, वस्त्र, घर) भी मुहैया कराती है। विडंबना है कि मनुष्य अपने विकास और सुख-सुविधाएं पाने की अंधाधुंध दौड़ में जाने-अनजाने इसी धरती को सबसे अधिक नुकसान पहुंचा रहा है। दिनों-दिन बढ़ते मानव अतिक्रमण की वजह से जहां प्राकृतिक संसाधनों की निरंतर कमी का सामना करना पड़ रहा है, वहीं कई घरेलू-व्यावसायिक कार्य-कलाप वायुमंडल में कार्बन उत्सर्जन यानी कार्बन डाई-ऑक्साइड और अन्य ग्रीन हाउस गैसों का लेवल निरंतर बढ़ाने में जिम्मेदार हैं। नासा और इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) की रिसर्च के अनुसार पिछले 150 वर्षों में धरती का औसत तापमान लगभग 1.2 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। इसका असर केवल प्रकृति पर ही नहीं, बल्कि खेती, पानी, मानव स्वास्थ्य और जीव-जंतुओं के जीवन पर भी पड़ रहा है। इन संकटों से अपनी धरती को बचाने के लिए हम सभी को अपने स्तर पर हर संभव प्रयास करने होंगे।

पर्यावरण की करें सुरक्षा

धरती को बचाने के लिए सबसे जरूरी है पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होना, अच्छी आदतें अपनाना, बच्चों और दूसरों को भी प्रेरित करना। परिवार में ग्रीन रूल बनाएं और उन्हें अमल करने के लिए सजग रहें। पर्यावरण नीतियों को लेकर सचेत रहें। अपने इलाके में हरित नीतियां (पेड़ लगाने, कचरा प्रबंधन और सार्वजनिक परिवहन सुधार) लागू करवाने की मांग करें। पर्यावरण संगठनों से जुड़ें।

घर को बनाएं ग्रीन होम

घर में ऊर्जा की खपत, कार्बन उत्सर्जन का सबसे बड़ा कारण है। ऊर्जा संरक्षण के लिए जब जरूरत न हो तो कमरे की लाइट, पंखे बंद कर दें। इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब यूज न कर रहे हों तो स्विच ऑफ कर दें। स्टैंडबाय में भी बिजली खर्च होती है। दिन में प्राकृतिक रोशनी का अधिक उपयोग करें। साधारण बल्ब की तुलना में एलईडी बल्ब 75 प्रतिशत कम बिजली खर्च करता है और 10 गुना अधिक चलता है। यह छोटा बदलाव बिजली का बिल कम करता है और कार्बन उत्सर्जन भी। पुराने एसी, फ्रिज और वॉशिंग मशीन बहुत अधिक बिजली खर्च करते हैं। 5 स्टार रेटिंग वाले उपकरण खरीदें। इनसे 30-40 प्रतिशत बिजली बचती है। घर की छत पर सोलर पैनल लगवाना या किसी अक्षय ऊर्जा प्रदाता की मदद से बिजली लेना काफी कारगर है। यह वन-टाइम इंवेस्टमेंट है, जो आने वाले तकरीबन 25 साल तक मुफ्त बिजली देता है। सरकार इसमें सब्सिडी भी देती है। एसी को 24-25 डिग्री पर ही चलाएं। हर एक डिग्री कम करने पर 6 प्रतिशत अधिक बिजली खर्च होती है।

घर की एयर सीलिंग यानी दरवाजों और खिड़कियों की दरारें बंद करना, ऊर्जा बचत का सबसे किफायती तरीका है। इससे गर्मियों में ठंडक और सर्दियों में गर्माहट बनी रहती है और हीटिंग-कूलिंग का खर्च 15-30 प्रतिशत तक कम हो जाता है। घर में गैस या कोयले की जगह इलेक्ट्रिक हीट पंप लगाने से कार्बन फुटप्रिंट में 100 किलो कार्बन डाई-ऑक्साइड प्रति वर्ष की कमी आ सकती है। वॉशिंग मशीन हमेशा फुल लोड पर चलाएं। पानी का टेंपरेचर नॉर्मल रखें। पानी गर्म करने में एनर्जी की खपत 75-90 प्रतिशत बढ़ जाती है यानी बिजली का बिल बढ़ जाता है। इसी तरह कपड़े क्लॉथ-ड्रायर में सुखाने के बजाय बाहर धूप या खुली हवा में सुखाएं, क्योंकि वॉशिंग मशीन का क्लॉथ-ड्रायर घर में इस्तेमाल होने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों (जैसे- फ्रिज, टीवी, डिशवॉशर, एसी, लैपटॉप से कहीं ज्यादा बिजली खर्च करता है।

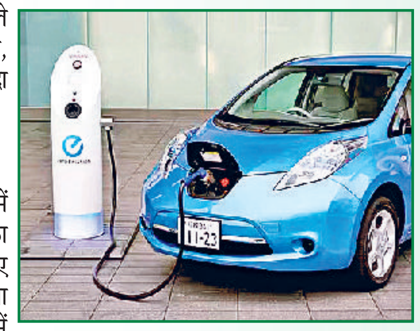

भोजन ना करें वेस्ट

दुनिया के कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में लगभग 26 प्रतिशत भाग खाद्य उत्पादन का रहता है। इसलिए खाने को वेस्ट ना करें। दुनिया में उत्पादित खाने का एक-तिहाई हिस्सा बर्बाद होता है। यानी खाद्य पदार्थ उगाने में लगा पानी, बिजली और मेहनत, सब बेकार। ऐसे में जरूरत के अनुसार ही खाना बनाना चाहिए। अगर खाना बचता भी है तो उसे फेंकने के बजाय अगले मील में खा लें या जरूरतमंद को दे दें।

सिंगल-यूज प्लास्टिक है हार्मफुल

आज प्लास्टिक-प्रदूषण की समस्या बहुत गंभीर हो चुकी है। इससे बचने के लिए सिंगल-यूज प्लास्टिक की चीजों (पॉलिथीन, प्लास्टिक कप, स्ट्रॉ, बर्तन) का प्रयोग कम से कम करें। कपड़े का थैला, स्टील की बोतल और हर्बल टूथब्रश अपनाएं। पानी के लिए रियूज होने वाली बोतल का इस्तेमाल करें।

कार्यस्थल में रखें ध्यान

अपने कार्यस्थल पर भी छोटे-छोटे प्रयासों से धरती को संरक्षित करने में अपना सहयोग आप दे सकते हैं। एंवॉयर्नमेंट फ्रेंडली सामग्री, एलईडी लाइट, ऊर्जा बचाने वाले उपकरण और कचरे का उचित प्रबंधन वाले उपकरणों का यूज करें। कागज की जगह डिजिटल दस्तावेज उपयोग करें। प्रिंट करना जरूरी हो तो पेपर के दोनों तरफ प्रिंट करें। व्यावसायिक मुद्दों पर परिचर्चा करने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग को बढ़ावा दें ताकि समय और ऊर्जा की बचत हो। ऑफिस जाने के लिए अकेले कार ड्राइव करके जाने के बजाय कारपूल की आदत डालें। यानी एक गाड़ी में 4 लोग जाएं तो कार्बन उत्सर्जन 75 प्रतिशत कम होता है। मेट्रो, बस, ट्रेन जैसे सार्वजनिक परिवहन में सफर करें। अगर नई गाड़ी खरीदनी हो तो इलेक्ट्रिक वाहन खरीदें। इसमें सब्सिडी भी मिलती है। इससे पेट्रोल-डीजल पर निर्भरता तो कम होगी ही, प्रदूषण भी कम होगा। कम दूरी के लिए साइकिल या पैदल चलने की आदत डालें। पर्यावरण के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिए भी बेहतरीन है।

अधिक से अधिक पेड़ लगाएं

पेड़-पौधे धरती को खूबसूरत हरा-भरा ही नहीं बनाते, भूमि में कटाव कम कर मजबूती लाने, भूमि की उर्वरता बढ़ाने, पर्यावरण को प्रदूषण रहित रखने में भी मदद करते हैं। हमें जीवनदायी ऑक्सीजन देते हैं और अपने जीवनकाल में तकरीबन 1 टन कार्बन डाई-ऑक्साइड सोखते हैं। आप अपने जन्मदिन, शादी की सालगिरह या किसी भी खास मौके पर पेड़-पौधे लगाने की परंपरा शुरू कर सकते हैं। कॉरपोरेट ट्री प्लांटेशन ड्राइव में शामिल होकर विभिन्न प्रजाति के पेड़-पौधे लगाकर ऑफिस कंपाउंड में हरियाली बढ़ाएं। हमारे ऐसे प्रयासों से भी धरती पर हरियाली बढ़ेगी। *

जल संरक्षण भी है जरूरी

जलवायु परिवर्तन से पानी का संकट भी धरती पर बढ़ता जा रहा है। दुनिया के कई देशों समेत भारत के कुछ राज्यों में भी भूजल स्तर तेजी से गिर रहा है। जल संरक्षण के लिए भी हम कुछ प्रयास कर सकते हैं। जैसे-ब्रश करते समय नल बंद रखना, कम समय में नहाना और टपकते नलों को ठीक करवाना। ऐसी छोटी-छोटी आदतें मिलकर हजारों लीटर पानी बचा सकते हैं। घर की छत पर वर्षा जल संग्रह प्रणाली लगाएं। यह पानी बगीचे, गाड़ी धोने और फ्लश के लिए उपयोग हो सकता है। बाजार में ऐसे नल उपलब्ध हैं, जो 50 प्रतिशत तक कम पानी उपयोग करते हैं लेकिन दबाव उतना ही रहता है। इससे पानी की बचत होती है। दुनिया के समुद्रों, नदियों में बेशुमार प्लास्टिक जमा हो चुका है। धरती पर मौजूद जल को संरक्षित करने के लिए हमें सजग होना होगा।

केवल एक दिन ही नहीं
रोज मनाएं पृथ्वी दिवस

विगत कई दशकों से हम जाने या अंजाने अपनी धरती को नुकसान पहुंचाते आ रहे हैं। आज धरती के अस्तित्व पर ही संकट मंडराने लगा है। ऐसे में अब यह हमारी ही जिम्मेदारी है कि पृथ्वी संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास करें। हर वर्ष मनाया जाने वाला पृथ्वी दिवस, हम सबको यही संदेश देता है।

अवेयरनेस / लोकमित्र गौतम

धरती हम सभी के जीवन का आधार है। लेकिन विडंबना देखिए कि हम सब धरतीवासी इसे ही सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रहे हैं। ऐसे में हर साल 22 अप्रैल को मनाया जाने वाला पृथ्वी दिवस, केवल एक तारीख भर नहीं है बल्कि समूचे मानव समुदाय को एक चेतावनी और सामूहिक संकल्प का प्रतीक भी है।

इस दिन की महत्ता: पृथ्वी दिवस हमें याद दिलाता है कि विकास की अंधी दौड़ में हम अपनी जड़ों को ही नष्ट करते जा रहे हैं। बढ़ता प्रदूषण, घटते जंगल और दिनोंदिन डराता जलवायु परिवर्तन, ये सब संकेत हैं कि हमें अपनी सोच और पृथ्वी मां के साथ किए जाने वाले अपने व्यवहार को बदलने की जरूरत है। पृथ्वी दिवस हमें इस बात की भी प्रेरणा देता है कि हमारे छोटे-छोटे प्रयासों से बड़ी-बड़ी जिम्मेदारियां आसानी से निभ सकती हैं ताकि आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित पृथ्वी, एक स्वच्छ वातावरण और संतुलित पर्यावरण मिल सके।

पृथ्वी दिवस की शुरुआत: पृथ्वी दिवस की शुरुआत पिछली सदी में 1970 में हुई थी। इसके पीछे उस समय की वैश्विक स्थितियां जिम्मेदार हैं। सन् 1960 के दशक में अमेरिका सहित दुनिया के कई हिस्सों में औद्योगीकरण तेजी से बढ़ रहा था, लेकिन पर्यावरण संरक्षण पर कोई खास ध्यान नहीं दिया जा रहा था। नदियां प्रदूषित हो रही थीं, हवा दिन पर दिन जहरीली हो रही थी और जैव-विविधता लगातार खतरे में थी। इसी सबको देखते हुए अमेरिकी सीनेटर गेलॉर्ड नेल्सन ने पर्यावरण के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से 22 अप्रैल 1970 को पृथ्वी दिवस का आयोजन किया। इस दिन करीब 2 करोड़ लोग सड़कों पर उतरे और पर्यावरण संरक्षण की मांग की। यह एक ऐतिहासिक जन-आंदोलन बन गया। इसके बाद धीरे-धीरे यह विभिन्न वैश्विक अभियानों में बदल गया और आज दुनिया भर के 190 से ज्यादा देश पृथ्वी दिवस मनाते हैं।

अधिक प्रासंगिक है आज: पृथ्वी दिवस की प्रासंगिकता, इसके शुरू किए जाने के समय से कहीं ज्यादा आज है। हम जिन समस्याओं विशेषकर पर्यावरणीय समस्याओं का आज सामना कर रहे हैं, इससे पहले ये कभी इस कदर भयानक नहीं थीं। बढ़ते तापमान, पिघलते ग्लेशियर आज जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा कारण हैं। दिल्ली जैसे शहरों की हवा प्रदूषण के कारण इस कदर जहरीली है कि दुनिया के कई स्वास्थ्य संगठन कह चुके हैं कि दिल्ली में पूरी जिंदगी गुजारने का मतलब है, अपनी जिंदगी के 10 साल कम कर लेना। लगभग यही हाल जल संकट के मामले में भी है। किसी एक देश में नहीं बल्कि पूरी दुनिया आज जल संकट से गुजर रही है। अगर बात वनों के विनाश या जैव-विविधता के नुकसान की करें तो जितना कहें, वह कम होगा। तमाम चेतावनियों और वैज्ञानिक अध्ययनों से निकले निष्कर्षों के बावजूद हर साल दुनिया से लाखों हेक्टेयर जंगल खत्म हो रहे हैं। यह गंभीर चिंता का विषय है।

वैश्विक है संकट: पृथ्वी में हर तरीके के सकारात्मक वातावरण के क्षरण का यह संकट किसी एक देश का संकट नहीं है, दुनिया के हर हिस्से में यही हो रहा है। अपवाद के तौर पर अगर कुछ देश इस विनाश के हिस्सेदार नहीं हैं, तो दूसरों के कारण उन्हें इसकी सजा भुगतनी पड़ रही है। जहां तक अपने देश भारत का सवाल है, तो हमारे यहां तेजी से बढ़ते शहरीकरण के कारण पर्यावरण पर बहुत गहरा दबाव है। खेती में रासायनिक उर्वरकों की अधिकता और लगातार मिट्टी के अनुर्वरक होते जाने के कारण फसलों का खाद पर ज्यादा से ज्यादा निर्भर होते जाना, जहां चाहकर भी मृदा प्रदूषण से हम बच नहीं सकते, वहीं नदियों का प्रदूषण भी दिनोंदिन गहराता जा रहा है। हालांकि हाल के दिनों में हमारे देश में कई सकारात्मक पहलें भी देखने को मिली हैं। मसलन सौर ऊर्जा मिशन के बढ़ते कदम, प्लास्टिक प्रतिबंध के आधे-अधूरे ही सही पर लगातार बार-बार चलाए जाने वाले अभियान, किचन गार्डेनिंग और ऑर्गेनिक खेती के हो रहे प्रयास, ये दिखाते हैं कि अगर इच्छाशक्ति हो तो धरती को बर्बाद होने से हम सब सामूहिक प्रयासों से बचा सकते हैं।

छोटे कदम भी हैं महत्वपूर्ण: पृथ्वी दिवस की सार्थकता तभी होगी, जब हर आदमी आगे बढ़कर इसके संरक्षण में अपना योगदान देगा। अगर हम लोग संकल्प ले लें कि रोजमर्रा की जिंदगी में प्लास्टिक का उपयोग नहीं करेंगे, पानी, बिजली की अंधाधुंध बर्बादी नहीं करेंगे, पेड़ लगाएंगे और लगे हुए पेड़ों की देखभाल करेंगे, तो इतना भर करने से ही पृथ्वी के सामने जो समस्याएं मुंह बाए खड़ी हैं, इनमें से आधी खत्म हो जाएंगी और अगर सरकार, विभिन्न संस्थाएं और समाज इसके विरुद्ध उठ खड़ा हो तब तो तमाम परेशानियों से मुक्त हो सकते हैं। *

कविता / घमंडीलाल अग्रवाल

मेरा गांव

मिट्टी में मुक्तक मिलते हैं
गलियों-गलियों गीत,
गाय-भैंस के रंभाने में
कविता और अगीत।
छप्पर ऊपर की खपरैलें
अर्पण करती लेख,
टेढ़ी पगडंडियां खींचती
उपन्यास की रेख।
जन-जन की बोली उपजाती
मधुर हास्य की गंध,
पहनावों में पहेलियों के
कई संकलन बंद।
नूतन प्रेमकथा देने की
पनघट ने ली ठान,
शेर, गजल, गीतिका लुटाती
अधरों की मुस्कान।
यहां रहट की ध्वनियां देतीं
एकांकी के भाव,
लेखक, कथाकार, कवि, शायर
लोगो, मेरा गांव।

व्यंग्य / पूरन सरमा

बस हो या रेल सब में दुर्जन यात्रा कर रहे हैं, वे आएंगे और आपकी सज्जनता का लाभ उठाकर आपकी सीट हथिया लेंगे। आप खड़े-खड़े परेशान होते रहेंगे और दूसरा सहयात्री पूरी सीट पर पांव फैलाकर बैठा रहेगा।

त्याग दीजिए नैतिकता

हालांकि आप अब तक नैतिकता का त्याग कर ही चुके होंगे, लेकिन यदि नहीं किया है तो नेक सलाह मानकर इसे अविलंब त्यागिए। इसमें बंधे रहना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। त्याग और बलिदान का युग नहीं है यह। यह युग घोर स्वार्थ-परकता, अन्याय, छल, कपट तथा प्रपंच का है। आपने थोड़ी-सी भी शालीनता बरती कि गए काम से। नैतिकता से आदमी में निष्ठा, लगन व मेहनत के भाव जन्म लेते हैं और ये भाव अब गिर चुके हैं। इन भावों को अपनाने से आदमी का पतन होता है तथा लोककल्याण की चक्की में पिसकर नष्ट हो जाता है। श्रद्धा, आदर्श, परोपकार एवं ईमानदारी जैसे शब्द अब महत्त्व खो चुके हैं। इनके अर्थ समझने की कोशिश मत करिए। वैसे तो शब्दकोषों के जो नए संस्करण आएंगे, उनमें आपको ये शब्द ही नहीं मिलेंगे। इसलिए नैतिकता को त्यागिए और स्वार्थ की अंधी दौड़ में शरीक हो जाइए, तब तो आपकी नैया इस भवसागर से पार हो जाएगी, अन्यथा इसी में डुबकी लगाते रहेंगे।

दफ्तर में जिस व्यक्ति के पास जरा-सी भी नैतिकता है, बस वही तकलीफ पा रहा है। वर्ना दूसरे तमाम लोग बाहर गुमटियों पर चाय-समोसे उड़ा रहे हैं, पान की पीकें उगल रहे हैं। आपने ही कौन-सा च्यवनप्राश खाया है, जो सारा कौशल दिखाकर पूरे दफ्तर के कार्य को निपटाना चाहते हैं। काम मत कीजिए, बस बात कीजिए। वेतन काम करने का नहीं, ऑफिस में हाजिरी लगाने का मिलता है, वह आप कर ही देते होंगे। काम करने के लिए घूस, रिश्वत तथा भेंट आदि का चलन है। भ्रष्टाचार किसलिए फैलाया गया है? बस इनका लाभ उठाइए। यह लाभ उठाने के लिए होता है, त्यागने के लिए नहीं। वेतन तो उन लोगों को भी यथासमय मिल रहा है, जो काम नहीं करते, फिर आपको कौन-सा हार्ड ड्यूटी एलाउंस मिल रहा है। यह आपकी नैतिकता ही तो है, जो आपको चैन नहीं लेने देती। नैतिकता बड़ी खराब है, जिसमें एक बार घुस जाए, निकलने का नाम ही नहीं लेती है। मेरी तमाम सज्जनों से अपील है कि वे आपनी सज्जनता को त्यागें। युग बड़ा खराब है, सब घात लगाए बैठे हैं। आपको गच्चा देने की फिराक में है दुनिया। दुर्जनता को अपनाइए, आपकी सारी समस्याएं हल हो जाएंगी। समस्याओं के पहाड़ तैयार करने हैं तो सज्जन बने रहिए। यकीन न हो तो अभी आप सज्जनता के पक्ष में जनमत संग्रह करवाकर देखिए, आप अकेले रह जाएंगे। अगर यह सोचते होंगे कि यूनियन बना लेंगे, तो यह भी दिवास्वप्न है। वैसे यूनियनबाजी सज्जन आदमी कर भी नहीं सकता। इसके लिए भी आपको घाट-घाट का पानी पीने के बाद सज्जनता का पाजामा हर हालत में उतार कर फेंकना होगा। जो आदमी युग की नब्ज नहीं पहचानता, वह पछताता है। यदि आप पछताने का चाव रखते हैं तो जरूर, नैतिकता को अपनाए रहें।

सज्जनता आपके भीतर होगी तो आप पब्लिक ट्रांसपोर्ट में कोई भी यात्रा आराम से नहीं कर सकेंगे। यात्रा के दौरान आपके पास जब भी कोई महिला आएगी तो खड़े होकर आप उसे बैठने को स्थान दे देंगे। अब आप खड़े रहिए, घंटे-दो घंटे। बस हो या रेल सब में दुर्जन यात्रा कर रहे हैं, वे आएंगे और किसी न किसी तरह आपकी सज्जनता का लाभ उठाकर आपकी सीट हथिया लेंगे। आप में शालीनता, विनम्रता और सदाशयता कूट-कूट कर जो भरी है, उसी का परिणाम है कि आप खड़े-खड़े परेशान होते रहेंगे और दूसरा सहयात्री पूरी सीट पर पांव फैलाकर बैठा रहेगा। आपकी हिम्मत नहीं होगी कि आप उससे यह कह दें कि वे अपने पांव समेट लें। काश, इस समय आपके पास दुर्जनता होती, लफंगई होती तो आपको सीट मिल जाती। शिष्टाचार इस युग की घोर बुराई है। आप बुराई अपनाते हैं तो यह मूर्खता नहीं तो और क्या है?

मेरी तो यही सलाह है कि आप में जो भी उच्च संस्कार बतौर इंसानियत के पैदा हो गए हैं, उन्हें अपने वैयक्तिक जीवन के हित संरक्षण के लिए अविलंब त्याग दीजिए। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

चंडीदत्त रचना-समग्र

अपने छोटे से जीवन में ही चंडीदत्त शुक्ल ने पत्रकारिता के साथ साहित्य लेखन में भी अलग पहचान बना ली थी। उनकी उपलब्ध अठहत्तर कविताओं, कहानियों और साक्षात्कार का संकलन 'चंडीदत्त रचना समग्र' पुस्तक के रूप में हाल में प्रकाशित हुआ है। इन रचनाओं से गुजरते हुए उनकी साहित्य की गहरी समझ और नई दृष्टि से रचने की प्रतिभा प्रमाणित होती है। 'जब मन का हर डर मर जाए', 'हंसती खेलती औरत', 'सो जाओ कि रात बहुत गहरी है' जैसी अनेक कविताएं और 'फिर आना अखिलेश और हंसना जोर-जोर से..', 'एक आंसू गुनगुनाता रहा रात भर' जैसी कहानियां उनके क्रिएटिव रेंज की तस्दीक करती हैं। पुस्तक में संकलित साक्षात्कार में उन्होंने अपने आरंभिक जीवन और साहित्यिक सरोकार पर बेबाक विचार भी व्यक्त किए हैं। साहित्य से आम लोगों की बढ़ती दूरी के बारे में चंडीदत्त के यह विचार ध्यान देने योग्य हैं, 'इन दिनों बहुतेरा साहित्य अमूर्त भाषा और भाव के साथ लिखा जा रहा है, जिससे जुड़ पाना सामान्य पाठक के बस का नहीं है।' *

पुस्तक: चंडीदत्त रचना-समग्र, **संपादक:** डॉ. शैलेंद्र नाथ मिश्र-राजेश ओझा, **मूल्य:** 299 रुपए, **प्रकाशक:** श्वेतवर्णा प्रकाशन, नई दिल्ली, नोएडा

लघुकथा / गोविंद भारद्वाज

मजदूर

भाई साहब पिछले हफ्ते जिस लड़की को हम लोग देखने गए थे, उस लड़की का सिविल सेवा में चयन हो गया है। अब तो रिश्ता पक्का कर दीजिए।' गोपी बाबू के छोटे भाई ने कहा।

'नहीं छोटे, वह लड़की हमारे घर की कभी बहू नहीं बन सकती।' गोपी बापू ने कहा।

'क्यों भैया क्या दोष है उस बच्ची में?' छोटे ने पूछा। 'दोष उसमें नहीं उसके पिताजी में है।' गोपी बापू ने पलटकर कहा। 'कौन सा दोष.. कैसा दोष भैया?' 'उसके पिताजी हमारे ही कारखाने में मजदूर हैं।' नथुने फुलाते हुए गोपी बापू ने कहा। इस पर छोटे ने कहा, 'यह तो अच्छी बात है। मेहनती बाप की मेहनती बेटी अपने घर की बहू बनेगी।' छोटे भाई ने समझाया। 'नहीं छोटे, हम अपने मजदूर को अपने बराबर नहीं बैठा सकते। उसको अपना समधी नहीं बना सकते। उसके पसीने की बदबू हमारे बदन का इत्र नहीं बन सकती।' गोपी बापू ने दलील दी। उसी समय मोबाइल की घंटी बजी। उधर से आवाज आई, 'हैलो गोपी बाबू, सिटी अस्पताल आ जाइए तुरंत। आपके बेटे का एक्सीडेंट हो गया है।'

'अरे..अभी आया।' गोपी बापू ने माथे का पसीना पोंछा फिर घबराते हुए अस्पताल भागे। अस्पताल पहुंचकर जो दृश्य गोपी ने देखा, उसे देखते रह गए। दरअसल, वही मजदूर उनके लड़के को अपना खून दे रहा था, जिसको वे अपने बराबर बैठाना नहीं चाहते थे। *

श्रम कानून उल्लंघन में 203 ठेकेदारों के लाइसेंस होंगे निरस्त, 1.16 करोड़ की पेनल्टी

एजेंसी ▶▶ गौतमबुद्ध नगर

नोएडा व ग्रेटर नोएडा में श्रम कानूनों का उल्लंघन करने वाले 24 कारखानों से जुड़े 203 ठेकेदारों के लाइसेंस निरस्त करने, राशि की वसूली करने और एजेंसियों को काली सूची में डालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अपर श्रमायुक्त राकेश द्विवेदी ने बताया कि श्रमिकों के उपद्रव में कई ठेकेदारों की भूमिका संदिग्ध पाई गई। वहीं, श्रम कानूनों का पालन नहीं करने पर ठेकेदारों के खिलाफ 1.16 करोड़ रुपये की पेनल्टी के नोटिस जारी किए गए हैं।

अन्य ठेकेदारों की भी जांच की जा रही है और दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की बताया गौतमबुद्धनगर व गाजियाबाद में 74 अनुसूचित नियोजनों के श्रमिकों के वेतन में 21 फीसदी की वृद्धि की गई है। कर्मचारियों के वेतन से ईपीएफ और ईएसआई के अतिरिक्त कोई अन्य कटौती का मामला सामने आता है, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। वेतन भुगतान में देरी या कम भुगतान पर ठेकेदारों की भी जवाबदेही तय की जाएगी।

नोएडा में हुए बवाल, आगजनी और तोड़फोड़ के पीछे साजिश की आशंका है। पुलिस के साथ एसटीएफ ने जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में उत्तर प्रदेश, बिहार, असम, त्रिपुरा समेत कई राज्यों के युवकों के शामिल होने का शक है।

व्हाट्सएप ग्रुप खंगाल रही एसटीए

जांच में यह भी सामने आया कि इसी गुट ने हरियाणा के मानेसर में बीती 9 अप्रैल को हुए प्रदर्शन के दौरान लोगों को भड़काने का प्रयास किया था ताकि औद्योगिक क्षेत्र में दंगा भड़क जाए। एसटीएफ इस मामले में तमाम ऐसे व्हाट्सएप ग्रुप को खंगाल रही है, जिनके जरिये मजदूरों को भड़काया गया था।

विवि के छात्रों व सियासी दल ने मजदूरों को भड़काया

नोएडा में हुए बवाल को भड़काने के पीछे दिल्ली के एक विवादित विश्वविद्यालय के छात्रों और एक सियासी दल के लोगों का हाथ था। जांच के दायरे में आए सियासी दल का जुड़ाव कुछ नक्सली संगठनों से भी है। शासन के निर्देश पर इस मामले की जांच कर रही एसटीएफ की जांच में इसके पुख्ता सुराग हाथ लगे हैं। एसटीएफ इसमें शामिल लोगों को तेजी से चिन्हित कर रही है। जल्द ही उनको गिरफ्तार किया जाएगा।

नोएडा बवाल की साजिश में शहर के चार युवकों पर शक की सुई

नोएडा में हुए बवाल, आगजनी और तोड़फोड़ के पीछे साजिश की आशंका है। पुलिस के साथ एसटीएफ ने जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में उत्तर प्रदेश, बिहार, असम, त्रिपुरा समेत कई राज्यों के युवकों के शामिल होने का शक है। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और घटना के दौरान बनाए गए वीडियो खंगाले जा रहे हैं। शहर के चार से पांच युवकों पर भी शक है। शुक्रवार को नौबस्ता और बादशाहीनाका क्षेत्र से कुछ लोगों को इसी सिलसिले में उठाया गया है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा की फैक्ट्रियों में तोड़फोड़, आगजनी, पुलिस व अन्य सरकारी वाहनों को नुकसान पहुंचाने की घटना हुई थी। पुलिस ने बवाल करने वालों को मशक्कत कर शांत कराया। अलग-अलग इकाइयों में एकदम से भीड़ उग्र हुई और संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया गया। पुलिस के साथ प्रतिष्ठानों पर पथराव हुआ। पुलिस और प्रशासन ने खुफिया, इंटेलीजेंस, एलआईयू आदि से जांच कराई जिनकी प्रारंभिक जांच में बवाल के पीछे साजिश की आशंका जताई गई।सूत्रों के मुताबिक कुछ प्रतिष्ठानों में फेस रिकग्नाइजेशन (चेहरे पहचानने वाले) कैमरे लगे हुए हैं। उनमें संदिग्धों के वीडियो मिले हैं। कुछ युवक पत्थर, तेल के गैलन, सब्बल लिए नजर आ रहे हैं। उनकी जानकारी जुटाई जा रही है। कानपुर के चार से पांच युवकों पर भी शक है। इनमें से दो वहां रहने के साथ सब्जी व फल का कारोबार करते हैं। उनके बारे में नौबस्ता और बादशाहीनाका क्षेत्र से जानकारी जुटाई गई है। कुछ लोगों को उठाया गया है।

एसआईआर के नफा-नुकसान भांप रही बसपा

लखनऊ। बसपा एसआईआर से हुए नफा-नुकसान को भांप रही है। पार्टी गठित की गईं 15 हजार बूथ कमेटियों से रिपोर्ट मांगी है, जिसके आधार पर रणनीति तय की जाएगी। गौरतलब है कि बसपा ने इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया था ताकि उसके समर्थकों का नाम मतदाता सूची में बरकरार रहे। अभियान में जिनकी सक्रिय भूमिका निभाई, उन्हें टिकट चयन में तवज्जो दी जाएगी।

सीएम सम्राट चौधरी 24 अप्रैल को पेश करेंगे नई सरकार का विश्वास मत

पटना। बिहार में नवनियुक्त मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में गठित एनडीए की नई सरकार के विश्वास मत पेश करने की तारीख आ गई है। बिहार विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र की तिथि का ऐलान हो गया है। विधानसभा सचिवालय ने शनिवार को इसकी अधिसूचना जारी कर दी। यह विशेष सत्र शुक्रवार, 24 अप्रैल को बुलाया गया है।

पश्चिम बंगाल के धूपगुड़ी में सीएम योगी आदित्यनाथ बोले-

बुलडोजर बाबा जिंदाबाद के नारे लगे

भाजपा आएगी तो बंगाल में लव जिहाद और लैंड जिहाद बंद होगा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माथाभांगा और धूपगुड़ी में ममता बनर्जी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने ममता बनर्जी पर गंभीर आरोप लगाया कि और कहा कि ममता दीदी तो तुष्टीकरण की राजनीति करती है। उनको तो पश्चिम बंगाल के उद्योग-धंधों को बंद कर बाहरी लोगों को बंगाल में शरण देनी है।

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

भाजपा के स्टार प्रचारक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में पार्टी के प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल बना रहे है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार कूच बिहार की माथाभांगा विधानसभा क्षेत्र में निशीथ प्रमाणिक और जलपाईगुड़ी की धूपगुड़ी विधानसभा क्षेत्र में नरेश चंद्र राय के पक्ष में जनसभा की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माथाभांगा और धूपगुड़ी में ममता बनर्जी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने ममता बनर्जी पर गंभीर आरोप लगाया कि और कहा कि ममता दीदी तो तुष्टीकरण की राजनीति करती है।

उनको तो पश्चिम बंगाल के उद्योग-धंधों को बंद कर बाहरी लोगों को बंगाल में शरण देनी है। ममता बनर्जी बंगाल की शिक्षा को भी पीछे ढकेलने का काम किया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने उत्तर प्रदेश में लव जिहाद और लैंड जिहाद जैसी समस्याओं पर सख्त कार्रवाई की है और कानून व्यवस्था को मजबूत किया है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की प्राथमिकता सुरक्षा और विकास है। यह जनसभा पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर गरमाहट बढ़ाने वाली मानी जा रही है।

खास बातें

- बंगाल की धरती को वीरों और किसानों की भूमि
- उत्तर प्रदेश की सरकार की प्राथमिकता सुरक्षा और विकास

आधी आबादी का अपमान

पश्चिम बंगाल के धुपगुड़ी विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री ने कहा कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' में आवश्यक संशोधन और आधी आबादी को मिलने वाले उसके अधिकार में कांग्रेस, टीएमसी, सपा के साथ वामपंथी दलों ने जो विघ्न डाला है, इन्होंने तो आधी आबादी का अपमान किया है। बंगाल देश की संस्कृति की राजधानी रहा है और इस धरती ने राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान जैसी महत्वपूर्ण धरोहरें देश को दी हैं। उन्होंने कहा कि पहले बंगाल देश का ग्रोथ इंजन माना जाता था, लेकिन आज राज्य कई चुनौतियों का सामना कर रहा है।

यूपी में 2017 से पहले अराजकता

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2017 से पहले अराजकता का माहौल था और त्योहारों व धार्मिक आयोजनों के दौरान भी तनाव की स्थिति बनी रहती थी। अब तो सब चंगा है, लोग बेखौफ होकर अपने-अपने पर्व और त्यौहार को धूमधाम से मना रहे हैं। धुपगुड़ी विधानसभा में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा ति बंगाल की धरती पर आना मेरा सौभाग्य हैं। बंगाल वीरों और किसानों की धरती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बंगाल की धरती को वीरों और किसानों की भूमि बताया।

अपराध व भ्रष्टाचार पर सख्त कार्रवाई

उन्होंने दावा किया कि 2017 से पहले यूपी में अराजकता का माहौल था और त्योहारों व धार्मिक आयोजनों के दौरान भी तनाव की स्थिति बनी रहती थी। उन्होंने यह भी कहा कि पहले कुछ इलाकों में जुमे के दौरान सड़कें जाम हो जाती थीं, लेकिन अब यूपी में स्थिति पूरी तरह नियंत्रित है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनकी सरकार ने अपराध और भ्रष्टाचार पर सख्त कार्रवाई की है। सीएम योगी ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था की स्थिति गंभीर है और राज्य "पहचान के संकट" से गुजर रहा है।

पानीपत में ईएसआई अस्पतालों की गड़बड़ी पर 3 कर्मचारी सस्पेंड

- पांच मेडिकल सुपरिंटेंडेंट पर भी कार्रवाई के आदेश
- छह निजी अस्पतालों को किया डी-पैनल जांच के दिए निर्देश

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

नायब सिंह सैनी ने ईएसआई हेल्थ केयर सिस्टम में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए कड़े निर्देश जारी करते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या भ्रष्टाचार को सहन नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री शनिवार को हरियाणा सिविल सचिवालय में ईएसआई हेल्थ केयर हरियाणा की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने पानीपत के ईएसआई अस्पताल से जुड़े मामलों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि उन छह निजी अस्पतालों को तुरंत डी-पैनल किए जाने की कार्रवाई की जाए, इस पर अमल करते हुए विभाग ने अस्पतालों को नोटिस जारी कर दिया है।

इन अस्पतालों ने वर्ष 2020-21 से 2023-24 के दौरान अत्यधिक रेफरल किए थे और रेफरल प्रपत्रों पर चिकित्सकों के हस्ताक्षरों में गड़बड़ी पाई गई। उन्होंने इस पूरे प्रकरण में संलिप्त पानीपत ईएसआई अस्पताल के संबंधित 3 कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

75 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं की समीक्षा, समयबद्ध पूरा करने के निर्देश

चंडीगढ़। नायब सिंह सैनी ने हरियाणा सिविल सचिवालय में आयोजित 'प्रगति' समीक्षा बैठक में 75 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली राज्य की प्रमुख विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागों को कार्यों में तेजी लाने और तय समय सीमा में परियोजनाएं पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में शहरी विकास, स्वास्थ्य, पर्यटन, पुरातत्व और आपातकालीन सेवाओं से जुड़ी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

पेज एक का शेष

ईरान की नौसेना ने ...

मिलियन बैरल इराकी कच्चा-तेल लेकर भारत जा रहे 2 जहाजों (जग अर्नव, सनमार हेराल्ड) पर गोलीबारी कर उन्हें जबरन जलडमरूमध्य की ओर लौटने के लिए मजबूर किया गया है। घटना में जहाजों पर सवार चालक दल के किसी सदस्य को फिलहाल कोई नुकसान नहीं पहुंचा है, सभी सुरक्षित हैं।

ईरान के राजदूत को किया तलब : विदेश मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि मामले पर सख्त रुख अपनाते हुए विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली में तैनात ईरान के राजदूत डॉ. मोहम्मद फतहली को तलब कर कड़ा विरोध जताया है। आज शाम में लगभग साढ़े छह बजे विदेश सचिव विक्रम मिस्री और ईरान के राजदूत डॉ. फतहली के बीच इस संबंध में एक बैठक भी हुई। जिसमें ईरानी राजदूत ने यह आश्वासन दिया है कि वह भारत की चिंताओं को अपने वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचाएंगे। यहां बता दें कि यह पूरा मामला एक ऐसे समय में सामने आया है। जब बीते दिनों कई बार ईरान ने भारत के व्यापारिक जहाजों को होर्मुज से सुरक्षित निकलने देने का वादा किया था। जिसमें नई दिल्ली को मित्र देशों की सूची में शुमार देश बताते हुए यह भी कहा गया था कि भारत को घबराने की कोई जरूरत नहीं है। वह पूरी तरह से सुरक्षित है।

पहले जहाजों को गुजरने में दी सहायता: विदेश सचिव ने ईरान के राजदूत को भारत द्वारा वाणिज्यिक जहाजों और उनमें सवार नाविकों से जुड़ी हुई गतिविधियों जैसे सुरक्षित आवाजाही को दिए जाने वाले महत्व के बारे में भी बताया। इसके अलावा उन्हें यह भी याद दिलाया कि ईरान ने पहले भी भारत का ध्वज लगे हुए कई जहाजों को होर्मुज से सुरक्षित गुजरने में सहायता प्रदान की है।

इराक से भारत आ रहे थे जहाज : मीडिया रिपोर्ट की माने तो यह घटना 18 अप्रैल को उस वक्त हुई जब यह दोनों जहाज इराक से कच्चा तेल लेकर होर्मुज से ओमान के समुद्र तट की ओर बढ़ रहे थे। लेकिन उससे लगभग 20 मील उत्तर-पूर्व में ईरान की नौसेना ने इन पर हमला बोल दिया, गोलीबारी की और जहाजों को वापस होर्मुज जलडमरूमध्य की ओर जाने के लिए मजबूर कर दिया।

मामले की पड़ताल करती नौसेना : भारतीय नौसेना इस पूरे मामले की जानकारी एकत्रित करने में लगी हुई है। होर्मुज जलडमरूमध्य में बल का कोई युद्धपोत मौजूद नहीं है। नौसेना की जिम्मेदारी होर्मुज से बाहर निकलकर ओमान के तट पर पहुंचने पर देश के सभी व्यापारिक जहाजों को स्वदेश प्रस्थान के दौरान तनावग्रस्त क्षेत्र से बाहर छोड़ने तक ही सुरक्षा कवच प्रदान करने की है। केंद्र ने इस संबंध में ऊर्जा सुरक्षा नामक अभियान भी चलाया हुआ है। ओमान की खाड़ी में वर्तमान समय में नौसेना के तीन जंगी युद्धपोत तैनात हैं। जिनमें से एक विध्वंसक, एक फ्रिगेट और एक टैंकर शामिल है।

अक्षय तृतीया पर....

की थाप के बीच मां गंगा की उत्सव विग्रह डोली उनके शीतकालीन प्रवास मुखबा (मुखिमठ) से गंगोत्री धाम के लिए रवाना हो गई है। आज विशेष पूजा-अर्चना के बाद दोपहर 12 बजकर 15 मिनट पर गंगोत्री धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। ये कपाट अगले छह माह तक खुले रहेंगे। यमुनोत्री धाम के कपाट भी रविवार को ही खुलेंगे। माता यमुना की डोली रविवार को सुबह खरसाली से प्रस्थान करेगी, जिसके बाद सुबह 8:45 बजे से 12:00 बजे के बीच शुभ मुहूर्त में धाम के कपाट खोले जाएंगे। चार धाम यात्रा के लिए अब ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के साथ-साथ अब ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन भी शुरू कर दिया गया है। शुक्रवार को पहले ही दिन 2,713 श्रद्धालुओं ने ऑफलाइन काउंटरों पर अपना रजिस्ट्रेशन कराया। पहले दिन यमुनोत्री के लिए 683, गंगोत्री के लिए 690, केदारनाथ के लिए 667 और बद्रीनाथ के लिए 673 श्रद्धालुओं ने रजिस्ट्रेशन कराया है। इस बार उदया तिथि में मनाई जाएगी अक्षय तृतीया काशी के प्रमुख पंचांगों के अनुसार 19 अप्रैल को दोपहर 1 बजकर 01 मिनट से तृतीया तिथि प्रारंभ हो रही है, जो 20 अप्रैल 2026 को 10 बजकर 40 मिनट तक रहेगी। जबकि अक्षय तृतीया का पुण्यफलकारी पवित्र पर्व उदीयकालिक रोहिणी युक्त तृतीया तिथि 20 अप्रैल को मानना अति शुभ रहेगा।

विपक्ष को करारा...

इसलिए भी हावी हो रही है कि पश्चिम बंगाल चुनाव में इसका फायदा और नुकसान तय किया जा सके। केंद्र सरकार ने विधेयक के साथ परिसीमन की बात जोड़ी जिसे विपक्षी दलों ने पूरी तरह से नकार कर शुक्रवार को लोकसभा में विधेयक पास नहीं होने दिया था।

नारी शक्ति का सम्मान सर्वोपरि

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की नारी शक्ति देश के विकास की आधारशिला है। उन्होंने भावुक स्वर में कहा कि महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने में आई बाधाओं से वे व्यथित हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार भविष्य में भी महिलाओं के अधिकारों की रक्षा और उनके सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयास करती रहेगी।

विपक्ष पर सीधा हमला: प्रधानमंत्री ने विपक्षी दलों खासकर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके और तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि इन दलों की वजह से महिला आरक्षण विधेयक पारित नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि "देश की जनता को यह जानने का अधिकार है कि महिलाओं के अधिकारों में बाधा कौन बना।"

राजनीतिक घमासान तेज : प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद देश की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। भाजपा ने विपक्ष को महिला विरोधी बताया। विपक्ष ने सरकार की रणनीति और नीयत पर सवाल उठाए। प्रियंका गांधी वाड्रा ने मोर्चा संभाला। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि महिला आरक्षण पर सभी दल सहमत हैं, लेकिन सरकार ने इसे सही तरीके से पेश नहीं किया। परिसीमन को जोड़कर महिला आरक्षण पर सियासी मुलम्मा चढ़ाने की कोशिश की गई जिसे नकार दिया गया।

भाजपा विधानसभाओं...

को घेरने का प्लान बनाया गया। नवीन की बैठक के दौरान संसद में महिला आरक्षण विधेयक को पारित होने से रोकने के विपक्ष के प्रयास पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान भाजपा अध्यक्ष ने निर्देश दिया कि भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री अपनी विधानसभाओं में एक दिन का विशेष सत्र बुलाए और विपक्ष के रुख के खिलाफ विधानसभा में निंदा प्रस्ताव पारित करने की सिफारिश करे।

महिलाएं याद रखेंगी ...

और मेज थपथपाई, इस बात का राजनीतिक जश्न मनाया गया कि साधारण महिला की राजनीतिक आकांक्षाओं को कुचला गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी और उसके समर्थक दलों ने इस बात का उत्सव मनाया कि वर्षों से संघर्ष कर रही राजनीतिक महिलाएं, जो मात्र 33 प्रतिशत का अधिकार संसद में मांग रही थीं, उन्हें कैसे मर्यादाएं तोड़कर उनके अधिकार से वंचित रखा जाए। सत्ता का संघर्ष और संसद का संघर्ष कैसे जीता जाए, उसी जश्न में कांग्रेस और उसके समर्थक दल स्वयं को समर्पित कर रहे थे, जबकि भाजपा के लिए यह सत्ता का संघर्ष नहीं, बल्कि समानता का अधिकार देने का प्रश्न था।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि महिलाएं याद रखेंगी कि जब छह दशकों तक कांग्रेस के पास सत्ता रही, तब इस देश में 11 करोड़ महिलाएं शौचालय से वंचित थीं। महिलाएं यह भी याद रखेंगी कि कांग्रेस के शासनकाल में ट्रिपल तलाक एक अभिशाप बनकर मुस्लिम महिलाओं के सिर पर मंडराता रहा और उनके सपनों का संहार करता रहा। महिलाएं यह भी याद रखेंगी कि 25 करोड़ महिलाओं को बैंक खाता खोलने में कांग्रेस सरकार ने कभी समर्थन या सुविधा नहीं दी। देश की महिलाएं यह भी याद रखेंगी कि 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को कांग्रेस के कार्यकाल में आयुष्मान भारत का सहयोग प्राप्त नहीं हुआ। इस देश की महिलाएं याद रखेंगी कि भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में पहली बार जेंडर बजट की व्यवस्था की गई, जबकि कांग्रेस के कार्यकाल में ऐसा नहीं हुआ।

ईरानी ने कहा कि देश की महिलाएं यह भी याद रखेंगी कि 33% आरक्षण का विधेयक भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने दोनों सदनों में पारित कराया, जबकि कांग्रेस की मंशा 98 वर्षों तक सपना दिखाने की रही और जब सत्ता में रही, तब उस सत्ता का सदुपयोग कर महिलाओं को आरक्षण दिलाने के बजाय लोकसभा में यूपीए के कार्यकाल में उस विधेयक को लैप्स होने दिया गया। कांग्रेस की प्रेस वार्ता में ये कहा गया कि वे 2023 के पारित बिल का समर्थन करते हैं, जिसमें डीलिमिटेशन का उल्लेख है। लेकिन दोगलापन कांग्रेस का इतना है कि साथ में ये भी कहते हैं कि उन्हें परिसीमन की समिति और व्यवस्था में विश्वास नहीं। कांग्रेस को देश की संवैधानिक व्यवस्थाओं में विश्वास नहीं, देश की संसद में विश्वास नहीं और देश की महिला पर भी विश्वास नहीं। कांग्रेस ने अपना क्रूर चेहरा देश की जनता के सामने उजागर किया है।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए रविशंकर प्रसाद ने कहा कि पहली बात यह है कि आज से नहीं, बल्कि जब से संविधान लागू हुआ है, तब से यह स्पष्ट है कि लोकसभा या विधानसभा की सीटों का कोई भी पुनर्गठन बिना परिसीमन के संभव नहीं है। लोकसभा या विधानसभा की सीटों में किसी भी प्रकार का संशोधन डीलिमिटेशन के बिना नहीं किया जा सकता। इसका कारण यह है कि परिसीमन जनसंख्या के आधार पर होता है और यही जनसंख्या तय करती है कि किस राज्य को कितनी सीटें मिलेंगी। इसकी प्रक्रिया और व्यवस्था डीलिमिटेशन कमीशन के माध्यम से संचालित होती है।

प्रसाद ने कहा कि वर्ष 2002 में एक महत्वपूर्ण विषय सामने आया, जब 2001 की जनगणना पूर्ण हो चुकी थी। जो लोग बार-बार अटल बिहारी वाजपेयी का उल्लेख करते हैं, उनके संदर्भ को स्पष्ट करना भी आवश्यक है। उस समय यह आशंका व्यक्त की गई थी कि यदि 2001 की जनगणना के आधार पर सीटों का निर्धारण किया गया, तो दक्षिण भारत के राज्यों को नुकसान होगा, क्योंकि वहां परिवार नियोजन के कारण जनसंख्या वृद्धि अपेक्षाकृत कम रही है। इसी संदर्भ में वर्ष 2001 में एक निर्णय लिया गया, जिसके अनुसार "वर्ष 2026 के बाद होने वाली पहली जनगणना के संबंधित आँकड़े प्रकाशित होने तक, लोकसभा में राज्यों को सीटों का आवंटन और प्रत्येक राज्य को क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्रों में विभाजित करने का पुनः समायोजन करना आवश्यक नहीं होगा।"

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रियंका गांधी यह कहती हैं कि वे डीलिमिटेशन कमीशन को नहीं मानतीं, तो फिर वे क्या मानती हैं? 2023 के कानून को पढ़ना भी आवश्यक है। अनुच्छेद 334 के अनुसार, इस भाग या भाग 3 के पहले दिए गए प्रावधानों के बावजूद, लोकसभा, राज्य की विधानसभाओं और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की विधानसभा में महिलाओं के लिए सीटों के आरक्षण से जुड़े प्रावधान तब लागू होंगे, जब इस उद्देश्य के लिए परिसीमन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

लोकतंत्र की जीत हुई ...

साफ हो गया कि सरकार की मंशा क्या थी। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि सरकार महिला आरक्षण के नाम पर 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन करना चाहती थी। सरकार चाहती थी कि महिला आरक्षण के नाम पर विपक्ष इस बिल को पारित कर दे, ताकि उसे जाति के आंकड़ों के बिना मनमाने तरीके से परिसीमन का मौका मिल जाए। सरकार द्वारा जो साजिश रची गई, उसका उद्देश्य सत्ता हासिल करना था। उन्होंने कहा कि भाजपा खुद को महिलाओं का मसीहा साबित करना चाहती थी। उसने सोचा था कि यदि बिल पारित नहीं हुआ तो विपक्ष को महिला विरोधी बता दिया जाएगा और पारित हो जाएगा तो परिसीमन के जरिए राजनीतिक लाभ उठा लिया जाएगा।

सरकार चाहती ...

की कि यदि मोदी सरकार गंभीर है, तो 2023 में सर्वसम्मति से पारित विधेयक को तुरंत लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि लोकसभा की वर्तमान 543 सीटों में से 33 प्रतिशत महिलाओं को आरक्षण देने के लिए विपक्ष पूरी तरह तैयार है।

ओबीसी के लिए भी हो आरक्षण: एक प्रश्न के उत्तर में प्रियंका गांधी ने कहा कि हम सब यह बार-बार कह रहे हैं कि जैसे अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए आरक्षण है, वैसे ही ओबीसी महिलाओं के लिए भी उनकी आबादी के अनुपात में आरक्षण होना चाहिए।

विपक्ष एकजुट हो तो मोदी सरकार का हरा सकते : प्रियंका गांधी ने कहा कि पूरे देश ने देख लिया है कि जब विपक्ष एकजुट होता है तो मोदी सरकार को कैसे हराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार को पहली बार बड़ा धक्का लगा है, इसलिए, वह इसे 'ब्लैक डे' कह रही है, लेकिन वास्तव में यह लोकतंत्र के लिए सुनहरा दिन है। अमित शाह कह रहे थे कि हम पर भरोसा करिए, लेकिन असलियत यह है कि जनता का भरोसा इस सरकार से उठ चुका है।

मोदी सरकार ने महिलाओं की सुध नहीं ली : प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के बयानों पर पलटवार करते हुए कांग्रेस महासचिव ने कहा कि भाजपा का महिलाओं के संदर्भ में जो इतिहास है, वह देश के सामने स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि देश की महिलाओं ने उन्नाव, हाथरस, ओलंपियन महिला खिलाड़ियों का मुद्दा और मणिपुर की घटनाएं देखी हैं। मोदी सरकार ने कभी महिलाओं की सुध नहीं ली। इस दौरान उनके साथ कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश भी मौजूद थे।

बांग्लादेशी घुसपैठ ...

जंगलराज जैसे हो गए हैं। लोगों की इच्छा है कि विकास हो और राज्य में स्थिर एवं मजबूत सरकार बने। जनता परेशान है, विकास अवरुद्ध है। ऐसे में प्रगति के लिए भाजपा को चुनना जरूरी है।

बंगाल की जनता परिवर्तन और प्रगति की ओर बढ़ने को तैयार : डॉ. यादव ने कहा कि बंगाल की जनता अब ठहराव नहीं, परिवर्तन और प्रगति की ओर बढ़ने को तैयार है। कई सालों से विकास की दौड़ में पीछे छूटा पश्चिम बंगाल, डबल इंजन सरकार में नई ऊर्जा, नई दिशा और तेज प्रगति के साथ आगे बढ़ेगा। यहां के हर वर्ग के जीवन में जमीनी स्तर पर बदलाव नजर आएगा। उन्होंने कहा कि कोलकाता के अंदरुनी इलाकों में बहुत गरीबी है, हालात बेहद दयनीय हैं। बंगाल के युवाओं के पास रोजगार नहीं है, मजबूरी में लोगों को परिवार का पालन पोषण करने के लिए पलायन करना पड़ रहा है।

पीएम की अध्यक्षता ...

बढ़ाया जा सकेगा।

हर जहाज को बीमा की दरकार: वैष्णव

बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यह पूल सुनिश्चित करता है कि भारत के व्यापार को उन जहाजों के लिए किफायती बीमा मिलता रहे। जो किसी भी वैश्विक मूल से भारतीय पत्तनों तक या इसके विपरीत मार्ग पर कार्गो ले जा रहे हैं। फिर चाहे वह अस्थिर समुद्री मार्गों से ही क्यों न गुजर रहे हों? उन्होंने कहा कि समुद्र में चलने वाले प्रत्येक जहाज को बीमा की जरूरत होती है। इसलिए हम इस नए पूल का गठन कर रहे हैं। जिसमें कई तरह के जोखिम कवर होंगे जैसे जहाज के ढांचे और इंजन को होने वाला नुकसान, कार्गो की सुरक्षा, युद्ध प्रभावितों इलाकों में होने वाला नुकसान, तीसरे पक्ष के प्रति कानूनी देनदारियां, तेल प्रदूषण की देनदारी, जहाज के मलबे को हटाना, चालक दल का घायल होना और उनकी वापसी शामिल है।

यूं पड़ी पूल बनाने की ...

अनिश्चितता देखने को मिली है। वर्तमान में भारतीय जहाज पी एंड आई बीमा के लिए वैश्विक सुरक्षा और क्षतिपूर्ति समूह क्लब पर बहुत अधिक निर्भर हैं। जो तीसरे पक्ष की देनदारियों को कवर करता है। युद्ध के हालात में अक्सर यह देखने को मिलता है कि विदेशी कंपनियां या तो बीमा कवरेज वापस ले लेती हैं या कीमतें काफी बढ़ा देती हैं। पूल के तहत भारत का ध्वज लगे हुए जहाज, नियंत्रित जहाज या भारत आने वाले या देश से बाहर प्रस्थान करने वाले जहाजों को शामिल किया जाएगा और उन्हें संप्रभु गारंटी द्वारा समर्थन प्रदान किया जाएगा।

कवर होंगे सभी...

विकसित करने में मदद करेगा। वहीं, एक शासन निकाय पूल के गठन, संचालन की निगरानी करेगा। प्रस्तावित पूल में संप्रभु गारंटी का मकसद आत्मनिर्भरता को मजबूत बनाना, प्रतिबंधों को सहन करने की क्षमता बढ़ाने के साथ ही अधिक संप्रभु नियंत्रण सुनिश्चित करना है।

देश में महिला आरक्षण कानून में संशोधन के लिए लाए गए 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को पास कराने के लिए एनडीए सरकार दो तिहाई वोट जुटाने में विफल रही। सत्ता पक्ष ने इस बिल को महिला सशक्तिकरण से जोड़कर देखने की बात कही। वहीं, विपक्ष ने इस संशोधन में समाहित परिसीमन को लेकर सरकार को घेरा। कुल मिलाकर सियासी वादों, दावों और आशंकाओं से जुड़ी इस चर्चा का नतीजा देश की महिलाओं के लिए निराशाजनक ही रहा। विचारणीय है कि पर्याप्त समर्थन के अभाव में गिरे इस बिल से राजनीतिक पटल पर देश की आधी आबादी की भागीदारी में बढ़ोतरी का प्रयास एक बार फिर अटक गया है। यह भी सच है कि जब किसी समाज की आधी आबादी निर्णय प्रक्रिया में पर्याप्त रूप से शामिल होती है, तो नीतियां अधिक संवेदनशील, समावेशी और दूरदर्शी बनती हैं। यह विधेयक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखता था, जो फिलहाल भविष्य के गर्भ में चला गया है। इस विधेयक के पारित न होने के पीछे कई तकनीकी और राजनीतिक कारण हो सकते हैं, लेकिन इस बीच एक बड़ा यक्ष प्रश्न अभी भी खड़ा है, क्या केवल आरक्षण महिलाओं को निर्णय लेने की मेज तक ला पाएगा? ***इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

थोड़ा है, ज्यादा की जरूरत है

विश्लेषण

डॉ. मोनिका शर्मा

वरिष्ठ स्तंभकार

महिला आरक्षण बिल लोकसभा में मतदान के दौरान पारित नहीं हो पाया। इस कानून में देश की संसद और राज्य विधान सभाओं में आधी आबादी के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का प्रावधान है। यही वजह है कि सियासी दुनिया में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने वाले कानून में संशोधन के लिए बुलाए गए विशेष सत्र की चर्चा में राजनीति से जुड़े लोगों की नहीं, देश के आम परिवारों की भी ख़ासी रुचि थी।वर्तमान परिदृश्य में अनगिनत विरोधाभासी स्थितियों से जूझते हुए भी आगे बढ़ रही महिलाओं के जीवन में आज भी थोड़ा है और ज्यादा की जरूरत है।

इन दिनों संसद के भीतर और बाहर खूब चर्चा बटोरने वाला महिला आरक्षण बिल लोकसभा में मतदान के दौरान पारित नहीं हो पाया। बिल के समर्थन में 298 और असहमति में 230 वोट पड़े। देश में महिला आरक्षण कानून में संशोधन के लिए लाए गए इस बिल को पास कराने के लिए एनडीए सरकार दो तिहाई वोट जुटाने में विफल रही। ध्यातव्य है कि महिला आरक्षण कानून में देश की संसद और राज्य विधान सभाओं में आधी आबादी के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का प्रावधान है। यही वजह है कि सियासी दुनिया में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने वाले कानून में संशोधन के लिए बुलाए गए विशेष सत्र की चर्चा में राजनीति से जुड़े लोगों की नहीं, देश के आम परिवारों की भी ख़ासी रुचि थी। बहस में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने मजबूती से अपना पक्ष रखा। बिल पर हुई 21 घंटे की गहन चर्चा में कुल 130 सांसदों ने अपने विचार रखे, इनमें 56 महिला सांसद भी थीं। वोटिंग के बाद परिणाम स्त्रियों की हिस्सेदारी बढ़ाने से जुड़े बिल के पास न होने के रूप में सामने आया। सरकार की ओर से 'नारी शक्ति वंदन' मुहिम के तौर पर जनमानस तक पहुंचाए गए बिल को लेकर समझाया गया कि यह देश की आधी आबादी के सम्मान और अधिकारों को मजबूती देने कदम वाला है।

निराशाजनक रहा नतीजा

सत्ता पक्ष ने बिल को महिला सशक्तिकरण से जोड़कर देखने की बात कही। वहीं, विपक्ष ने इस संशोधन में समाहित परिसीमन को लेकर सरकार को घेरा। संविधान संशोधन बिल में प्रस्तावित संशोधनों के अंतर्गत लोकसभा की सीटों को 543 से बढ़ाकर 850 करने एवं परिसीमन के बाद महिला आरक्षण लागू किए जाने की योजना थी।

कुल मिलाकर सियासी वादों, दावों और आशंकाओं से जुड़ी इस चर्चा का नतीजा देश की महिलाओं के लिए निराशाजनक ही रहा। विचारणीय है कि पर्याप्त समर्थन के अभाव में गिरे इस बिल से राजनीतिक पटल पर देश की आधी आबादी की भागीदारी में बढ़ोतरी का प्रयास एकबार फिर अटक गया है। देश की नारी शक्ति को सशक्त बनाने से जुड़े ऐतिहासिक निर्णय में आया यह अटकाव आमजन को भी हैरान-परेशान करने वाला है। यहां तक कि कई महिला सांसदों और समर्थकों ने भी इस बाबत निराशा और आक्रोश जताया है। इस मायूसी की अहम वजह यह है कि देश के सियासी परिदृश्य में हर स्तर पर ही महिलाओं की भागीदारी आज भी बहुत कम है।

धरातल पर नहीं उतरा आरक्षण

यह बिल 2029 के आम चुनाव से पहले स्त्रियों को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की योजना का हिस्सा था। ज्ञात हो कि फिलहाल सदन में 14 प्रतिशत महिलाएं हैं। बावजूद इसके 2023 में मिला 33 फीसदी आरक्षण का कागजी अधिकार धरातल पर नहीं उतर सका। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में भी कहा महिला आरक्षण बिल, ये सिर्फ एक बिल नहीं है, ये देश की दिशा और दशा बदलने वाला बिल है। पीएम ने परिसीमन पहले के अनुपात के अनुसार ही किए जाने का विश्वास दिलाते हुए इस बात को खारिज किया कि निर्णय प्रक्रिया किसी भी तरह किसी के साथ भेदभाव करेगी। साथ ही यह भी जोड़ा कि 33 फीसदी महिलाओं को यहां आने दें और उन्हें निर्णय करने दें। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, संतुलन साधने के प्रयासों के बीच हमारे देश के राजनीतिक परिवेश में बड़े बदलाव की आहट को ठेस तो लगी ही है। साथ ही सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक, स्त्री जीवन से जुड़े हर पक्ष पर इसका असर होगा। गौरतलब है कि इस बिल के साथ परिसीमन विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन विधेयक भी जुड़े थे।

सियासी खेल का खामियाजा

महिला आरक्षण के साथ ही एक विधेयक दिल्ली, पुडुचेरी और जम्मू-कश्मीर जैसे केंद्र शासित प्रदेशों में महिला आरक्षण लागू करने के लिए भी आवश्यक था। ऐसे में मुख्य संविधान संशोधन बिल के गिर जाने के कारण सरकार ने इन दोनों विधेयकों को आगे न बढ़ाने का निर्णय किया। हालांकि सरकार ने आगे भी इस बिल को लाने के लिए प्रयासरत रहने की बात कही है।

स्पष्ट है कि परिसीमन से जुड़ी सरकार की मंशा हो या विपक्ष का संदेह, महिलाओं को इस सियासी खेल का खामियाजा उठाना होगा। आखिर क्यों और कब तक मतदान के लिए लंबी कतारों में दिखने वाली आधी आबादी राजनीतिक प्रतिनिधित्व पाने में पीछे रहे? हालिया वर्षों में शिक्षा और सजगता की बदौलत राजनीतिक सक्रियता के मोर्चे पर स्त्रियों की भागीदारी में बढ़ने की तुलना और सत्ता की बागडोर संभालने के मामले में स्त्रियों के आंकड़े बेहद कम हैं।

जबकि महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ना उनकी शिक्षा, सुरक्षा, सम्मान और सामाजिक-पारिवारिक मोर्चे पर बेहतरी से जोड़कर देखने वाला पहलू है। इतना ही नहीं, महिलाओं का राजनीतिक प्रतिनिधित्व केवल संख्या बल भर नहीं होता। महिलाओं का संसद में पहुंचना स्त्रियों की समस्याओं को मुखर स्वर मिलने जैसा है। इतना ही नहीं, चुनावी मैदान में उतरने से लेकर जीत हासिल करने तक महिला जनप्रतिनिधियों को भी अनगिनत समस्याओं का सामना करना पड़ता है। आधी आबादी के आगे बढ़ने की राह में पहले से ही कई बाधाएं मौजूद हैं।

हमारे देश की आबादी का 48.5 फीसदी हिस्सा महिलाएं हैं। स्त्रियां हमारे सामाजिक- पारिवारिक जीवन की धुरी हैं। आर्थिक मोर्चे पर आज भी आत्मनिर्भर महिलाओं के आंकड़े कम हैं। उनकी सुरक्षा, सम्मान और श्रम से जुड़े मुद्दे भी बहुत हद तक उपेक्षित ही हैं।

महिलाओं का प्रतिनिधित्व

कुल मिलाकर यह समझना मुश्किल नहीं कि भारतीय समाज में स्त्रियों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति उनकी राजनीतिक भागीदारी से भी जुड़ी है। ऐसे में महिलाओं के बुनियादी अधिकारों और आमजीवन से जुड़ी समस्याओं को राष्ट्रीय पटल पर उठाने के लिए महिलाओं के प्रतिनिधित्व का बढ़ना अत्यंत आवश्यक है। वर्तमान परिदृश्य में अनगिनत विरोधाभासी स्थितियों से जूझते हुए भी आगे बढ़ रही महिलाओं के जीवन में आज भी थोड़ा है और ज्यादा की जरूरत है। इसके लिए गंभीर मंथन की सख्त आवश्यकता है।

साफ नीयत से लागू हो नारी शक्ति वंदन अधिनियम

उम्मीद

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

लोकसभा में महिला आरक्षण कानून में बदलाव से जुड़ा संविधान संशोधन विधेयक पास नहीं हो सका। जरूरी दो-तिहाई बहुमत नहीं मिलने के कारण यह बिल गिर गया। इसके साथ ही सरकार ने अन्य दो महत्वपूर्ण विधेयकों परिसीमन बिल और केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन बिल को भी आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। यह संशोधन बिल 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' में बदलाव के लिए लाया गया था, जिसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान है। यदि यह बिल पास हो जाता, तो इसे 2029 के आम चुनाव से लागू करने की योजना थी। जिस तरह इस बिल को लेकर चर्चा गर्म है, क्या उसको लेकर पक्ष-विपक्ष उतना गंभीर है? शायद नहीं, चूंकि यदि ऐसा होता तो यह बिल पास हो चुका होता। भारतीय राजनीति में केवल उन महिलाओं को मौका दिया जाता है, जिनका राजनीतिक बैकग्राउंड होता है या फिर वह सेलिब्रिटी होती हैं। कार्य के बल आज तक किसको कितना मौका मिला है, यह स्पष्ट है लेकिन हमारी राजनीति में परिवारवाद हमेशा से भारी रहा है। यदि उदाहरण के तौर पर देखा जाए तो मुलायम सिंह यादव के परिवार को देख लो। इनके परिवार में 25 से अधिक सदस्य राजनीति में सक्रिय हैं। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, सांसद डिंपल यादव, शिवपाल सिंह यादव, रामगोपाल यादव, धर्मेंद्र यादव और तेज प्रताप यादव प्रमुख हैं। विडंबना देखिए कि इतने बडे परिवार में कितने लोग है जो राजधानी के लिए योग्य है। शायद दस प्रतिशत भी नहीं, लेकिन विरासत मिली चीजों को लोग अक्सर अपना व्यापार मान लेते हैं। इसके अलावा एक बड़ा उदाहरण लालू प्रसाद यादव के परिवार के रूप में भी समझा जा सकता है। उनके दोनों तेज प्रताप यादव व तेजस्वी यादव जो विरासत में राजनीति लेकर पैदा हुए हैं लेकिन इनके लिए भी सवाल यही उठता है कि उनकी शिक्षा व राजनीतिक समझ कितनी है, यह किसी से छुपा नही है, फिर भी वह राजनीति में अपना स्थान बनाए हुए हैं। अब यदि बात महिलाओं की जाए तो उनके लिए राजनीति में कितनी जगह है, क्या उनकी कार्य की योग्यता को मौजूदा नेता स्वीकार कर पाएगें। किसी आम कार्यकर्ता को सांसद,विधायक या पार्षद तक की सीट आसानी से मिलना संभव है। बहुत मुश्किल कार्य है। बीते शुक्रवार को कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके, समाजवादी पार्टी और 'इंडी' गठबंधन बहस करने के लिए नहीं, बल्कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के लिए एक अहम संविधान संशोधन बिल को पास होने से रोकने के लिए एक साथ आए। उसे न सिर्फ खारिज किया गया, बल्कि जीत के नारों के साथ उसका जश्न भी मनाया। यह दृश्य बेहद दुर्लभ था, चूंकि विपक्ष यहां यह बात नहीं समझ पाया कि इससे किसी पार्टी का फायदा-नुकसान या हार-जीत नहीं मिलती, इससे महिलाओं की भागीदारी से देश का उत्थान होने में मदद मिलेगी। बहरहाल, आज आधी आबादी को उनके हक चर्चाओं व सोच से क्या वाकई उनको स्थान मिलेगा, यह तो समय के साथ देखा जाएगा, लेकिन महिलाओं के प्रति अपनी नजरिया स्पष्ट करके उनको देखा जाए तो देश की तस्वीर बदल सकती है। किसी के भी कार्य को गुणवत्ता के आधार पर उसको फल मिलना चाहिए। सही मायनों में राजनीति वह कर सकता है जिसने सड़क पर उतरकर काम किया हो। बहुत ज्यादा नहीं तो हमें देश में उन महिलाओं के योगदान को समझना चाहिए जिन्होंने देश के भविष्य के लिए काम किया है। भारतीय राजनीति में पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, स्वतंत्रता सेनानी, गवर्नर सरोजिनी नायडू,पहली महिला मुख्यमंत्री सुचेता कृपलानी, सोनिया गांधी, सुषमा स्वराज, ममता बनर्जी और मायावती जैसी महिलाओं ने अहम भूमिका निभाई है। इन सभी महिलाओं ने अपने जिद व जुनून से भारतीय राजनीति में अपने आप को स्थापित किया। चूंकि इनमें से अधिकतर ने अपना वजूद खुद तय किया। इसलिए महिलाओं को आरक्षण को लेकर सभी को गंभीर होना चाहिए,यदि वाकई सबकी नियत साफ है तो कुछ प्रतिशत तो निश्चित तौर पर रिजर्व होना चाहिए जिससे बदलाव व देश के उत्थान के लिए महिलाओं की सोच से मिलकर देश आगे बढ़े। परिवर्तन संसार का नियम है और शायद अब भारतीय राजनीति को भी इसे अपना लेना चाहिए। ऐसे मामलों को लेकर पक्ष-विपक्ष अपनी विचारधारा साफ करे।

किसी के भी कार्य को गुणवत्ता के आधार पर उसको फल मिलना चाहिए। सही मायनों में राजनीति वह कर सकता है जिसने सड़क पर उतरकर काम किया हो। बहुत ज्यादा नहीं तो हमें देश में उन महिलाओं के योगदान को समझना चाहिए जिन्होंने देश के भविष्य के लिए काम किया है।

महिलाओं को हक दिलाने पर सरकार अडिग !

चिंतन

सुशील देव

स्वतंत्र पत्रकार

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए जरूरी संविधान संशोधन बिल संसद के विशेष सत्र में आखिरकार गिर गया, जिसे चिंता का विषय कहा जा सकता है। करीब 21 घंटों की चर्चा के बाद भी संविधान के 131वां संशोधन विधेयक 2026 को लेकर सरकार सदन में मौजूदा सदस्यों की दो तिहाई बहुमत नहीं जुटा सकी। इसमें लोकसभा में सीटें 850 करने और महिला आरक्षण को 2029 से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में लागू करने का प्रावधान था। हालांकि सरकार ने दावा किया है कि महिलाओं को हक दिलाकर रहेगी, जबकि विपक्ष ने कहा कि यह महिला आरक्षण नहीं बल्कि परिसीमन के जरिए राजनीतिक संतुलन साधने की कोशिश थी। जनता द्वारा चुनकर देश की विधानसभाओं या संसद में पहुंचना भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। देश और समाज के लिए विधानसभा और लोकसभा के जरिए जनप्रतिनिधित्व की यह ताकत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अगर महिलाओं की भागीदारी विधानसभा और संसद में कम होती है तो यह चिंता का विषय है। पक्ष-विपक्ष दोनों को इस गंभीर मुद्दे पर विचार करने की जरूरत है। यह सच्चाई है कि आज आधी-आबादी का प्रतिनिधित्व दोनों स्तरों पर कम दिखाई देता है। वर्तमान 18वीं लोकसभा में केवल 74 महिला सांसद हैं, यानी कुल 543 सीटों का मात्र लगभग 14 प्रतिशत। कई राज्य विधानसभाओं का औसत तो इससे भी नीचे है। ऐसे में राजनीतिक रूप से महिलाओं को आरक्षण मिलना जरूरी है। शायद यही कारण है कि देश में बराबरी का दर्जा की बात करने के बावजूद महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान का रास्ता प्रशस्त नहीं दिखाई पड़ता।लोकतंत्र का मतलब सिर्फ बहुमत का शासन नहीं बल्कि सभी वर्गों को समान अवसर देना है। जब आधी आबादी की भागीदारी अधिकतम 14 प्रतिशत तक सीमित हो तो नीति निर्माण एक तरफ हो जाता है, इसलिए उन्हें आरक्षण दिया जाना चाहिए। उनकी भागीदारी को संतुलित करने का यह कारगर उपाय हो सकता है। यह सच है कि आजादी के 78 साल बाद भी सामाजिक, सांस्कृतिक बाधाएं आर्थिक निर्भरता और पुरुष प्रधान सोच के कारण महिलाओं को टिकट नहीं मिल पातीं। आज पंचायत में 33 प्रतिशत आरक्षण लागू होने के बाद 1993 से अब तक 14 लाख से अधिक महिलाएं ग्राम स्तर पर चुनी गईं और इसी मॉडल ने यह साबित कर दिखाया कि अवसर मिलने पर महिलाएं नेतृत्व करने में पुरुषों से पीछे नहीं हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 वाकई एक ऐतिहासिक कदम रहा है, जब सितंबर 2023 में संसद में 128वें संविधान संशोधन के तहत लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने का कानून पारित किया। यह आरक्षण एससी-एसटी कोटे के भीतर भी 33 प्रतिशत उप आरक्षण प्रदान करेगा। हालांकि तीन साल बाद इस पुराने कानून को सरकार ने लागू कर दिया है। इसी कानून में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है, लेकिन यह लागू नहीं हुआ था। गौरतलब है कि पहले से ही इसकी दो शर्तें रही हैं- यह अगली जनगणना और परिसीमन के बाद लागू होगा और लागू होने के 15 साल बाद इसकी समीक्षा होगी यानी 2029 के लोकसभा चुनाव से इसके लागू होने की पूरी संभावना बताई गई थी। यह तय है कि इसके लागू होने से कई तरह के बदलाव भी दिखेंगे। जैसे कि नीति निर्माण की दिशा में मातृत्व लाभ, पोषण, शिक्षा, कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल, घरेलू हिंसा कानून आदि पर सख्ती जैसे विषय संसद के केंद्र में आएंगे। घर-परिवार संभालने वाली महिलाएं जमीनी मुद्दों को बेहतर ढंग से उठा पाएंगी। पार्टियों को महिला कैडर तैयार करने जैसा उनकी मजबूरी हो जाएगी, वहीं टिकट बंटवारे में परिवारवाद और भाई- भतीजावाद घटेगा। इससे पार्षद पति, सरपंच या मुखिया पति की अवधारणा भी घटेगी। महिलाओं को अवसर दिए जाने के बाद ही उनकी क्षमताओं का आकलन करना उचित होगा। परिसीमन से हालांकि पुरुष वर्गों की कई सीटें खतरे में पड़ सकती हैं, लेकिन महिलाओं की भागीदारी के हिसाब से यह सही कदम होगा। इसलिए महिला आरक्षण जरूरी है। अगर ऐसा होता है तो अगला दशक भारतीय लोकतंत्र के लिए निर्णायक होगा।

1993 से अब तक 14 लाख से अधिक महिलाएं ग्राम स्तर पर चुनी गईं और इसी मॉडल ने यह साबित कर दिखाया कि अवसर मिलने पर महिलाएं नेतृत्व करने में पुरुषों से पीछे नहीं हैं।

देश की आधी आबादी की आवाज़ को अभी और इंतज़ार

चुनौती

रेखा शर्मा

राज्यसभा सांसद, हरियाणा

आज भारतीय संसद का बजट सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। हर बार की तरह इस बार भी संसद ने देशहित से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की, कई निर्णय लिए और लोकतंत्र को आगे बढ़ाने का कार्य किया। सरकार ने अनेक अवसरों पर विपक्ष के अनुरोधों का सम्मान किया, संवाद के लिए अतिरिक्त समय दिया और सहमति बनाने का निरंतर प्रयास किया।

यह लोकतंत्र की वही परंपरा है जो मतभेदों के बीच भी संवाद को जीवित रखती है और राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानती है। एक महिला सांसद होने के नाते इस सत्र की समाप्ति मेरे लिए केवल संसदीय कार्यवाही का समापन नहीं है। यह एक गहरी भावनात्मक कसक का क्षण भी है, क्योंकि इस बार अधूरी रह गई उम्मीद केवल एक विधेयक की नहीं थी, बल्कि देश की आधी आबादी के प्रतिनिधित्व के अधिकार की थी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक कानूनी प्रस्ताव नहीं था। यह उन करोड़ों बेटियों की आशा था, जो लोकतंत्र में अपनी भागीदारी को और सशक्त होते देखना चाहती हैं। यह उन माताओं का विश्वास था, जिन्होंने हमेशा समाज और परिवार को दिशा दी, लेकिन निर्णय लेने की सर्वोच्च संस्थाओं में उनकी भागीदारी अब भी सीमित रही। यह उन युवा छात्राओं का सपना था, जो राजनीति को केवल देखने नहीं, बल्कि उसे दिशा देने का साहस रखती हैं। यह उन लाखों महिलाओं की आकांक्षा का प्रतीक था, जो पंचायतों और स्थानीय निकायों में नेतृत्व कर चुकी हैं और अब राष्ट्रीय स्तर पर अपनी भागीदारी का विस्तार चाहती हैं। इस सत्र के दौरान सरकार ने विपक्ष की अनेक मांगों और सुझावों को स्वीकार करते हुए सहमति बनाने का वातावरण तैयार करने की पूरी कोशिश की। लोकतंत्र संवाद से चलता है, और संवाद के लिए सरकार की ओर से निरंतर प्रयास भी हुए, लेकिन जिस प्रकार से महिलाओं के प्रतिनिधित्व को मजबूत करने का यह ऐतिहासिक अवसर आगे नहीं बढ़

सका, उसने देश की करोड़ों महिलाओं की उम्मीदों को प्रतीक्षा में छोड़ दिया है। यह केवल एक प्रक्रिया का रुकना नहीं था, यह एक भावनात्मक अपेक्षा का ठहर जाना था। सोचिए, यदि यह व्यवस्था लागू हो जाती तो 2029 का भारत कैसा होता? संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की अब तक की सबसे बड़ी भागीदारी दिखाई देती। नीति निर्माण की प्रक्रिया में संवेदनशीलता, संतुलन और सामाजिक समावेशन की नई दिशा मिलती। सबसे महत्वपूर्ण बात देश की बेटियों को यह संदेश मिलता कि उनका लोकतंत्र उन्हें केवल मतदाता नहीं, बल्कि नीति-निर्माता के रूप में भी स्वीकार करता है। यह संदेश आने वाली पीढ़ियों के आत्मविश्वास को नई ऊंचाई देता। आज भारत की महिलाएं हर क्षेत्र में नेतृत्व कर रही हैं। विज्ञान, सेना, खेल, शिक्षा, प्रशासन और न्यायपालिका तक उनकी भूमिका लगातार मजबूत हो रही है। ऐसे समय में संसद और विधानसभाओं में उनकी संख्या बढ़ाना केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं, बल्कि लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रगति का हिस्सा होना चाहिए था।

यह भी सच है कि जब किसी समाज की आधी आबादी निर्णय प्रक्रिया में पर्याप्त रूप से शामिल होती है, तो नीतियां अधिक संवेदनशील, समावेशी और दूरदर्शी बनती हैं। मुझे यह कहते हुए पीड़ा हो रही है कि यह अवसर केवल एक संसदीय प्रक्रिया का हिस्सा बनकर रह गया, जबकि यह भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का स्वर्णिम अध्याय बन सकता था। यह वह क्षण था, जब दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को यह संदेश देने का अवसर था कि भारत केवल संख्या में नहीं, बल्कि सहभागिता में भी सबसे आगे है। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर आज तक हर महत्वपूर्ण परिवर्तन में महिलाओं की भूमिका निर्णायक रही है। आज यह प्रतीक्षा है, लेकिन यह प्रतीक्षा निराशा नहीं है। यह एक संकल्प की भूमिका है। देश की आधी आबादी केवल अधिकार नहीं मांग रही है, बल्कि राष्ट्र निर्माण में अपनी समान और प्रभावी भागीदारी का अवसर चाहती है। यह मांग किसी विशेष वर्ग की नहीं, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक संतुलन की मांग है। मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में यह आवाज़ और मजबूत होगी, और वह दिन अवश्य आएगा जब संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी भारत के लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति के रूप में सामने आएगी। क्योंकि यह केवल प्रतिनिधित्व का प्रश्न नहीं है। यह सम्मान का प्रश्न है, यह समान अवसर का प्रश्न है, और यह भारत के भविष्य का प्रश्न है।

सियासी महाकुंभ में समाजवाद

जिरहनामा

कनक तिवारी

आखिरकार बिहार के मुख्यमंत्री और समाजवादी नीतीश कुमार का पतन सहयोगी बनते साजिशी दोस्तों ने करा ही दिया। तीन दशकों तक नीतीश ने खुद को राज्य बल्कि केन्द्र की राजनीति के दिशानिर्देशक की तरह दांव पेंचों के साथ सक्रिय तो रखा था। हासिल यह है कि बिहार में पहले उनके साथ रहे फिर कभी छिटके दूसरे बडे समाजवादी नेता लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल की हालत लचरपचर हो गई है। समाजवादियों का गढ़ बिहार दक्षिणपंथी राजनीति के चंगुल में है। उत्तरप्रदेश में अलबत्ता अभी अखिलेश यादव की अगुवाई में समाजवादी पार्टी मुख्य विपक्ष है। इसके अलावा देश में समाजवाद के कुछ नामलेवा छोटे छोटे चिराग हैं। जो अंधेरे से लड़ने की कोशिश में जुगनुओं की तरह राजनीति के जंगल में भटकते गिरते पड़ते दिखाई देते हैं।

दरअसल समाजवाद एक विचार जिसका भारत ही नहीं दुनिया की राजनीति से बहुत कुछ लेना देना है। कई देश सफल होकर समाजवादी रहे हैं। अब भी कहीं ना कहीं समाजवाद उन देशों की सत्ता की राजनीति में खदबदा रहा है। इस व्यापक और लचीली परिभाषा में साम्यवाद शब्द को भी शामिल कर लेना चाहिए। थोड़े से तरह के हलफे के बावजूद उनका रास्ता एक तरह का है। हालांकि कम्युनिस्टों की चूलें अब ढीली हो गई हैं। कोई देश अब पूंजीपतियों के चंगुल से बाहर नहीं हैं। चाहे रूस और चीनी क्यों न हों। भारत की राजनीति में समाजवाद एक उदार और साफ सुथरा चेहरा लिए दशकों तक अपना भविष्य ढूंढ़ा करता। उम्मीदों के दिए की तरह टिमटिमा रहा था। इतिहास कभी कभी असली जननायकों को अंधेरे में ठेल देने की खलनायकी नहीं छोड़ता। राजनीतिक बियाबान में सबसे पहले तो 23 बरस के क्रांतिकारी शहीद भगतसिंह ने देश को नारा दिया था कि हर हाल में भारत में समाजवाद को लाना है। उससे कमतर कोई विकल्प नहीं। कोई समझौता नहीं। देश में निजी उद्योगपतियों को फलने फूलने नहीं देना चाहिए। वरना ये जनता का खून चूसेंगे। उसी इतिहास ने अपने मुंह से कबूला कि भगत सिंह ने भविष्यवाणी की थी उस पर इतिहास को शर्मसार रहना पड़ेगा।

समाजवाद का जब सियासत में एक तरह से उद्दाम था। तब भारत की संविधान सभा में संविधान के मकसद पर नेहरू ने अप्रतिम भाषण दिया था। लेकिन उस भाषण में उन्होंने संविधान में शब्द के रूप में 13 दिसंबर 1946 को दुर्भाग्य से समाजवादी शब्द का उल्लेख नहीं किया। संविधान नियंता बाबा साहब ने 17 दिसंबर 1946 को कहा था कि पंडित जी तो एक समाजवादी की हैसियत से मशहूर हैं। लेकिन समाजवाद का उल्लेख नहीं करने से मुझे बड़ी निराशा हुई है। उसके बाद तो एक बाढ़ सी आ गई। विशंभर दयाल त्रिपाठी, दामोदर स्वरूप सेठ, काजी सैयद करीमुदुद्दीन और सबसे बढ़कर के० टी० शाह ने हमलावर भाषण दिया कि समाजवाद को क्यों नहीं साफ साफ लिखा जाता। वरना भारत की आजादी का कोई अर्थ नहीं है। ये दुर्भाग्य है कि समाजवाद शब्द भारत में गरीबी, जाति प्रथा और स्त्रियों के साथ होने वाले अत्याचारों की फेहरिश्त में काफी दिनों से है। जितनी समाजवादी पार्टियां भारत में बनी बिगड़ीं और बार बार बनती और बिगड़ती रहीं। उससे राजनीति के इतिहास से ज्यादा गिनीज़ बुक ऑफ वल्ड रिकार्ड का सरोकार रहा है। बिड़ला, टाटा, डालमिया और तमाम उद्योगपति संविधान सभा की कार्यवाही में इस तरह हावी थे कि उनकी उपेक्षा करना संविधान सभा के लिए संभव ही नहीं था। वरना देश में आर्थिक भूचाल आ जाता।

एक बेहद गरीब लेकिन उम्मीदों से भरपूर नेहरू सरकार के मुखिया इंगलैंड के फेबियन समाजवाद से प्रभावित थे। हेराल्ड लास्की, ऑल्डस हक्सले और न जाने कितने विचारक उस वक्त नेहरू के जेहन में दाखिल हो गए थे। जब वे इंगलैंड में बैरिस्टरी की पढ़ाई कर रहे थे। तब भी नेहरू ने यह कहा था कि समाजवाद लाकर भी मिश्रित अर्थव्यवस्था को चलाना पडेगा। वरना देश आगे नहीं बढ़ेगा। इस नेहरू और इंग्लैंड ने एक के बाद एक राजाओं की ही थैली और विशेषकर जमीदारी उन्मूलन और कई निजी उद्योगों का खुले आम राष्ट्रीयकरण किया। यह एक कहानी है। कहने को इतिहास में विवेकानन्द ने सबसे पहले यह कहा कि मैं समाजवाद में विश्वास करता हूं। उन्होंने यहां तक भविष्यवाणी की थी कि भविष्य में समाजवाद का झंडा सबसे पहले रूस में और उसके बाद चीन में बुलंद होगा। रूस के प्रसिद्ध विचारक पीटर क्रोपाटकिन के साथ बैठकर विवेकानन्द ने समाजवाद की आर्थिक संरचना पर लंबी बातचीत की थी। वहीं गांधी ने ट्रस्टीशिप के सिद्धांत का प्रतिपादन करते हुए भी यही कहा था कि मैं समाजवादी हूं। हालांकि इसका तार्किक खंडन प्रसिद्ध समाजवादी मधु लिमये ने अपने एक लंबे लेख में किया था। बड़ी भूमिका तो जयप्रकाश नारायण और लोहिया की रही है। जिन्हें काफी वक्त तक नेहरू का समर्थन मिला। बाद में धीरे धीरे समाजवादी कांग्रेसी सरकार बनने पर पुराने जर्जर ब्रिटिश हुकूमत के ढांचे को गिराने के लिए अलग पार्टी बनाकर रुखसत हो लिए। अगर उनमें से कुछ को संविधान सभा में रखा जाता। तो शायद संविधान का चेहरा कुछ अलग हो सकता था।

बात मौजूदा राजनीति की है। नीतीश ने समाजवाद की पीठ पर अपनी दयनीय हालत के कारण छुरा तो घोंपा है। सत्ता की राजनीति में वे भाजपा के सहयोगी बार बार बने और वहां वहां तभी तक टिके जब तक उनकी सत्ता बरकरार रही। समाजवाद लेकिन पूरे विश्व के भी संदर्भ में इतिहास के रूदन का विषय रहा। छत्तीसगढ़ में ही पुरुषोत्तम कौशिक, कमलनारायण शर्मा और मदन तिवारी जैसे कई उद्दाम चेहरे हैं। जो समाजवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को लेकर हर वक्त लामबंद रहे हैं। उन्होंने भी कोई सिद्धांतविहीन समझौता नहीं किया। अब लगता नहीं कि भारत की अंधभक्ति व्हाट्सएप विश्वविद्यालय की दिशा भटकी युवा पीढ़ी को राजनीति का ककहरा पढ़ने की भी तमीज भी है। समाजवाद एक बिकी हुई सल्तनत है जो केवल यादों में दफ्न की जा सकेगी। कभी जमाना था जब समाजवादी अपनी असल औकात के लिए सत्तामहल को गिराने नहीं लेकिन हिला देने के लायक थे। नीतीश का अवसान निजी नहीं है। वे अपने साथ एक विचारधारा को पाटलिपुत्र में ले डूबे। धार्मिक कुंभ तो प्रयागराज, उज्जैन, हरिद्वार वगैरह में होते रहे हैं। भारतीय राजनीति का सियासी महाकुंभ नीतीश ने पुरोहित बनकर पाटलीपुत्र में कर ही दिया। अब आगे बहती विचारगंगा में समाजवाद की गुंजाइश नहीं हैं। मार्क्स कभी प्रेरक था। अब तो उसको हर तरह के प्रसंग से बाहर भी निकाला जा सकता है। कई नेता रहे जो समाजवाद का चोला ओढ़े भटकते रहे। इनमें जॉर्ज फर्नांडीस ने टेड यूनियन नेता होकर गफलतें कीं। समाजवाद त्रासदी की कहानी है। नीतीश पुराण का तात्विक अर्थ केवल व्यक्तिगत कहानी नहीं है और न ही उनके कथित मानसिक पागलपन की। वर्षों से चले आ रहे संघर्ष की इतिहास की ऐसी भी परिणति होती है। जिस गांधी ने आजादी के आंदोलन की अगुवाई की। उसकी ही पार्टी ने आजादी के दिन से ही उसकी निजी उपेक्षा की। जो नीतीश कथा के समानान्तर की तरह है।

चुनाव परिणाम : 04 मई

मतदान की तारीख : तमिलनाडु - 23 अप्रैल, पश्चिम बंगाल - 23 एवं 29 अप्रैल

बंगाल चुनाव में भाजपा ने शुरू किया आक्रामक प्रचार, 3 सीएम ने साधा टीएमसी पर निशाना

दिनकर की कविता पढ़कर सीएम योगी ने टीएमसी को ललकारा, 'ममता दीदी सिंहासन खाली करो भाजपा आती है', घुसपैठियों से मुक्ति दिलाकर रहेंगे

बंगाल में विधानसभा चुनाव चरम पर पहुंच गया है। टीएमसी सत्ता में वापसी के लिए पूरी ताकत झोंक रही है, तो भाजपा राज्य में सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ जोरदार अभियान चला रही है। भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी है। पार्टी के कई बड़े नेता और विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री बंगाल में लगातार रैलियां कर रहे हैं। डॉ. मोहन यादव, हिमंत बिस्वा सरमा और योगी आदित्यनाथ ने चुनावी मैदान में उतरकर प्रचार किया।

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

टीएमसी सरकार ने घुसपैठ कराकर डेमोग्राफी बदली

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के रण में शनिवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की एंट्री ने राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया है। कूचबिहार के माथाभांगा में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने ममता सरकार पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मां का सपना तभी साकार होगा, जब बंगाल की पवित्र धरती को घुसपैठियों से पूरी तरह मुक्ति मिलेगी। टीएमसी सरकार ने वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैठियों को संरक्षण दिया है, जिससे राज्य की आंतरिक सुरक्षा और डेमोग्राफी खतरे में पड़ गई है। उन्होंने दिनकर की कविता 'सिंहासन खाली कर कि बीजेपी आती है' भी पढ़ा।

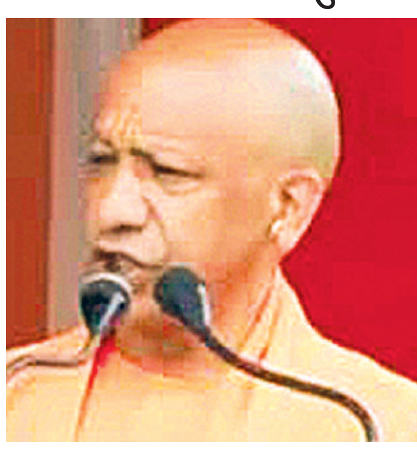

देश की बहनें विपक्ष को कभी माफ नहीं करेंगी

योगी ने कहा कि महिला आरक्षण बिल में 'आधी आबादी' को मिलने वाले अधिकारों के बारे में जो ज़रूरी बदलाव किए गए थे, जिसमें कांग्रेस, टीएमसी, सपा और लेफ्ट पार्टियों ने रुकावटें डालीं और उसे दबाने की कोशिश की, उन्होंने उसे पास नहीं होने दिया। उन्होंने आधी आबादी का अपमान किया है और उनके अधिकारों पर डकैती डालने का काम किया है। देश की बहनें इसे किसी भी हालत में स्वीकार नहीं कर सकतीं।

राजस्थान के सीएम भजनलाल भी उतरे

मां काली की पूजा के बाद किया प्रचार मारवाड़ी वोट बैंक साधने लगाया जोर

राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा ने बंगाल में प्रचार की शुरुआत आस्था के साथ की। प्रसिद्ध कालीघाट काली मंदिर में मां काली के दर्शन किए। पूजा-अर्चना कर शांति, समृद्धि तथा भाजपा की विजय के लिए प्रार्थना की। इस दौरान माडवाडी वोट बैंक साधने पर जोर लगाया।

सीएम सरमा ने विपक्ष पर साधा निशाना

विपक्ष ने महिलाओं का अपमान किया कांग्रेस और टीएमसी खत्म हो जाएगी

असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि ममता बेनर्जी बिना कारण एसआईआर का विरोध कर रही हैं। एसआईआर में लोगों के नाम जोड़े जाएंगे और बांग्लादेशी मुस्लमानों के नाम हटाए जाएंगे। विपक्ष ने महिलाओं का अपमान किया, इसे लेकर कांग्रेस -टीएमसी खत्म हो जाएगी।

तमिलनाडु में बिल पर बोले राहुल

हमने 'उन्हें' हरा दिया, चुपके से परिसीमन बदलना चाहती थी सरकार

तिरुवल्लुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तमिलनाडु के पोंनेरी में एक जनसभा में परिसीमन से जुड़े हालिया

संसदीय घटनाक्रम को लेकर केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि यह कदम तमिलनाडु समेत दक्षिणी राज्यों के संसदीय प्रतिनिधित्व को कम करने की एक छिपी हुई रणनीति का हिस्सा है। तिरुवल्लुर में रैली में राहुल ने कहा कि संसद में लाया गया हालिया विधेयक भले ही महिला आरक्षण के नाम पर प्रस्तुत किया गया हो, लेकिन इसके पीछे वास्तविक उद्देश्य परिसीमन के जरिए दक्षिणी और छोटे राज्यों की राजनीतिक ताकत को कमजोर करना था। उन्होंने कहा कि हमने इसे संसद में हराया।

भाजपा कर रही तमिल पहचान पर हमला

राहुल ने अआरएसएस और भाजपा पर तमिलनाडु की भाषा, संस्कृति और पहचान को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मैं तमिलनाडु में पैदा नहीं हुआ, लेकिन यहां के लोगों से मेरा गहरा रिश्ता है। तमिल भाषा और संस्कृति पर हमला करना अस्वीकार्य है। यह संविधान की मूल भावना के खिलाफ है।

महिला आरक्षण पर बोलीं ममता

भाजपा का पतन शुरू हो गया, अब धड़ाम हो रही

हावड़ा। महिला आरक्षण बिल के गिरने के बाद बंगाल की सीएम ममता बेनर्जी ने

प्रधानमंत्री पर बिना नाम लिए जोरदार हमला बोला है। मोदी सरकार बहुमत के बिना सिर्फ दूसरों के सहारे टिकी है। यह बिल संसद में पास नहीं हो सका। विपक्ष ने इसे गिरा दिया। हावड़ा के उलुबेरिया में चुनावी रैली के दौरान ममता ने कहा कि 'कल से पतन शुरू हो गया है, तभी तो बाबू को राष्ट्र के नाम संबोधन करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा का बहुमत नहीं है। 2 के सहारे बैठी है। ममता ने यह भी कहा कि उन्होंने बंगाल चुनाव के दौरान अपने सांसदों को दिल्ली भेजा था भाजपा को हराने के लिए। उन्होंने कहा कि भाजपा 'धड़ाम धड़ाम' हो रही है।

हाई कोर्ट ने सहायक प्रोफेसरों की नियुक्त की रद्द

कोलकाता। बंगाल में 23 अप्रैल को पहले चरण का मतदान है। इसी बीच कलकत्ता उच्च न्यायालय ने चुनाव आयोग की एक फैसले को रद्द कर दिया है। चुनाव आयोग ने चुनाव के लिए कुछ सहायक

प्रोफेसरों को पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त करने का फैसला लिया था। बंगाल सरकारी कॉलेज शिक्षक संघ से संबंधित याचिकाकर्ताओं ने विधानसभा चुनावों के लिए मतदान केंद्रों में पीठासीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति को चुनौती देते आवेदन दायर किया था।

चुनाव आयोग की कार्रवाई

टीएमसी का प्रचार करने वाले 3 बीएलओ सस्पेंड, एफआईआर

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने बंगाल

विधानसभा चुनावों के लिए चुनावी ड्यूटी में लगे 3बूथ-स्तरीय अधिकारियों को निलंबित करने की घोषणा की। ईसीआई ने राज्य प्रशासन को संबंधित पांचों बीएलओ के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने और एफआईआर दर्ज करने का निर्देश भी दिया। आयोग ने अनुशासनात्मक कार्रवाई का निर्देश दिया है। इनमें तपन कुमार साहा, अविजित डे, और कुमारजीत दत्ता शामिल हैं।

खबर संक्षेप

निशांत कुमार को मिली जेड सिक्योरिटी सुरक्षा

पटना। बिहार के सियासी गलियारे से बड़ी खबर है। पूर्व मुख्यमंत्री

नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को जेड श्रेणी की सिक्योरिटी मिली है, जबकि विजय सिन्हा की सुरक्षा को घटाकर जेड किया है। श्रवण कुमार को वाई प्लस विद एस्कॉर्ट स्तर की सुरक्षा मिली। मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद नीतीश कुमार ज्यादा पावरफुल हो गए हैं।

10वीं तक मराठी नहीं पढ़ाई तो होगी कार्रवाई

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के सभी स्कूलों में कक्षा एक से 10वीं

तक मराठी भाषा को अनिवार्य की गई है। जो स्कूल इस नियम का पालन नहीं कर रहे हैं, उनके खिलाफ अब कड़ी कार्रवाई की जाएगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने आदेश जारी किया है। 2020-21 से राज्य के सभी स्कूलों में मराठी एक अनिवार्य विषय है।

पकड़ा गया नोएडा प्रोटेस्ट हिंसा का मास्टरमाइंड

नोएडा। वर्कर्स के हिंसक प्रदर्शन मामले में उत्तर प्रदेश की एसटीएफ

को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने हिंसा के मुख्य साजिशकर्ता आदित्य आनंद को दबोच लिया है। उसे तमिलनाडु से गिरफ्तार किया है। जांच में कई खुलासे हुए है। हिंसा फैलाने के लिए 80 से अधिक वॉट्सएप ग्रुप बनाकर सुनियोजित तैयारी थी।

सीएम चौधरी 24 को पेश करेंगे विश्वास मत

पटना। बिहार में नवनियुक्त सीएम सम्राट चौधरी के नेतृत्व में गठित

एनडीए की नई सरकार के विश्वास मत पेश करने की तारीख आ गई है। बिहार विधानसभा के एक दिनी विशेष सत्र की तिथि का ऐलान हो गया है। विधानसभा सचिवालय ने शनिवार को अधिसूचना जारी कर दी। यह विशेष सत्र 24 अप्रैल को बुलाया है। वे विश्वास मत हासिल करेंगे।

महिला आरक्षण पास न होने से दुखी सरकार, नहीं छूटेगा कांग्रेस के दामन पर लगा दाग

अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुई लोकसभा-राज्यसभा की कार्यवाही, संपन्न हुआ बजट सत्र

- ऐतिहासिक और उत्पादक रहा यह सत्र, लोकसभा की 93%, राज्यसभा की 110% रही उत्पादकता
- 131 वां संविधान संशोधन बिल लोकसभा में गिर गया है। लेकिन बाकी दोनों बिल अभी भी सदन की संपत्ति हैं
- बजट सत्र के समापन के बाद आयोजित की गई पत्रकार वार्ता में बोले केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

महिला आरक्षण अधिनियम को लागू करने के उद्देश्य से बुलाए गए संसद के तीन दिवसीय विशेष सत्र के साथ शनिवार को बजट सत्र (18वीं लोकसभा का सातवां, राज्यसभा का 270 वां सत्र शामिल) का औपचारिक रूप से समापन हो गया है। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। जिसके बाद आयोजित किए गए संवाददाता सम्मेलन में केंद्रीय संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि यह सत्र ऐतिहासिक और उत्पादक रहा है। लेकिन इस दौरान केंद्र द्वारा लाए गए महिला आरक्षण से जुड़े संविधान संशोधन बिल के पास न होने की वजह से भाजपा को तो कोई नुकसान नहीं होगा। हम विपक्ष के इस फैसले से हालांकि बहुत दुखी हैं। लेकिन इससे यह जरूर साबित हो गया है कि कांग्रेस महिला विरोधी है और अब उसके दामन से यह दाग चिपक गया है। जो कभी नहीं छूटेगा। क्योंकि इससे देश की आधी आबादी को देश का संचालन करने के साथ ही निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी नहीं मिली है। सदन के सुचारू संचालन के लिए दिए गए जरूरी मार्गदर्शन के लिए रिजिजू ने पीएम और दोनों सदनों के अध्यक्षों का धन्यवाद दिया।

इस बार 3 चरणों में हुआ सत्र

उन्होंने कहा कि इस बार बजट सत्र तीन चरणों में हुआ। जिसमें पहला 28 जनवरी से लेकर 13 फरवरी तक चला और दूसरा 9 मार्च से लेकर 2 अप्रैल तक आयोजित किया गया था। इसके बाद महिला आरक्षण के मुद्दे पर बजट सत्र का विस्तार करते हुए सरकार ने 16 से 18 अप्रैल तक तीन दिनों का विशेष सत्र बुलाया। लोकसभा की कुल उत्पादकता 93% और राज्यसभा की लगभग 110% रही। समूचे सत्र की कुल 81 दिनों की अवधि में दोनों सदनों को मिलाकर 31 बैठकें हुईं।

सत्र के पहले भाग में लोकसभा, राज्यसभा को मिलाकर कुल 13 बैठकें, दूसरे भाग में 15 बैठकें और तीसरे भाग में तीन दिनों के सत्र में कुल 3 बैठकें हुई हैं। गौरतलब है कि बजट सत्र का आयोजन आमतौर पर दो चरणों में किया जाता है। लेकिन इस बार महिला आरक्षण के मुद्दे पर इसका विस्तार किया गया था।

पीएम ने पश्चिम-एशिया पर दिया बयान

रिजिजू के मुताबिक, 2026 का पहला सत्र होने की वजह से इसकी शुरुआत 28 जनवरी को संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में दिए गए महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण से हुई थी। लोकसभा में व्यवधान के चलते राष्ट्रपति अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर कुल आवंटित 18 घंटे के बजाय सिर्फ 2 घंटे 46 मिनट चर्चा हुई और उसमें 6 सदस्यों ने भाग लिया। जबकि राज्यसभा में कुल आवंटित 16 घंटे के मुकाबले कुल 17 घंटे 20 मिनट चर्चा हुई, 81 सदस्यों ने भाग लिया। जिसके बाद पीएम द्वारा राज्यसभा में दिए गए जवाब के साथ धन्यवाद प्रस्ताव संसद में पारित हुआ। फिर आम बजट, वित्त विधेयक पारित हुआ। सत्र के दौरान लोकसभा में कुल 12 विधेयक, राज्यसभा में 1 विधेयक पुरःस्थापित किया गया। जबकि दोनों सदनों में पारित हुए विधेयकों की कुल संख्या क्रमशः 9, 9 ही रही। दूसरे भाग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों सदनों में पश्चिम-एशिया संकट के मामले पर एक बयान दिया।

इन तीन चुनौतियों से जूझ रहा देश

उन्होंने कहा कि भारत वर्तमान में अलगाववाद, चरमपंथ और आतंकवाद जैसी तीन चुनौतियों का सामना कर रहा है। देश में नक्सलवाद अब खत्म होने की कगार पर है। कश्मीर में हालात सामान्य हैं। मणिपुर में कुछ नस्ली समस्या चल रही है, लगभग शांति कायम है।

बाकी बचे हुए 2 बिल लोकसभा की संपत्ति

संसदीय कार्य मंत्री ने पत्रकारों के प्रश्नों के जवाब में कहा, महिला आरक्षण लागू करने के लिए सरकार 3 बिल लेकर आई थी। जिसमें से 131 वां संविधान संशोधन बिल फिलहाल पारित नहीं हो सका। लेकिन बाकी बचे हुए दोनों बिल जैसे परिसीमन संशोधन बिल और केंद्रशासित प्रदेश कानून संशोधन बिल अभी भी लोकसभा की संपत्ति हैं। जिसका जिक्र लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी किया था।

भारी पड़ेगा महिलाओं का आक्रोश

उन्होंने संविधान संशोधन बिल को जल्दबाजी में पारित करने के विपक्ष के आरोप को नकारते हुए कहा, हमने मामले पर व्यापक चर्चा की है। सर्वदलीय बैठक भी बुलाई गई, लेकिन ये कांग्रेस पार्टी ही है। जिसके नेता कभी बैठक में नहीं आए, हर बार उन्होंने हमें सिर्फ चिट्ठी लिखकर ही भेजी। राहुल का ये कहना कि संविधान संशोधन बिल असंवैधानिक है। पूरी तरह से गलत है। देश की महिलाओं को शासन में भागीदारी देने का अधिकार अलोकतांत्रिक, असंवैधानिक कैसे हो सकता है? 2023 में पास हुए महिला आरक्षण विधेयक के तहत परिसीमन के लिए संसद की सीटों की संख्या को 2026 तक फ्रीज किया गया है। अब इन्हें बढ़ाने के लिए हमें संविधान संशोधन बिल लाना पड़ा। जिससे केंद्र पांच दशक के राजनीतिक असंतुलन को दूर करना चाहता था। लेकिन कांग्रेस ने ऐसा होने नहीं दिया। अब इसका खामियाजा उन्हें महिलाओं के भारी आक्रोश के साथ चुकाना पड़ेगा। देश की नारी शक्ति मुख्य विपक्षी दल को कभी माफ नहीं करेंगी। परिसीमन बिल के जरिए सरकार कांग्रेस द्वारा शुरू की गई प्रक्रिया का पालन कर रही थी। आरक्षण का विरोध करने पर कांग्रेस,विपक्षी दल अब बच नहीं पाएंगे।

संसद के बजट सत्र में लोक सभा की 31 बैठकें हुईं, जो151 घंटे 42 मिनट चलीं

बजट पर सामान्य चर्चा लगभग 13 घंटे तक चली और 63 सदस्यों ने भाग लियाः बिरला

- लोक सभा में 12 सरकारी विधेयक पेश किए गए और 09 विधेयक पारित किए गए
- 18वीं लोक सभा के सातवें सत्र के दौरान लोक महत्व के 326 मामले उठाए गएः बिरला

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अठारहवीं लोक सभा का सातवां सत्र (बजट सत्र) जो 28 जनवरी, 2026 को शुरू हुआ था, संपन्न हो गया। इस अवसर पर बिरला ने सदन को सूचित किया कि सत्र के दौरान 31 बैठकें हुईं जो लगभग 151 घंटे 42 मिनट तक चलीं। सत्र के दौरान सदन की कार्य-उत्पादकता 93 प्रतिशत रही। बिरला ने जानकारी दी कि राष्ट्रपति ने 28 जनवरी, 2026 को संसद के दोनों सदनों के एक साथ समवेत सदस्यों को संबोधित किया और राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा 2 घंटे 46 मिनट तक चली। वित्त मंत्री ने 1 फरवरी, 2026 को सदन में केंद्रीय बजट 2026-2027 प्रस्तुत किया। केंद्रीय बजट 2026-27 पर सामान्य चर्चा लगभग 13 घंटे तक चली। बिरला ने बताया कि चर्चा में 63 सदस्यों ने भाग लिया। वित्त मंत्री ने 11 फरवरी, 2025 को चर्चा का उत्तर दिया। चयनित मंत्रालयों/विभागों की अनुदान मांगों पर सदन में 16 से 18 मार्च, 2026 तक चर्चा की गई और तत्पश्चात सदन द्वारा अनुदान मांगों को पारित किया गया। विनियोग विधेयक 18 मार्च, 2026 को लोक सभा में पारित

किया गया और वित्त विधेयक 25 मार्च, 2026 को पारित किया गया।

बिरला ने आगे सूचित किया कि सत्र के दौरान 12 सरकारी विधेयक पुरःस्थापित किए गए और 09 विधेयक पारित किए गए। पारित किए गए कुछ महत्वपूर्ण विधेयक इस प्रकार हैंः 1. औद्योगिक संबंध संहिता (संशोधन) विधेयक, 2026, 2. उभयलिंगी व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2026, 3. वित्त विधेयक, 2026, 4. दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक, 2026, 5. आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2026, 6. जन विश्वास (उपबंधों का संशोधन) विधेयक, 2026, 7. केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक, 2026

बिरला ने सूचित किया कि संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026; संघ राज्यक्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक, 2026; और परिसीमन विधेयक, 2026 पर सदन में 16 और 17 अप्रैल, 2026 को चर्चा हुई और चर्चा 21 घंटे 27 मिनट तक चली। उन्होंने यह भी बताया कि तीनों विधेयकों पर चर्चा में 131 सदस्यों ने भाग लिया।

मानसून पूर्वानुमान के बीच कृषि मंत्रालय की तैयारीः पानी, बीज को लेकर शिवराज ने दिए निर्देश

चौहान ने की खरीफ तैयारियों की समीक्षा, अल नीनो प्रभाव को लेकर सरकार तैयार

बेहतर जल भंडारण और समय पर तैयारी से खरीफ पर असर सीमित रखने की रणनीति

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कृषि क्षेत्र की वर्तमान स्थिति तथा आगामी खरीफ मौसम की तैयारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा करते हुए कृषि सचिव और संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों को किसानों के हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक प्रबंध समय रहते सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में मौसम पूर्वानुमान, जल उपलब्धता, फसलों की स्थिति, बीज एवं अन्य कृषि आदानों की व्यवस्था, राज्यों की तैयारियों तथा संभावित प्रतिकूल मौसम परिस्थितियों से निपटने की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। समीक्षा बैठक में कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि हमारे लिए किसान हित सर्वोपरि है और संभावित अल नीनो प्रभाव को लेकर सरकार तैयार है।

बैठक में बताया गया कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने वर्ष 2026 के दक्षिण-पश्चिम मानसून के सामान्य से कम रहने की संभावना व्यक्त की है और मौसमी वर्षा देशभर में दीर्घकालीन औसत के लगभग 92 प्रतिशत रहने का अनुमान है। साथ ही यह भी संकेत दिया गया है कि मानसून सीजन के दौरान अल नीनो की स्थिति विकसित हो सकती है, हालांकि अंतिम और अद्यतन आकलन मई 2026 के अंतिम सप्ताह में जारी किया जाएगा।

बैठक में यह महत्वपूर्ण तथ्य सामने रखा गया कि वर्तमान समय में देश के जलाशयों का जलस्तर संतोषजनक स्थिति में है और समग्र भंडारण सामान्य से बेहतर है। उपलब्ध आकलन के अनुसार जलाशयों का भंडारण इस अवधि के सामान्य स्तर के 127.01 प्रतिशत पर है, जिससे खरीफ मौसम में सिंचाई आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी और नमी की कमी के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकेगा।

समीक्षा के दौरान यह भी उल्लेख किया गया कि वर्ष 2000 से 2016 के बीच अल नीनो का प्रभाव कृषि उत्पादन पर अपेक्षाकृत अधिक स्पष्ट दिखता था, क्योंकि उस समय वर्षा-निर्भरता अधिक थी और जलवायु जोखिमों से निपटने की व्यवस्थाएं वर्तमान की तुलना में सीमित थीं। हाल के वर्षों में तकनीकी प्रगति, बेहतर कृषि प्रबंधन, जल संरक्षण, सिंचाई नेटवर्क के विस्तार और उन्नत बीजों के उपयोग से फसलों की उत्पादकता में अधिक स्थिरता आई है। बैठक में यह भी रेखांकित किया गया कि कुछ फसलें, विशेषकर धान, अपेक्षाकृत अधिक स्थिरता दिखाती हैं, जबकि अन्य फसलों के लिए भी उपयुक्त प्रबंधन उपाय पहले से तैयार किए जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि सरकार का जोर इस बात पर है कि क्षेत्र-विशिष्ट और फसल-विशिष्ट रणनीति अपनाकर किसानों को समय पर सलाह, बीज, संसाधन और विकल्प उपलब्ध कराए जाएं।

सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी राज्य किसी भी विपरीत मौसम की स्थिति से निपटने पूर्ण तैयारी रखें और जिला स्तर तक आकस्मिक योजनाओं को सक्रिय किया जाए। बीज, उर्वरक और अन्य आवश्यक कृषि आदानों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथवैकल्पिक फसल विकल्प, देरी से बुवाई की रणनीति और सूखा-सहनशील किस्मों को बढ़ावा दिया जाए। किसानों को किसी प्रकार की कठिनाई से बचाने के लिए निगरानी तंत्र सक्रिय है और स्थिति की नियमित समीक्षा की जा रही है। राज्यों के साथ सतत समन्वय, फसल मौसम निगरानी, जिला कृषि आकस्मिक योजनाओं का अद्यतन और संकट प्रबंधन संबंधी संस्थागत व्यवस्था के माध्यम से समय पर निर्णय सुनिश्चित किए जा रहे हैं।

गिरते बाजार में धैर्य ही सबसे बड़ा हथियार

सुझाव | बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव कोई नई बात नहीं है, लेकिन जब गिरावट तेज होती है तो निवेशकों का धैर्य डगमगाने लगता है। हाल के दिनों में वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, खासकर पश्चिम एशिया में हालात और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने बाजार को अस्थिर बना दिया है। ऐसे माहौल में कई निवेशक घबराकर अपने निवेश से बाहर निकलने या एसआईपी (सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) बंद करने का फैसला कर लेते हैं। हालांकि, जानकारों का कहना है कि इस तरह के फैसलों को निवेश के लिए नुकसानदेह मानती हैं। उनका स्पष्ट कहना है कि बाजार की गिरावट के समय घबराहट में लिया गया निर्णय अक्सर लंबी अवधि के रिटर्न को कमजोर कर देता है।

एसआईपी रोकना क्यों हो सकता है नुकसानदायक

गिरते बाजार में एसआईपी बंद करना निवेशकों की सबसे बड़ी भूल होती है। एसआईपी का मूल उद्देश्य ही बाजार की अस्थिरता का फायदा उठाना है। जब बाजार गिरता है, तो निवेशक कम कीमत पर अधिक यूनिट्स खरीद पाते हैं। यही प्रक्रिया "कॉस्ट एवरेजिंग" कहलाती है, जो लंबे समय में बेहतर रिटर्न देने में मदद करती है। यदि निवेशक गिरावट के समय एसआईपी रोक देते हैं, तो वे इस कॉस्ट एवरेजिंग के लाभ से वंचित हो जाते हैं। यही कारण है कि एक्सपर्ट्स हमेशा सलाह देते हैं कि एसआईपी को एक अनुशासित आदत की तरह जारी रखा जाए, न कि बाजार के मूड के हिसाब से चलाया जाए।

एकमुश्त निवेशकों के लिए एसटीपी का विकल्प

जो निवेशक एकमुश्त रकम निवेश करना चाहते हैं, उनके लिए अदिति ने एसटीपी (सिस्टेमैटिक ट्रांसफर प्लान) को बेहतर विकल्प बताया है। एसटीपी के जरिए निवेशक अपनी बड़ी राशि को धीरे-धीरे इक्विटी में ट्रांसफर कर सकते हैं। इससे बाजार के उतार-चढ़ाव का जोखिम कम होता है और निवेश अधिक संतुलित तरीके से होता है। यह रणनीति खासतौर पर उन निवेशकों के लिए उपयोगी है जो बाजार के सही समय को लेकर असमंजस में रहते हैं।

जियोपॉलिटिकल तनाव का असर

मौजूदा गिरावट के पीछे प्रमुख कारण वैश्विक अनिश्चितता है। पश्चिम एशिया में तनाव और तेल की कीमतों में तेजी ने निवेशकों की भावनाओं को प्रभावित किया है। हालांकि, अदिति का मानना है कि इस तरह की गिरावट आमतौर पर अल्पकालिक होती है। जब तक ये घटनाएं वैश्विक व्यापार, सप्लाई चेन या ऊर्जा आपूर्ति को बड़े स्तर पर प्रभावित नहीं करतीं, तब तक इक्विटी बाजार का दीर्घकालिक ट्रेंड नहीं बदलता। बाजार फिलहाल वास्तविक कॉर्पोरेट कमाई के बजाय खबरों और अनिश्चितता पर प्रतिक्रिया दे रहा है, जो समय के साथ सामान्य हो जाती है।

फाइनेंशियल सेक्टर में अवसर

मौजूदा परिस्थितियों में अदिति कोठारी देसाई बैंकिंग और फाइनेंशियल सेक्टर को लेकर आशावादी नजर आती हैं। उनका कहना है कि प्राइवेट बैंक, इंश्योरेंस व हाउसिंग फाइनेंस कंपनियां इस समय आकर्षक वैल्युएशन पर उपलब्ध हैं। विशेष रूप से निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स एक दशक के सबसे निचले वैल्युएशन के करीब ट्रेड कर रहा है। इसका मतलब है कि मजबूत व गुणवत्ता वाले शेयर अपेक्षाकृत सस्ते मिल रहे हैं। ऐसे समय में धैर्य रखने वाले निवेशकों के लिए सुनहरा अवसर बन सकता है।

अनुशासन व धैर्य ही सफलता

निवेश की दुनिया में सबसे बड़ा सबक यही है कि भावनाओं के बजाय रणनीति के आधार पर निर्णय लिए जाएं। बाजार का गिरना या चढ़ना एक चक्र का हिस्सा है। जो निवेशक इन उतार-चढ़ावों के दौरान भी अनुशासन बनाए रखते हैं, वही लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न हासिल करते हैं। अदिति का संदेश साफ है हेडलाइंस और शॉर्ट-टर्म मूवमेंट्स को देखकर घबराने की जरूरत नहीं है। बल्कि ऐसे समय में अपने निवेश प्लान पर टिके रहना ही समझदारी है।

लॉन्ग टर्म निवेशकों के लिए मौका

इतिहास गवाह है कि बाजार में हर बड़ी गिरावट के बाद रिकवरी भी आती है। जो निवेशक गिरावट के समय निवेश जारी रखते हैं, वे रिकवरी के समय सबसे अधिक लाभ कमाते हैं। इसलिए, मौजूदा बाजार की अस्थिरता को खतरे के बजाय अवसर के रूप में देखना चाहिए।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- इक्विटी, डेट और गोल्ड के सही संतुलन से बनाएं सुरक्षित और ग्रोथ-ओरिएंटेड पोर्टफोलियो
- सफल निवेश के लिए अपनाएं बैलेंस, डिसिप्लिन और सही एसेट एलोकेशन

एसेट एलोकेशन, एसआईपी और लिक्विडिटी प्लानिंग से पाएं स्थिर रिटर्न, रिटर्न के पीछे भागने के बजाय अपनाएं संतुलित और अनुशासित निवेश रणनीति

उतार-चढ़ाव भरे बाजार में समझदारी से करें निवेश

नया वित्तीय वर्ष ऐसे समय में शुरू हो रहा है जब बाजार लिक्विडिटी-ड्रिवन तेजी के दौर से निकलकर एक अधिक चुनिंदा और उतार-चढ़ाव भरे फेज में प्रवेश कर चुका है। पिछले कुछ वर्षों में इक्विटी बाजार ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिए, लेकिन वित्त वर्ष 27 का परिदृश्य अलग नजर आ रहा है। वैश्विक अर्थव्यवस्था अभी भी असमान गति से बढ़ रही है, महंगाई में कमी आई है लेकिन यह पूरी तरह नियंत्रित नहीं हुई है, और ब्याज दरों में तेजी से गिरावट की संभावना भी कम है। ऐसे माहौल में भारतीय निवेशकों के सामने अवसर तो हैं, लेकिन सफलता के लिए रणनीति में बदलाव जरूरी है। यह समय अंधाधुंध रिटर्न के पीछे भागने का नहीं, बल्कि सोच-समझकर, संतुलित और अनुशासित निवेश करने का है।

> वित्त वर्ष 27 ऐसा वर्ष हो सकता है जहां बाजार निवेशकों की समझ और धैर्य की परीक्षा लेगा। यह समय आक्रामक या बिना योजना वाले निवेश का नहीं है। जो निवेशक संतुलन, अनुशासन और जोखिम प्रबंधन पर ध्यान देंगे, वही लंबी अवधि में सफल होंगे।

इस साल अपनाए जाने वाले 7 अहम निवेश मंत्र

1. अपने वित्तीय लक्ष्यों की दोबारा समीक्षा करें

अक्सर निवेशक एक बार लक्ष्य तय कर लेते हैं और फिर उसे बदलते नहीं, जबकि समय के साथ परिस्थितियां बदलती रहती हैं। आय, जिम्मेदारियां और बाजार की स्थिति इन सबका असर निवेश पर पड़ता है। अगर आपका कोई लक्ष्य 2–3 साल में पूरा होना है, तो ज्यादा इक्विटी निवेश जोखिम भरा हो सकता है। वहीं, लंबी अवधि के लक्ष्यों जैसे रिटायरमेंट या वेल्थ क्रिएशन के लिए इक्विटी अब भी उपयुक्त विकल्प है। इसलिए निवेश का ढांचा लक्ष्य की समयसीमा के अनुसार तय करना जरूरी है।

2. एसेट एलोकेशन को संतुलित रखें

आज के समय में सबसे बड़ा जोखिम बाजार का उतार-चढ़ाव नहीं, बल्कि एक ही एसेट क्लास में अत्यधिक निवेश है। कई पोर्टफोलियो अनजाने में इक्विटी-हैवी हो गए हैं। वित्त वर्ष 27 में संतुलन बेहद जरूरी है। इक्विटी के साथ-साथ डेट और गोल्ड को भी पोर्टफोलियो में शामिल करें। जहां इक्विटी ग्रोथ देती है, वहीं डेट स्थिरता प्रदान करता है और गोल्ड अनिश्चितता के समय सुरक्षा कवच का काम करता है। साल में कम से कम एक बार पोर्टफोलियो को रीबैलेंस करना जरूरी है।

3. सही मायनों में डाइवर्सिफिकेशन अपनाएं

कई निवेशक मानते हैं कि ज्यादा म्यूचुअल फंड रखना ही डाइवर्सिफिकेशन है, जबकि ऐसा नहीं है। अगर सभी फंड एक ही तरह के सेक्टर या मार्केट कैप में निवेश कर रहे हैं, तो जोखिम बना रहता है। बेहतर होगा कि पोर्टफोलियो में लार्ज कैप, फ्लेक्सी कैप, डेट और गोल्ड का संतुलित मिश्रण हो। इसके अलावा सीमित स्तर पर अंतरराष्ट्रीय निवेश भी जोड़ा जा सकता है, जिससे जोखिम और रिटर्न का संतुलन बेहतर होता है।

4. वोलाटिलिटी को अवसर के रूप में देखें

वित्त वर्ष 27 में बाजार में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। ऐसे में घबराने की बजाय इसे अवसर के रूप में देखना चाहिए। एसआईपी इस तरह के माहौल में बेहद प्रभावी साबित होती है, क्योंकि यह लागत को औसत करती है। इसके साथ ही, बाजार में गिरावट आने पर अतिरिक्त निवेश (स्टैगर्ड तरीके से) करना लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न दे सकता है। सबसे जरूरी है कि भावनाओं के बजाय अनुशासन के साथ निवेश जारी रखा जाए।

5. लिक्विडिटी को नजरअंदाज न करें

कई निवेशक अपनी अधिकांश राशि बाजार से जुड़े साधनों में लगा देते हैं और जरूरत पड़ने पर नुकसान में निवेश तोड़ने के लिए मजबूर हो जाते हैं। इससे बचने के लिए कम से कम 6 महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड जरूर रखें। यह फंड न केवल आपको संकट में सुरक्षा देगा, बल्कि बाजार में अवसर आने पर अतिरिक्त निवेश की सुविधा भी देगा।

6. डेट निवेश की अहमियत समझें

तेजी के दौर में डेट निवेश को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, लेकिन अस्थिर बाजार में इसकी भूमिका बढ़ जाती है। डेट इंस्ट्रूमेंट्स स्थिर और अनुमानित रिटर्न देते हैं, साथ ही पोर्टफोलियो के कुल जोखिम को कम करते हैं। खासकर शॉर्ट-टू-मिड टर्म लक्ष्यों के लिए डेट एक मजबूत विकल्प है। यह पोर्टफोलियो को संतुलन और स्थिरता प्रदान करता है।

7. फंड चयन से ज्यादा जरूरी है अनुशासन

निवेशक अक्सर "सबसे अच्छा फंड" ढूंढ़ने में समय लगाते हैं, लेकिन असल में लंबे समय में सफलता अनुशासन और निरंतरता से मिलती है। बार-बार फंड बदलना नुकसानदायक हो सकता है, क्योंकि इससे अक्सर निवेशक ऊंचे दाम पर खरीदते और गिरावट में बेचते हैं। बेहतर है कि कुछ अच्छे फंड चुनकर लंबे समय तक निवेशित रहें और समय-समय पर समीक्षा करते रहें।

अनुशासन ही सफलता की कुंजी

वित्त वर्ष 27 ऐसा वर्ष हो सकता है जहां बाजार निवेशकों की समझ और धैर्य की परीक्षा लेगा। यह समय आक्रामक या बिना योजना वाले निवेश का नहीं है। जो निवेशक संतुलन, अनुशासन और जोखिम प्रबंधन पर ध्यान देंगे, वही लंबी अवधि में सफल होंगे। बाजार को समय करने की कोशिश करने के बजाय ऐसा पोर्टफोलियो बनाना ज्यादा समझदारी है, जो हर परिस्थिति में टिक सके। अंततः, निवेश में सफलता किसी एक बड़े फैसले से नहीं, बल्कि छोटे-छोटे सही निर्णयों को लगातार लागू करने से मिलती है। समझदारी से निवेश करें और अपने वित्तीय भविष्य को मजबूत बनाएं।

दुनिया में बाजार कभी सीधी रेखा में नहीं चलता, उतार-चढ़ाव, गिरावट, रिकवरी और अनिश्चितता हमेशा बनी रहती है

10,000 की एसआईपी या 10 लाख का लंपसम कौन देगा बड़ा रिटर्न

जानकारी | बिजनेस डेस्क

> *आज के समय में, जब वैश्विक और घरेलू कारकों के कारण बाजार में अस्थिरता बढ़ी हुई है, यह संतुलित रणनीति और भी प्रासंगिक हो जाती है। यह निवेशक को न केवल बेहतर रिटर्न की संभावना देती है, बल्कि मानसिक संतुलन भी बनाए रखने में मदद करती है। निवेश का उद्देश्य केवल अधिकतम रिटर्न कमाना नहीं, बल्कि ऐसे निर्णय लेना भी है, जिन्हें लंबे समय तक सहजता से निभाया जा सके।*

आज के अस्थिर और उतार-चढ़ाव भरे बाजार में म्यूचुअल फंड निवेशकों के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर एसआईपी बेहतर है या लंपसम निवेश। खासकर तब, जब अचानक आपके हाथ में 10 लाख रुपये की बड़ी राशि आ जाए चाहे वह बोनस हो, बचत हो या किसी निवेश का रिटर्न। एक तरफ एसआईपी का अनुशासित और अपेक्षाकृत सुरक्षित तरीका है, जिसमें बाजार के उतार-चढ़ाव का असर कम होता है, वहीं दूसरी ओर लंपसम निवेश है, जो सही समय पर किया जाए तो तेज कंपाउंडिंग के जरिए बड़ा रिटर्न दे सकता है। लेकिन जब बाजार गिरता है, पोर्टफोलियो लाल दिखता है और निवेशक घबराने लगते हैं, तब यह दुविधा और भी गहरी हो जाती है कि निवेश जारी रखें या रणनीति बदलें। ऐसे में 10 साल की अवधि में कौन-सा तरीका ज्यादा संपत्ति बनाता है। यही सवाल हर निवेशक के मन में उठता है।

पहली नजर में लंपसम निवेश ज्यादा आकर्षक लगता है। इसका कारण है कंपाउंडिंग की ताकत। जब पूरी राशि एक ही बार में निवेश हो जाती है, तो वह पहले दिन से ही बाजार में काम करना शुरू कर देती है। यदि हम 10 साल की अवधि और औसतन 12% सालाना रिटर्न मानें, तो 10 लाख का लंपसम निवेश लगभग 31 लाख रुपये तक पहुंच सकता है। इसके मुकाबले 10,000 की मासिक एसआईपी, जिसमें कुल निवेश 12 लाख रुपये होता है, लगभग 22.5 लाख रुपये का फंड तैयार करती है। इस सीधी तुलना में लंपसम स्पष्ट रूप से आगे दिखाई देता है।

निवेश केवल आंकड़ों का खेल नहीं

निवेश केवल आंकड़ों का खेल नहीं है। असल दुनिया में बाजार कभी सीधी रेखा में नहीं चलता। इसमें उतार-चढ़ाव, गिरावट, रिकवरी और अनिश्चितता हमेशा बनी रहती है। यही वह जगह है, जहां एसआईपी की अहमियत समझ में आती है। एसआईपी निवेशक को बाजार की टाइमिंग की चिंता से मुक्त करती है। वह हर महीने एक तय राशि निवेश करता है। चाहे बाजार ऊपर हो या नीचे। इसका सबसे बड़ा फायदा "रुपी कॉस्ट एवरेजिंग" के रूप में मिलता है, जहां निवेशक महंगे और सस्ते दोनों दामों पर यूनिट खरीदता है, जिससे उसकी औसत लागत संतुलित रहती है।

एसआईपी की ताकत और स्पष्ट

जब बाजार गिरता है, तब एसआईपी की ताकत और स्पष्ट हो जाती है। उस समय अधिकांश निवेशक घबराकर निवेश रोक देते हैं, लेकिन जो निवेशक एसआईपी जारी रखते हैं, वे कम कीमत पर ज्यादा यूनिट खरीदते हैं। यही यूनिट्स बाजार के संभलने पर बेहतर रिटर्न देती हैं। इसके विपरीत, लंपसम निवेश में यदि निवेश गलत समय पर यानी बाजार के उच्च स्तर पर किया गया हो, तो शुरुआती गिरावट निवेशक को मानसिक दबाव में ला सकती है। कई बार निवेशक घबराकर नुकसान में ही पैसा निकाल लेते हैं, जिससे दीर्घकालिक लाभ का अवसर खत्म हो जाता है।

सही उत्पाद चुनना जरूरी

यहां एक महत्वपूर्ण पहलू 'निवेशक का व्यवहार' है। निवेश में सफलता सही उत्पाद चुनने से नहीं, बल्कि सही व्यवहार बनाए रखने से मिलती है। बाजार की गिरावट, नकारात्मक खबरें और लाल होते पोर्टफोलियो निवेशकों के धैर्य की परीक्षा लेते हैं। एसआईपी एक अनुशासित ढांचा प्रदान करती है, जो निवेशक को नियमित बने रहने में मदद करता है। वहीं लंपसम निवेश में निर्णय का पूरा भार एक ही समय पर होता है, जो मानसिक रूप से अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इसका यह अर्थ नहीं है कि लंपसम निवेश गलत है। यदि बाजार का मूल्यांकन आकर्षक हो, निवेशक के पास लंबी अवधि का नजरिया हो और वह उतार-चढ़ाव सहने की क्षमता रखता हो, तो लंपसम रणनीति अत्यंत प्रभावी हो सकती है। जब बाजार लगातार ऊपर बढ़ रहा हो, लंपसम निवेश अधिक लाभ देता है क्योंकि पूरा पैसा शुरू से ही कंपाउंडिंग का लाभ उठा रहा होता है।

कोई एक सार्वभौमिक उत्तर नहीं

अंततः, एसआईपी और लंपसम में से कौन बेहतर है, इसका कोई एक सार्वभौमिक उत्तर नहीं है। यह पूरी तरह निवेशक की जोखिम लेने की क्षमता, निवेश अवधि और व्यक्तिगत सुविधा पर निर्भर करता है। महत्वपूर्ण यह है कि निवेशक अपनी रणनीति को समझे, बाजार की अस्थिरता से विचलित न हो और अनुशासन बनाए रखे।

15 लाख से ज्यादा सैलरी पर भी जीरो टैक्स का मौका

बिजनेस डेस्क

मिडिल क्लास के लिए टैक्स बचाना हमेशा से एक बड़ी चुनौती रहा है। हर साल बढ़ती सैलरी के साथ टैक्स का बोझ भी बढ़ता जाता है, जिससे हाथ में आने वाली आय सीमित रह जाती है। लेकिन वित्त वर्ष 2026-27 के नए टैक्स नियमों ने इस धारणा को बदलने का मौका दिया है। अब सही प्लानिंग और कुछ स्मार्ट विकल्पों के जरिए 15 लाख रुपये से अधिक सैलरी वाले लोग भी अपना टैक्स पूरी तरह शून्य कर सकते हैं। सरकार द्वारा लागू किए गए नए टैक्स रिजीम ने कई ऐसे प्रावधान दिए हैं, जो पहली नजर में छोटे लगते हैं, लेकिन मिलकर बड़ा फायदा देते हैं। खासतौर पर मील वाउचर्स, स्टैंडर्ड डिडक्शन और एम्प्लॉयर के जरिए किए गए निवेश इस गणित को पूरी तरह बदल देते हैं।

मील वाउचर्स बने गेम चेंजर

नए टैक्स नियमों में मील वाउचर्स को एक बड़ा फायदा माना जा रहा है। सेक्शन 115बीएसी के तहत प्रति भोजन 200 रुपये तक के वाउचर्स को टैक्स फ्री कर दिया है। अगर आपकी कंपनी आपको रोजाना लंच और डिनर के लिए 400 के वाउचर देती है, तो महीने के लगभग 22 कार्य दिवसों में यह राशि 8,800 हो जाती है। सालभर में यही रकम 1,05,600 रुपये तक पहुंच जाती है। यह राशि सीधे आपकी ग्रॉस सैलरी से घट जाती है, जिससे आपकी टैक्सेबल इनकम कम हो जाती है। यानी छोटे-छोटे खर्चों को स्मार्ट तरीके से बड़ा टैक्स बचा सकते हैं।

3.86 लाख की कुल छूट कैसे बनती है

- आपकी कुल सीटीसी 15.85 लाख रुपये है, तो आप चार प्रमुख तरीकों से अपनी टैक्सेबल इनकम को काफी हद तक घटा सकते हैं। पहले आता है स्टैंडर्ड डिडक्शन, जो नए टैक्स रिजीम में 75,000 तक दिया जा रहा है। यह फ्लैट छूट है, जिसे हर सैलरीड क्लेम कर सकता है।
- दूसरा बड़ा घटक है एम्प्लॉयर का पीएफ योगदान। आपकी बेसिक सैलरी का लगभग 12% हिस्सा कंपनी आपके प्रोविडेंट फंड में जमा करती है, जो टैक्स फ्री होता है। उदाहरण के तौर पर यह राशि करीब 95,100 रुपये तक हो सकती है।
- तीसरा और बेहद अहम हिस्सा है एनपीएस (नेशनल पेंशन सिस्टम)। सेक्शन 80सीसीडी(2) के तहत कंपनी द्वारा बेसिक सैलरी का 14% तक का योगदान टैक्स से मुक्त होता है। यह लगभग 1,10,950 रुपये तक की छूट दे सकता है।
- चौथा घटक है मील वाउचर्स, जिससे सालाना 1,05,600 रुपये की सीधी कटौती मिलती है। इन सभी को जोड़ने पर कुल टैक्स छूट 3,86,650 रुपये तक पहुंच जाती है। यही वह "स्मार्ट गणित" है, जो आपकी टैक्सेबल इनकम को काफी नीचे ले आता है।

12 लाख की सीमा और जीरो टैक्स का फायदा

नए टैक्स सिस्टम में एक महत्वपूर्ण सीमा 12 लाख रुपये की है। यदि आपकी टैक्सेबल इनकम 12 लाख रुपये या उससे कम रहती है, तो आपको रिबेट का फायदा मिलता है और आपका प्रभावी टैक्स शून्य हो जाता है। जब 15.85 लाख रुपये की सैलरी में से 3.86 लाख रुपये की छूट घटाई जाती है, तो आपकी नेट टैक्सेबल इनकम लगभग 11.98 लाख रुपये रह जाती है। यह 12 लाख रुपये की सीमा से नीचे है, इसलिए आपको कोई टैक्स नहीं देना पड़ता। यानी सही स्ट्रक्चरिंग और प्लानिंग के जरिए आप कानूनी रूप से अपनी टैक्स देनदारी को पूरी तरह खत्म कर सकते हैं।

वसीयत, नॉमिनेशन और इंश्योरेंस हैं, परिवार के भविष्य की मजबूत दीवारें

योजना | बिजनेस डेस्क

अक्सर जब लोग एस्टेट प्लानिंग शब्द सुनते हैं, तो उनके मन में यह धारणा बन जाती है कि यह केवल अमीर लोगों या रिटायरमेंट के करीब पहुंच चुके लोगों के लिए होती है। लेकिन हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। एस्टेट प्लानिंग का मतलब है अपने वित्तीय संसाधनों और संपत्तियों को इस तरह व्यवस्थित करना कि किसी भी अनहोनी की स्थिति में आपके परिवार को आर्थिक और कानूनी परेशानियों का सामना न करना पड़े। खासकर 30 की उम्र वह पड़ाव होती है, जब जिम्मेदारियां तेजी से बढ़ती हैं और ऐसे में सही समय पर की गई प्लानिंग बेहद अहम हो जाती है।

30 की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते व्यक्ति का जीवन कई बदलावों से गुजरता है। करियर स्थिर होने लगता है, शादी हो जाती है, बच्चों की जिम्मेदारी जुड़ जाती है और कई बार घर या वाहन के लिए लोन भी लिया जाता है। ऐसे में आपकी फाइनेंशियल जिम्मेदारियां सिर्फ आपके तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि पूरे परिवार पर निर्भर हो जाती हैं। यदि किसी कारणवश आपके साथ कुछ अनहोनी हो जाए, तो परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो सकता है। एस्टेट प्लानिंग इस जोखिम को कम करती है और आपके परिवार को सुरक्षित भविष्य देने में मदद करती है।

30 की उम्र में एस्टेट प्लानिंग, आज की तैयारी, कल की सुरक्षा

वसीयत : स्पष्टता-सुरक्षा का आधार

एस्टेट प्लानिंग का सबसे महत्वपूर्ण और पहला कदम है वसीयत बनाना। वसीयत एक कानूनी दस्तावेज होता है, जिसमें यह स्पष्ट रूप से लिखा होता है कि आपकी संपत्ति, निवेश और अन्य एसेट्स किसे और कैसे मिलेंगे। अगर वसीयत नहीं बनाई गई है, तो आपकी संपत्ति का बंटवारा कानून के अनुसार होगा, जिसमें समय भी ज्यादा लग सकता है और परिवार को अनावश्यक कानूनी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ सकता है। इससे विवाद की स्थिति भी पैदा हो सकती है। इसलिए जरूरी है कि आप समय रहते वसीयत बनाएं और जीवन में बदलाव (जैसे शादी, बच्चे, नई संपत्ति) आने पर उसे अपडेट भी करते रहें।

नॉमिनेशन : आसान एक्सेस की कुंजी

कई लोग बैंक अकाउंट, म्यूचुअल फंड, पीएफ, इंश्योरेंस पॉलिसी और अन्य निवेशों में नॉमिनेशन करना या अपडेट करना भूल जाते हैं। यह एक छोटी लेकिन बेहद महत्वपूर्ण चूक हो सकती है। सही नॉमिनेशन होने से जरूरत के समय आपके परिवार के सदस्य आसानी से पैसे तक पहुंच सकते हैं। इसके विपरीत, यदि नॉमिनेशन नहीं है या गलत है, तो क्लेम प्रक्रिया लंबी और जटिल हो सकती है। इसलिए यह जरूरी है कि आप समय-समय पर अपने सभी वित्तीय खातों और निवेशों में नॉमिनी की जानकारी अपडेट रखें। इससे परिवार को संकट के समय मानसिक और आर्थिक दोनों तरह की राहत मिलती है।

जीवन बीमा: आर्थिक सुरक्षा की ढाल

एस्टेट प्लानिंग का एक अहम हिस्सा है जीवन बीमा। यह सिर्फ टैक्स बचाने का जरिया नहीं, बल्कि आपके परिवार के लिए आर्थिक सुरक्षा कवच है। यदि परिवार की आय का मुख्य स्रोत आप हैं, तो आपके न रहने की स्थिति में लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी आपके परिवार को आर्थिक रूप से संभाल सकती है। इससे घर का खर्च, बच्चों की पढ़ाई, लोन की ईएमआई जैसी जिम्मेदारियां पूरी की जा सकती हैं। 30 की उम्र में बीमा लेने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि उस समय प्रीमियम कम होता है और आपको बेहतर कवर मिल सकता है। साथ ही, आप अपनी जरूरत और लक्ष्यों के अनुसार सही पॉलिसी चुन सकते हैं।

बढ़ती जिम्मेदारियों के बीच वित्तीय सुरक्षा का मजबूत आधार

समय पर लिए गए फैसले परिवार को कानूनी और आर्थिक तनाव से बचाते हैं

दस्तावेजों का सही प्रबंधन भी जरूरी

एस्टेट प्लानिंग केवल वसीयत और बीमा तक सीमित नहीं है। इसमें आपके सभी जरूरी दस्तावेजों का सही तरीके से रखरखाव भी शामिल है। जैसे बैंक डिटेल्स, इंश्योरेंस पॉलिसी, प्रॉपर्टी पेपर्स, लोन दस्तावेज, निवेश संबंधी जानकारी आदि। इन सभी को एक जगह व्यवस्थित रखना और परिवार के किसी विश्वसनीय सदस्य को इसकी जानकारी देना बहुत जरूरी है। इससे जरूरत के समय भागदौड़ और भ्रम की स्थिति नहीं बनती।

जल्दी प्लानिंग के फायदे

कई लोग एस्टेट प्लानिंग को टालते रहते हैं, यह सोचकर कि अभी उम्र कम है या अभी इसकी जरूरत नहीं है। लेकिन यही सबसे बड़ी गलती होती है। जल्दी शुरुआत करने से आप बेहतर और सोच-समझकर फैसले ले सकते हैं। साथ ही, समय के साथ अपनी प्लानिंग को अपडेट और बेहतर भी कर सकते हैं। यह एक बार का काम नहीं, बल्कि एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, जो आपके जीवन के हर बदलाव के साथ विकसित होती रहती है।

उठाने का सबसे सही समय

एस्टेट प्लानिंग केवल संपत्ति के बंटवारे का माध्यम नहीं है, बल्कि यह आपकी जिम्मेदारी और दूरदर्शिता का प्रतीक है। वसीयत, सही नॉमिनेशन और लाइफ इंश्योरेंस के जरिए आप अपने परिवार को भविष्य की अनिश्चितताओं से सुरक्षित कर सकते हैं। 30 की उम्र इस दिशा में पहला मजबूत कदम उठाने का सबसे सही समय है। आज की गई सही प्लानिंग आपके परिवार को कल के संकट से बचा सकती है और उन्हें एक सुरक्षित व स्थिर जीवन दे सकती है।

हर खिलाड़ी की मजबूत नींव जंप रोप, फिटनेस के साथ करियर का नया मंच

प्रदेश में साल 2008 से संगठित प्रतियोगिताओं की शुरुआत हुई

फिटनेस के साथ करियर का हिट फॉर्मूला बना, युवाओं की पसंद

गली-मोहल्लों से निकल प्रोफेशनल स्पोर्ट्स बना, दे रहा नई पहचान

17 साल में 2100 खिलाड़ी तैयार 1250 से ज्यादा पदक हासिल

कम समय में ज्यादा कैलोरी बर्न खिलाड़ियों की परफॉर्मेंस में सुधार

रोहित डागर ⏭ रोहतक

हरियाणा में जंप रोप (रस्सी कूद) अब महज गली-मोहल्लों का खेल नहीं, बल्कि खिलाड़ियों की मजबूत नींव तैयार करने वाला प्रोफेशनल स्पोर्ट बन चुका है। फिटनेस, फुर्ती और फोकस का यह आसान लेकिन प्रभावी खेल युवाओं के लिए करियर का नया मंच तैयार कर रहा है। वर्ष 2008 से प्रदेश में इसकी संगठित प्रतियोगिताओं की शुरुआत के बाद जंप रोप ने तेजी से विस्तार किया है। बीते 17 वर्षों में करीब 2100 खिलाड़ी इससे जुड़ चुके हैं और 1250 से अधिक पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुके हैं। खास बात यह है कि कम समय में ज्यादा कैलोरी बर्न करने वाला यह खेल खिलाड़ियों की परफॉर्मेंस, स्टैमिना और संतुलन को बेहतर बनाता है। यही वजह है कि आज जंप रोप हर खिलाड़ी के लिए बेसिक फिटनेस का मजबूत आधार बनकर उभर रहा है और युवाओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

हर खिलाड़ी के लिए क्यों जरूरी

हरियाणा जंप रोप संघ के संस्थापक वीर सिंह आर्य ने बताया कि जंप रोप एक परफेक्ट फुल बॉडी वर्कआउट है, जो किसी भी खिलाड़ी की बेसिक फिटनेस तैयार करता है।

⏭ **फुटवर्क और रिदम :** बॉक्सिंग, क्रिकेट और एथलेटिक्स में टाइमिंग और मूवमेंट को निखारता है।

⏭ **स्टैमिना बूस्ट :** शरीर की ऑक्सीजन क्षमता बढ़ाकर थकान कम करता है।

⏭ **इंजरी कंट्रोल :** संतुलन बेहतर कर चोट का खतरा 20–30% तक घटाता है।

हर स्तर पर मनवा रहे प्रतिभा का लोहा

प्रदेश के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। हरियाणा जंप रोप एसोसिएशन के आंकड़े इस खेल की सफलता की कहानी खुद बयां करते हैं। एसोसिएशन के रिकॉर्ड्स के अनुसार, अब तक लगभग 2100 खिलाड़ियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया है, जिनमें से 1250 से अधिक पदक जीतकर खिलाड़ियों ने प्रदेश का नाम रोशन किया है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि हरियाणा में जंप रोप का भविष्य बेहद उज्ज्वल है।

एआई जेनरेटेड फोटो

कार्डियो का सुपरहिट फॉर्मूला

विशेषज्ञों की मानें तो जंप रोप कम समय में ज्यादा कैलोरी बर्न करने वाला वर्कआउट है। यह दिल को मजबूत करता है, ब्लड सर्कुलेशन सुधारता है और हार्ट से जुड़ी बीमारियों का खतरा कम करता है।

रोज 20 मिनट फिटनेस गारंटीड

प्रोफेशनल ट्रेनिंग के लिए रोजाना 15 से 25 मिनट का अभ्यास पर्याप्त माना गया है। 10 मिनट वार्म-अप, 15 मिनट तेज रफ्तार जंप और अंत में कूल-डाउन। स्पष्ट है कि जंप रोप अब सिर्फ खेल नहीं, बल्कि फिटनेस, प्रदर्शन और करियर का मजबूत 'जंप स्टार्ट' बन चुका है।

ये सावधानी बरतें

- पंजों पर हल्की लैंडिंग करें, एड़ी के बल कूदने से बचें
- रस्सी को कलाइयों से घुमाएं, कंधों/हाथों से नहीं
- सख्त जमीन (सीमेंट) की बजाय मैट या लकड़ी की सतह चुनें
- कुशनिंग वाले स्पोर्ट्स शूज पहनें
- वर्कआउट से पहले 5-10 मिनट वार्म-अप करें
- अंत में स्ट्रेचिंग/कूल-डाउन जरूर करें
- शुरुआत कम समय (10-15 मिनट) से करें, धीरे-धीरे बढ़ाएं
- अपनी हाइट के अनुसार सही लंबाई की रस्सी चुनें
- दर्द या ज्यादा थकान होने पर तुरंत रुकें
- वर्कआउट के दौरान पर्याप्त पानी पिएं
- शरीर सीधा रखें, ज्यादा आगे-पीछे न झुकें

गलत तकनीक से नुकसान

- घुटनों में दर्द या चोट का खतरा
- टखनों (एंकल) में मोच या स्ट्रेन
- कमर (लोअर बैक) में दर्द
- ज्यादा कूदने से मांसपेशियों में खिंचाव (मसल स्ट्रेन)
- गलत तकनीक से शिन स्प्लिंट (पिंडली में दर्द)
- सख्त जमीन पर कूदने से जोड़ों पर अतिरिक्त दबाव
- ओवरट्रेनिंग से थकान और स्टैमिना में गिरावट
- संतुलन बिगड़ने पर गिरने या चोट लगने का खतरा
- दिल के मरीजों या ज्यादा वजन वालों में जोखिम
- सही तकनीक और संतुलन बेहद जरूरी

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
पंजाब	5	4	0	9
बेंगलुरु	6	4	2	8
राजस्थान	5	4	1	8
हैदराबाद	6	3	3	6
दिल्ली	5	3	2	6
गुजरात	5	3	2	6
चेन्नई	6	2	4	4
लखनऊ	5	2	3	4
मुंबई	5	1	4	2
कोलकाता	6	0	5	1

ऑरेंज कैप

हेनरिक
283 रन
हैदराबाद

पर्पल कैप

अंशुल
13 विकेट
चेन्नई

खबर संक्षेप

टी20 की टॉप स्कोरर बनीं स्मृति, टूटा रोहित का रिकॉर्ड

डरबन। स्मृति मांधना रोहित शर्मा को पीछे छोड़ते हुए इंटरनेशनल टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली भारतीय क्रिकेटर बन गई हैं। उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में यह उपलब्धी हासिल की। उन्होंने पारी की दूसरी गेंद पर एक रन लेकर यह मुकाम हासिल किया। इस मैच में उतरने से पहले मांधना 151 पारियों में 4231 रनों के साथ रोहित शर्मा के बराबर थी। इस मैच में मांधना ने 14 गेंदों पर 13 रन बनाए, जिससे 155 पारियों में उनके कुल रन 4244 हो गए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 124.38 है। कुल मिलाकर मांधना अब महिला टी20 में दूसरी सबसे ज़्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गई हैं।

भारत के 58 निशानेबाज कहिरा में दिखाएंगे जलवा

नई दिल्ली। भारत के 58 निशानेबाजों और सहयोगी स्टाफ का पहला दल 19 से 27 अप्रैल तक आयोजित होने वाले आईएसएसएफ संयुक्त जूनियर विश्व कप में भाग लेने के लिए काहिरा रवाना हो गया है। काहिरा टूर्नामेंट से आईएसएसएफ जूनियर सर्किट की शुरुआत होगी, जिसमें इस कैलेंडर वर्ष में शॉटगन निशानेबाजों के लिए तीन और राइफल एवं पिस्टल निशानेबाजों के लिए दो प्रतियोगिताएं निर्धारित हैं। भारत ने कुल 71 निशानेबाजों को 18 पदक स्पर्धाओं के लिए उतारा है, जिनमें से 36 निशानेबाज 15 ओलंपिक स्पर्धाओं में भाग लेंगे।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

आईपीएल : दिल्ली ने 6 विकेट से बेंगलुरु को दी शिकस्त

दिल्ली कैपिटल्स ने रोमांचक मैच में बेंगलुरु को हराया, राहुल और स्टब्स ने जड़ा अर्धशतक

एजेंसी ⏭ बेंगलुरु

गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद केएल राहुल (57) और ट्रिस्टन स्टब्स (नाबाद 60) की अर्धशतकीय पारियों की मदद से दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में शनिवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 6 विकेट से शिकस्त दी। सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट की 38 गेंद में 63 रन की आक्रामक पारी के बावजूद कैपिटल्स ने आरसीबी को 8 विकेट पर 175 रन पर रोकने के बाद 19.5 ओवर में चार विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। कैपिटल्स के लिए राहुल ने 34 गेंद की पारी में दो छक्के और चार चौके लगाए।

टीम के 18 रन पर तीन विकेट गिरने के बाद उन्होंने स्टब्स के साथ चौथे विकेट के लिए 44 गेंद में 69 रन की साझेदारी की। इसके बाद स्टब्स ने कप्तान अक्षर पटेल (26 रन पर रिटायर हर्ट) के साथ 35 गेंद में 47 रन की अटूट साझेदारी की। अक्षर चोटिल होने के कारण 16वें ओवर में रिटायर हर्ट हो गए। स्टब्स ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए 47 गेंद की नाबाद पारी में एक छक्का और चार चौके जड़े, जबकि डेविड मिलर (नाबाद 22) ने आखिरी ओवर में लगातार गेंदों पर दो छक्के और एक चौका लगाकर टीम को जीत दिला दी। आरसीबी के लिए भुवनेश्वर कुमार ने चार ओवर में 26 रन देकर तीन विकेट लिए, जबकि कृणाल पंड्या ने 24 रन देकर एक विकेट हासिल किया।

टिम डेविड ने किए आईपीएल में एक हजार रन पूरे

एम. चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में टिम डेविड ने 17 गेंदों में 26 रनों की पारी खेलने के साथ ही खास मुकाम हासिल कर लिया है। टिम डेविड ने आईपीएल में एक हजार रन पूरे कर लिए हैं। डेविड इस लीग में गेंदों के लिहाज से सबसे तेज एक हजार रन पूरे करने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं।

स्कोर बोर्ड

आरसीबी	रन	गेंद	4	6
सॉल्ट का स्टब्स बो कुलदीप	63	38	4	3
कोहली का निसंका बो एनगिडी	19	13	3	0
पडिक्कल का मिलर बो अक्षर	18	13	1	1
पाटीदार का राहुल बो मुकेश	08	04	0	1
डेविड का नटराजन बो अक्षर	26	17	3	1
जितेश शर्मा का मिलर बो एनगिडी	14	20	1	0
शेफर्ड पगबाधा कुलदीप	01	04	0	0
कृणाल पंड्या रन आउट	12	10	0	1
रसिक सलाम नाबाद	00	00	0	0
भुवनेश्वर कुमार नाबाद	03	02	0	0

अतिरिक्त: 11, कुल योग : 20 ओवर में 175/8 रन
गेंदबाजी: नबी 3-0-36-0, मुकेश 4-0-32-1, एनगिडी 4-0-39-2, कुलदीप 4-0-32-2, नटराजन 2-0-16-0, अक्षर 3-0-18-2

दिल्ली कैपिटल्स पारी	रन	गेंद	4	6
पथुम निसंका पगबाधा भुवनेश्वर	01	02	0	0
राहुल का कोहली बो कृणाल	57	34	6	2
नायर का सॉल्ट बो भुवनेश्वर	05	05	1	0
रिजवी का जितेश बो भुवनेश्वर	02	03	0	0
टिस्ट्रन स्टब्स नाबाद	60	47	4	1
अक्षर पटेल रिटायर हर्ट	26	19	3	0
डेविड मिलर नाबाद	22	10	1	2

अतिरिक्त: 06, कुल योग: 19.5 ओवर में 179/4 रन
गेंदबाजी: भुवनेश्वर 4-0-26-3, हेजलवुड 4-0-38-0, सलाम 4-0-40-0, कृणाल 4-0-24-1, सुयश 3-0-31-0, शेफर्ड 0.5-0-17-0

चेन्नई सीजन में चौथा मैच हारी

सनराइजर्स ने सीएसके को 10 रन से हराया

एजेंसी ⏭ हैदराबाद

- अभिषेक-क्लासन की फिफ्टी
- ईशान को तीन विकेट

सनराइजर्स हैदराबाद ने अभिषेक शर्मा और हेनरिक क्लासेन के अर्धशतक के बाद शानदार गेंदबाजी के बूते शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 10 रन से शिकस्त देकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। सलामी बल्लेबाज अभिषेक (59 रन) की शानदार शुरूआत के बावजूद सनराइजर्स हैदराबाद की टीम बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद तेज गेंदबाज जेमी ओवरटन (तीन विकेट) और अंशुल कंबोज (तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने नौ विकेट पर 194 रन ही बना सकी। अभिषेक और हेनरिक क्लासेन (59 रन) के अर्धशतकों को छोड़ दें तो सनराइजर्स हैदराबाद की बल्लेबाजी इकाई ने सीएसके के गेंदबाजों के सामने घुटने टेक दिए। यह स्कोर चुनौतीपूर्ण नहीं लग रहा था लेकिन मेजबान टीम के गेंदबाजों के सामने सीएसके जवाब में 20 ओवर में आठ विकेट पर 184 रन ही बना सकी और उसे चौथी हार का मुंह देखना पड़ा। उसके लिए मैथ्यू शॉर्ट 34 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। हैदराबाद की टीम छह अंक लेकर तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गई।

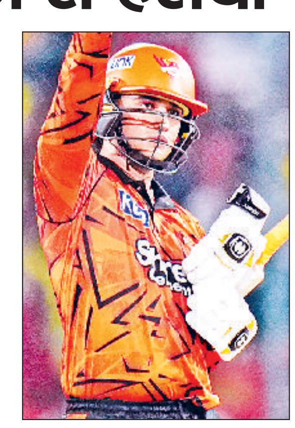

भारतीय टीम की शानदार वापसी अर्जेंटीना के खिलाफ की बराबरी

ब्यूनस आयर्स। भारतीय महिला हॉकी टीम ने अर्जेंटीना के खिलाफ खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी करते हुए आखिरी दो मैच जीतकर श्रृंखला 2-2 से बराबर की। दौरे की शुरुआत 13 अप्रैल को पहले मैच से हुई, जिसमें अर्जेंटीना ने 4-2 से जीत दर्ज की। भारत के लिए नवनीत कौर (22वां मिनट) और अन्नु (29वां मिनट) ने गोल दागे जबकि मेजबान टीम के लिए मारिया एमिलिया लारसन (11वां), विक्टोरिया ग्रानाटो (18वां) ने एक-एक और जूलिएटा जांकुनास (42वां और 55वां) ने दो गोल किए। दूसरा मैच 14 अप्रैल को खेला गया, जिसमें अर्जेंटीना 2-1 से विजयी रही।

NOTICE

IN THE COURT OF HON'BLE A.H. Sayyed MEMBER, MACT- 4, 4th Floor, Room No. 409, (New, G+9, building) DISTRICT COURT, AKASHWANI CHOWK, NAGPUR.

C.P. No. 729/25, C.P. No. 567/25, Process No. 2211 F.F. 04/05/2026

Petitioner : Lalita
-versus-
Respondent : DOT Truckers Ltd.
To,
M/s DOT Truckers Ltd., 1 K.M. Shikeri Pagala Road, Sector 3 Balabgarh Faridabad Hariyana-121004.

Whereas the above named petitioners in above petition have filed their Claim Petition U/ sec. 166 of Motor Vehicle Act

You are hereby noticed to appear in this Court of **Hon'ble Member, M.A.C.T.-4, Nagpur,** in person or by a pleader duly instructed on Dated **04/05/2026**, At 11.00 A.M. to show cause in the said above noted claim Petition failing wherein the said Petition will be heard and determined exparte in your absence. Given under my hand and the seal of the Court this **04th day of April, 2026.**

Nagpur (Seal) Registrar (Judl.)
Date : 04/04/2026 M.A.C.T. Nagpur

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **रजाक शेख** पुत्र आमीन शेख, निवासी मकान नं.146, ए–ब्लॉक, जे.जे. कॉलोनी, बवाना, दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 149/2021 धारा 379/356/411/34 भा.द.स., थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **रजाक शेख** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **रजाक शेख** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 149/2021 धारा 379/356/411/34 भा.द.स., थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **रजाक शेख** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **30.06.2026** को हाजिर हो।

आदेशानुसारः श्री वैभव गर्ग,
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–11 (केन्द्रीय)
कमरा नं. 138, प्रथम तल
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/5019/N/2026

कट में प्रवेश करने वाली अकेली भारतीय बनीं प्रणवी

जोहानिसबर्ग। प्रणवी उर्स जोबर्ग लेडीज ओपन गोल्फ के कट में प्रवेश करने वाली अकेली भारतीय गोल्फर रहीं। पहले दिन तीन अंडर 70 का स्कोर करने वाली प्रणवी का कुल स्कोर एक ओवर 74 रहा। भारत की त्वेसा मलिक, दीक्षा डागर, अवनि प्रशांत और हिताशी बख्शी कट में जगह नहीं बना सकी। दो दौर के बाद फ्रांस की सेलाइन हर्बिन और अमेरिका की ब्रायना नावारोसा शीर्ष पर हैं।

लॉस एंजिलिस में अदिति ने किया कट हासिल

लॉस एंजिलिस। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक दिन के अंतिम चरण में लगाए गए शानदार ईगल की बदौलत जेएम ईगल एलए चैंपियनशिप में कट हासिल करने में सफल रही। अदिति ने पहले दौर में 70 का कार्ड खेलने के बाद दूसरे दौर में 72 का स्कोर बनाया और 36 होल के खेल के बाद उनका स्कोर दो अंडर का है। उन्होंने बैक नाइन से शुरुआत करते हुए 10वें और 15वें होल पर बोगी की, लेकिन 16वें होल पर बर्डी लगाने में सफल रहीं। अदिति ने 18वें होल पर बोगी के बाद पहले होल पर बर्डी लगाई। उनका प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा, जहां दूसरे होल पर एक और बोगी के बाद सातवें होल पर शानदार ईगल लगाकर कट में प्रवेश पाने में सफल रहीं।

देश में नाम चमका रहे हमारे खिलाड़ी, सात लड़कियां और 6 लड़के शामिल

यूथ नेशनल बॉक्सिंग प्रतियोगिता में हरियाणा के 13 खिलाड़ियों ने फाइनल में बनाई जगह

चाहत

मेघा

वैभव

सिकंदर

हरियाणा बॉक्सिंग की नर्सरी : मेजर सत्यपाल

हरियाणा बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष मेजर सत्यपाल सिंधु ने खुशी जाहिर करते हुए सभी खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुक्केबाजों ने रिंग में अपनी तकनीक और जोश से प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़कर यह साबित कर दिया है कि प्रदेश आज भी बॉक्सिंग की नर्सरी बना हुआ है। उन्होंने कोचों की मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि हमें पूरी उम्मीद है कि फाइनल में भी हमारे खिलाड़ी रिकॉर्ड तोड़ स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। उनका मानना है कि यूथ स्तर पर इस तरह का प्रदर्शन भविष्य में ओलंपिक और एशियाई खेलों के लिए मजबूत बनाता है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

8वीं यूथ नेशनल बॉक्सिंग प्रतियोगिता में हरियाणा के 13 खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई। इसमें 7 लड़कियां और 6 लड़के शामिल है। यह प्रतियोगिता असम में आयोजित की जा रही है। फाइनल मुकाबले रविवार को खेले जाएंगे। महिला वर्ग के 45-48 किलोग्राम भार वर्ग में हरियाणा की गुंजन ने चंडीगढ़ की छाया को मात देकर फाइनल में प्रवेश किया। 51-54 किलोग्राम में जन्नत ने पंजाब की सुखप्रीत कौर को, जबकि 57-60 किलोग्राम में चाहत ने सर्विसेज की हर्षिका को शिकस्त दी। इसी तरह 60-65 किलोग्राम में वंशिका ने पंजाब की योगीमा कल्याण को और 65-70 किलोग्राम में हंशिका ने तेलंगाना की खदीजा बेगम को हराकर जीत का परचम लहराया। 70-75 किलोग्राम भार वर्ग में अंशिका ने दिल्ली की प्रियांशी को और 75-80 किलोग्राम में मेघा श्योकंद ने चंडीगढ़ की प्राची खत्री को हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। पुरुष वर्ग में भी हरियाणा का जलवा बरकरार रहा। 50-55 किलोग्राम में आदित्य ने राजस्थान के टिकम सिंह को और 55-60 किलोग्राम में सिकंदर ने दिल्ली के योगेश्वर नागर को कड़े मुकाबले में हराया। 60-65 किलोग्राम में ध्रुव ने तमिलनाडु के जी. सुनील कुमार को मात दी, जबकि 65-70 किलोग्राम में वैभव ने दिल्ली के पुनीत को पराजित किया। वहीं 75-80 किलोग्राम में लोकेश ने असम के संदीप बसुमतारी को, 80-85 किलोग्राम में अवलीक ढाकर ने आंध्र प्रदेश के ईश्वर चरण बोसा को और 85-90 किलोग्राम भार वर्ग में हनी ने सर्विसेज के ध्रुव को हराकर फाइनल की दौड़ में अपनी दावेदारी मजबूत की।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **जहूर, पुत्रः** खिलिल रहमान, **निवासी** म. नं. 352, जे–ब्लॉक, जेजे कॉलोनी, बवाना, दिल्ली ने मुकदमा **CC No. 80041900/2024 U/s 379/411/34 IPC, थानाः मुण्डका, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **जहूर** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **जहूर** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **CC No. 80041900/2024 U/s 379/411/34 IPC, थानाः मुण्डका, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **जहूर** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **28.05.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री गौरव सिंगल
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी–06 (पश्चिम)
कमरा नं. 355, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/4864/OD/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **रविंदर पुत्र सिलक राम निवासी ग्राम–निजामपुर, दिल्ली,** ने **Case No. 59/2020, FIR No. 133/2019, U/S 279/338 IPC, पुलिस स्टेशन कंझावला, रोहिणी जिला, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **रविंदर** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **रविंदर** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **Case No. 59/2020, FIR No. 133/2019, U/S 279/338 IPC, पुलिस स्टेशन कंझावला, रोहिणी जिला, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **रविंदर** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **23.05.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री अपूर्व भारद्वाज
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–02,
उत्तर–पश्चिम जिला, कोर्ट नं0 113,
प्रथम तल, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/5076/RD/2026
(Court Matter)

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109

बोले राजनाथ सिंह, पीएम मोदी के नेतृत्व में सरकार किसी भी संभावित चुनौती से मुकाबले के लिए कर रही तीव्र कार्रवाई

रक्षा मंत्री की अध्यक्षता में हुई मंत्रिसमूह की चौथी बैठक, पश्चिम-एशिया पर तैयारियों को परखा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया संकट के बीच शनिवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में राजधानी में मंत्रियों के उच्च-स्तरीय समूह की चौथी बैठक हुई। जिसमें क्षेत्र के हालातों की पुनः व्यापक समीक्षा करने के साथ ही भारत की तैयारियों को जांचा-परखा गया। रक्षा मंत्री ने एक्स पोस्ट में बताया कि आज पश्चिम एशिया की स्थिति पर गठित किए गए मंत्रियों के समूह की चौथी बैठक आयोजित की गई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजग सरकार क्षेत्र में उत्पन्न संघर्ष के कारण उत्पन्न होने वाली किसी भी

संभावित जोखिम या समस्या को कम करने के लिए त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करना जारी रखे हुए है।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि बैठक में राजनाथ के अलावा विदेश मंत्री, पेट्रोलियम, जहाजरानी, नागर विमानन, ऊर्जा, खाद्य-उपभोक्ता मामलों के मंत्रियों समेत कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

दुनिया के बाकी देशों के निर्णय पर ध्यान दें

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत को तनाव कम करने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। उन्होंने जमीनी स्थिति को अनिश्चित और तनावपूर्ण बताते हुए इस बात पर जोर दिया कि भारत को न केवल तनाव घटाने बल्कि आक्रामकता को रोकने के लिए तैयार रहना चाहिए। राजनाथ ने संकट के बीच अधिकारियों व मंत्रियों को यह निर्देश दिया कि अन्य देशों द्वारा समस्या समाधान को लेकर उठाए जा रहे कदमों पर भी नजर बनाए रखें। जिसमें नीतिगत फैसलों के अलावा अच्छी आदतें भी शामिल हैं। जिसकी मदद से भविष्य में हम अपने तंत्र को मजबूती प्रदान कर सकेंगे।

पेट्रोलियम पदार्थों की कोई कमी नहीं, दो माह का स्टॉक मौजूद

बैठक में अधिकारियों ने मौजूदा चुनौतियों के बीच बने हुए वैश्विक सप्लाई स्टॉक, ईंधन के स्टॉक के बारे में वरिष्ठ मंत्रियों को जानकारी दी। साथ ही कहा कि इस बाबत वह तमाम कोशिशें जारी हैं। जिसमें सप्लाई को निर्बाध गति से बनाए रखने के लिए उठाए जा रहे जरूरी कदम शामिल हैं। वर्तमान में भारत के पास कच्चे तेल से लेकर अन्य पेट्रोलियम पदार्थों का दो महीने का स्टॉक मौजद है। इसके अलावा एलएनजी का स्टॉक पर्याप्त मात्रा में मौजूद है। जबकि एलपीजी का करीब 50 दिन का स्टॉक देश के पास है। होर्मुज पर ऊर्जा सप्लाई को लेकर बनी हुई निर्भरता के बीच भारत ने इसे लेकर दुनिया के कई अन्य देशों से भी संपर्क साधा है।

विदेश मंत्रालय बोला, हमले में मारे गए एक फ्रांसीसी सैनिक को हम अपनी ओर से श्रद्धांजलि देते हैं

लेबनान में फ्रांस के शांति सैनिकों पर हुए हमले की भारत ने की निंदा

लेबनान की सरकार समेत सभी पक्षों से की शांति सैनिकों की सुरक्षा को बनाए रखने की अपील

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया तनाव के बीच लेबनान में शांति स्थापित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र (यूएन) द्वारा तैनात किए गए फ्रांस के शांति सैनिकों (यूनिफिल) पर हुए हमले की भारत ने शनिवार को कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि इस घटना में मारे गए एक फ्रांसीसी सैनिक के प्रति हम अपनी ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। जबकि तीन अन्य घायल सैनिकों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं। इसके अलावा लेबनान की सरकार से हमले के इस मामले की तेजी से जांच कर सभी दोषियों को न्याय के कटघरे में खड़ा करने की अपील भी की गई है। मालूम हो कि लेबनान में

बीते कई वर्षों से भारत के भी कुल करीब 600 से अधिक सैनिक यूएन शांति मिशन के तहत तैनात हैं। अभी फिलहाल किसी के संबंध में कोई नकारात्मक घटना सामने नहीं आई है। सभी सुरक्षित बताए जा रहे हैं। बताते चलें कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भी अपने सैनिकों पर हुए हमले की इस घटना की पुष्टि करते हुए हिजबुल्लाह को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है।

शांति रक्षकों की सुरक्षा को बनाए रखें सभी पक्ष

बयान में मंत्रालय ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के प्रस्ताव-2589 के माध्यम से शांति रक्षकों के खिलाफ किए जाने वाले अपराधों को लेकर जवाबदेही तय करने का उल्लेख किया है। साथ ही लेबनान की सरकार से भी इस मामले में तीव्र अंदाज में कार्रवाई करते हुए हमले से जुड़े सभी दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। यूएन परिसरों की पवित्रता और उनमें तैनात कर्मियों की सुरक्षा, सम्मान को बरकरार रखने को लेकर प्रतिबद्धता जताते हुए भारत ने सभी पक्षों से यह अपील की है कि यूएनएससी के मैंडेट के मुताबिक तैनात किए गए शांति सैनिकों की सुरक्षा को सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

पर्यटकों की सुरक्षा के लिए क्यूआर प्रणाली शुरू

पहलगाम। जम्मू कश्मीर में अधिकारियों ने पहलगाम में पर्यटकों की सुरक्षा के मद्देनजर सभी पर्यटन सेवा प्रदाताओं के लिए एक विशिष्ट क्यूआर कोड आधारित पहचान प्रणाली शुरू की है। पहलगाम

पिछले साल लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों के हमले से दहल गया था। अधिकारियों ने कहा कि इस प्रणाली से वास्तविक और पंजीकृत सेवा प्रदाताओं का आसानी से सत्यापन हो सकेगा, जिसमें व्यापारिक प्रतिष्ठान और बाहरी विक्रेता शामिल हैं। एक अधिकारी ने कहा कि हर सेवा प्रदाता की पुलिस ने ठीक से जांच की है, अधिकारियों ने उसे पंजीकृत किया है और उसे एक विशिष्ट क्यूआर कोड दिया गया है जिसमें उस व्यक्ति की व्यक्तिगत जानकारी और अन्य विवरण होगा। अधिकारियों ने कहा कि जब पर्यटक अपने मोबाइल फोन से कोड स्कैन करते हैं, तो वे उस व्यक्ति के बारे में पूरी जानकारी देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल एक उचित और पंजीकृत पहचान प्रणाली के रूप में कार्य करती है जो धोखाधड़ी को रोकेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी अनधिकृत व्यक्ति पर्यटन से जुड़े होने का दावा या काम नहीं कर रहा है।

जापान-अफगानिस्तान में कांपी धरती

भूकंप के तेज झटके, पीएम की लोगों से अलर्ट रहने की अपील

एजेंसी ▶▶ टोक्यो

जापान के उत्तरी नागानो प्रांत में शनिवार को भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के मुताबिक, स्थानीय समय के अनुसार दोपहर 1:20 बजे यह भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.0 मापी गई। पीएम सनाए ताकाइची ने बताया कि भूकंप का केंद्र उत्तरी नागानो में था। ओमाची शहर में सबसे ज्यादा असर देखा गया। पीएम ने प्रभावित इलाकों के लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने चेतावनी दी कि आने वाले समय में भी इसी तरह की तीव्रता वाले झटके महसूस हो सकते हैं। अफगानिस्तान में भी शनिवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए जिनका असर कश्मीर घाटी तक भी देखा गया। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.0 मापी गई है। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के बदख्शां प्रांत के जायबक क्षेत्र में था, जिसकी गहराई लगभग 190 किलोमीटर दर्ज की गई। भूकंप सुबह 8:24 बजे आया जिसके बाद कश्मीर घाटी में भी हल्के झटके महसूस किए गए।

पुंछ में एलओसी के पास धमाका एक जवान घायल

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास सुरक्षा बलों की गश्त के दौरान दो अलग-अलग घटनाएं हुई हैं। सेना का एक जवान लैंडमाइन धमाके में घायल हो गया, जबकि दूसरे मामले में जंग लगे एक पुराने मोर्टार गोले को सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया गया। 18 अप्रैल को मेंढर क्षेत्र के बालाकोट सेक्टर में यह घटना घटी। सेना की एक गश्ती टुकड़ी इलाके में अपना दबदबा बनाए रखने के लिए अभ्यास कर रही थी। इसी दौरान एक लैंडमाइन फट गया, जिसमें एक अग्निवीर घायल हो गया। घायल जवान को तुरंत पास के सैन्य चिकित्सा केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

Terms and Conditions applied. #5% Instant Cashback up to Rs. 5000 is available on all HMSI models for EMI transactions made using HDFC Bank credit cards with a minimum transaction value of Rs. 40000 (Tenure 6 months & above). #Instant Cashback of up to Rs. 4000 is available on selected HMSI models for EMI transactions using IDFC Bank credit cards with a minimum transaction value of Rs. 40000 (Tenure 9 months & above). #The offer is valid on credit card transactions processed through Pine Labs machines only and is applicable for one transaction per card/order during the offer period. #The Instant Cashback offer is valid until 30th April 2026. *Approval of the loan is at the sole discretion of the financiers, and additional documentation may be required. *The interest rates, loan amount, down payment, tenure options and EMI are based on the financier's assessment of the applicant's credit profile. *Some of the mentioned components of the scheme cannot be clubbed together. *The offers/features may be modified or withdrawn at any time without prior intimation. *Offer valid until 30th April 2026. ^The price shared above is of Activa 110 Std OBD2B Model Variant for Delhi. ^For more information contact nearest dealers. The feature shown in the creative may not be available in all variants. Product shown in the picture may vary from actual product available in the market. Accessories shown in the picture are not part of standard equipment.

डीलर विवरण के लिए QR कोड स्कैन करें

Honda Motorcycle & Scooter India Pvt. Ltd., Registered Office: Plot No. 1, Sector - 03, IMT Manesar, Distt. Gurugram, (Haryana) - 122052, India; **Website:** www.honda2wheelersindia.com; **Customer Care:** customercare@honda.hmsi.in

Honda Exclusive Authorized Dealerships: **DELHI: CENTRAL DELHI:** J.B. Honda (Jhande Walan) - 9555007307; (Shastri Nagar) - 8882719494; (Naraina) - 8512889494; (Tri Nagar) - 9355719494; **SOUTH DELHI:** Malwa Honda (Lajpat Nagar) - 9266802219; (Adchini) - 8860259596; (Khanpur) - 011-40446391 (Saheen Bagh Jamia) - 8287201001; (Dakshinpuri) - 9266802215; (Sangam Vihar) - 9311227401; Absolute Honda (Mahipalpur, NH-8) - 9871600730; (RK Puram Sector 1) - 9871600734; (Chattarpur) - 8826153434; Pragnya Honda (Okhla) - 9818856993; (Pul Pehladpur Badarpur) - 9650028777; (Jaitpur) - 9818556993; Uday Honda (Adchini) - 9212355514; (Aya Nagar) - 9266135550; **WEST DELHI:** Excel Honda (Moti Nagar) - 9999903295; (Raja Garden) - 9811096676; (West Patel Nagar) - 9667540598; (Mayapuri) - 9811025879; Dhingra Honda (Peeragarhi) - 9871200045; (Uttam Nagar) - 9717455885; (Nangloi) - 9871400045; (Kirari) - 9870200152; (Amanpuri) - 9289739970; (Mangolpuri) - 9289151558; ARK Honda (Tilak Nagar) - 9211711826; Shuban Sai Honda (Najafgarh) - 8506999935; (Vikaspuri) - 8506999939; (Kakrola Mod) - 8506999936; (Vikas Nagar) - 7048947881; (Ranhola) - 9212385582; V.D. Honda (Mahavir Enclave) - 9650415522; (Dabri) - 9212670291; (Bijwasan) - 7290068240; (Rajapuri) - 9910364903; (Kapashera) - 9599442118; **EAST DELHI:** Rajindra Honda (Shahdara) - 9310457400; (Dilshad Garden) - 9818372386; (Bhajanpura) - 7042024650; (Karawal Nagar) - 9810839361; (Ill Pusta) - 9560734814; (Johripur, Shiv Vihar Metro Station) - 9311957772; Swarup Honda (Vikas Marg) - 9810806600; (Mayur Vihar Ph-III) - 9717099729; (Kondli) - 9717099726; (Pandav Nagar) - 9717099723; Celebrate Honda (Jagatpuri) - 9821398522; (Jheel) - 9821398526; (Khichripur) - 9871481114; **NORTH DELHI:** Globus Honda (Azadpur) - 8826993152; (Rani Bagh) - 8130093649; (Pitampura) - 8130093651; (Zakira) - 8130093650; (Burari) - 8130093648; (Jahangirpuri) - 8130093655; (Libaspur) - 8130093656; (Prashant Vihar) - 8130093654; Rohini Honda (Sector 3) - 8882201000; (Rithala) - 8527479000; (Budh Vihar) - 8527724000; Santoshi Honda (Narela) - 8467085731; **BALLABGARH:** Kabir Honda - 9625268154; **GAUNCHI BALLABGARH:** Kabir Honda - 9717967717; **FARIDABAD:** Pick Up Honda - 9873875500; Regent Honda - 9650445006; Faridabad Honda - 8130515558; **GREATER FARIDABAD:** Pick up Honda - 9873820000; **GURUGRAM:** Big Swing Honda (Sohna Road) - 9773548833; Ganpati Honda - 9910894235; Yume Honda - 9818250011; Malwa Gurugram Honda - 9311980996; **BADSHAHPUR:** Big Swing Honda - 9773548844; **CHAKKARPUR:** Big Swing Honda - 9355990083; **KHANDSA ROAD:** Malwa Gurugram Honda - 9289223507; **PALAM VIHAR GURUGRAM:** Ganpati Honda - 9910894234; **GURUGRAM RAILWAY ROAD:** Ganpati Honda - 9910894233; Yume Honda - 9650186777; **SEC-52 GURUGRAM:** Yume Honda - 8130364222; **SEC-82 GURUGRAM:** Ganpati Honda - 9220309621; **MANESAR:** Ganpati Honda - 9910894239; **PATAUDI:** Yume Honda - 8222840011; **HAYATPUR:** JSS Honda - 9992539657; **FARUKH NAGAR:** JRV Honda - 9211298103; **NUH:** Sri Madhav Honda - 8708512346; **HODAL:** Mukund Honda - 8168971032; **PALWAL:** Parashar Honda - 7056573100; **SOHNA:** Sohna Honda - 9812872333; **GAUTAM BUDDHA NAGAR:** Parkash Honda - 9999806883; Pioneer One Honda - 8130788666; Pioneer One Honda (Sec-58) - 8130968666; Pioneer One Honda (Noida City Center) - 8130788666; Parkash Honda (Bhangel) - 7838474152; P.S. Honda (Dadri) - 9811669969; Bhagat Honda (Jewar) - 9711716890; National Honda (Chapraula) - 7042351351; **GHAZIABAD:** JKM Leela Honda - 9999767614; Hindon Honda - 9910110017; Sangam Honda (Sahibabad) - 9311051166; Om Honda (Loni) - 9312254126; Hindon Honda (Modinagar) - 08449790925; Chauhan Honda (Muradnagar) - 9897088340; JKM Leela Honda (Vijaynagar) - 8750324000; SD Honda (Kadrabad) - 7520320611; Shri Vashu Honda (Niwari) - 8445334455; Sangam Honda (Khoda Colony) - 9540651166; BK Honda (Premvihar) - 9311114333; **GREATER NOIDA:** Parkash Honda - 9971992604; Pioneer One Honda (Gaur City) - 7838950960; Shanti Honda (Kulesra) - 9582823843; Khanna Honda (Surajpur) - 9810203519; Republic Honda (Kasna) - 8368861995; **BULANDSHAHR:** Shri Masha Honda - 7351489999; Sri Ganga Honda (Anoopshahr) - 9719524751; KLA Honda (Khurja) - 7078677972; Agarwal Honda (Dibai) - 9412563721; Veer Honda (Shikarpur) - 9758097121; Shri Bhagirathi Honda (Jahagirabad) - 9927544326; Al Uzair Honda (Gulaothi) - 9997729105; **JHAJJAR:** Shree Shyam Honda - 9466511837; **ROHTAK:** Lohchab Honda - 8684888804; Shri Krishna Honda - 9896655630; **SAMPLA:** Rama Honda - 8684840808; **GOHANA:** Shirin Honda - 9053922215; **SONEPAT:** Triumph Honda - 9254015907; **CHOTU RAM CHOWK (SONEPAT):** Triumph Honda - 9254015901; **GANNAUR:** Triumph Honda - 9254015908; **KHARKHODA:** Ashirwad Honda - 9017190979; **KUNDLI:** Triumph Honda - 9254015904; **BAHALGARH:** Triumph Honda - 9034015921.
For Bulk/Institutional enquiries, please write us at: institutionalsales@honda.hmsi.in